NA Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 16 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-258

सत्ता पाने की हताशा में किसी भी स्तर पर गिरने को आतुर राहुल गांधी

देश के लिए खतरनाक है डोनाल्ड लू और राहुल की 'ईलू ईलू'

शुभ-लाभ राष्ट्रहित चिंता

राउल विंसी सत्ता में वापसी के लिए बेताब दिख रहे हैं। राहुल गांधी का असली नाम राउल विंसी ही है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार को गिराने के लिए राहुल गांधी किसी भी तरह का और किसी से भी सहारा लेने से हिचक नहीं रहे हैं। पिछले कई महीनों से राउल विंसी यानी राहुल गांधी कई भारत विरोधी संस्थाओं और व्यक्तियों के साथ गुप्त बैठकें कर रहे हैं, जिनमें राजनेता, अधिकारी और यहां तक कि विभिन्न विदेशी खुफिया एजेंसियों के गुप्त अधिकारी भी शामिल हैं।

इनमें सबसे उल्लेखनीय बैठकों में से एक दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू के साथ हुई राहुल गांधी की बैठक शामिल है। पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश समेत कई देशों में बाइडेन प्रशासन द्वारा किए शासन परिवर्तन के प्रयासों और कामयाबियों में डोनाल्ड लू अग्रणी रहे हैं। यह प्रवृत्ति तब स्पष्ट हुई जब इमरान खान को देश के शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा पाकिस्तान में सत्ता से बेदखल कर दिया गया, जिससे पाकिस्तान इस्लामवादी और भ्रष्ट ताकतों के गठबंधन के लिए कमजोर हो गया। अगला लक्ष्य श्रीलंका बना और उसके बाद बांग्लादेश की बारी आई। बांग्लादेश में अमेरिकी साजिश कामयाब हो गई और वहां अमेरिका का पिट्ठू शख्स सत्ता पर बिठा दिया गया। अमेरिकी डीप स्टेट, जो वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों, कानून के शासन और लोकतंत्र की रक्षा करने का दावा करता है, धीरे-धीरे एशिया और अफ्रीका में लक्षित देशों को अस्थिर करने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है। अंतिम लक्ष्य कठपुतली शासन स्थापित करना है, इन देशों को संयुक्त राज्य अमेरिका के जागीरदार राज्यों में बदलना है। ▶10 पर

झारखंड में सोरेन सरकार पर पीएम मोदी का बड़ा हमला

वोट के लिए घुसपैठियों को मिल रहा झामुमो का संरक्षण

झामुमो के कारण झारखंड में पसर रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या

भगवान बिरसा मुंडा के तप और त्याग की पवित्रता अक्षुण्ण रखें

रांची, 15 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को झारखंड के जमशेदपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए झारखंड की मौजूदा गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, झारखंड के तीन सबसे बड़े दुश्मन हैं झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस। राष्ट्रीय जनता दल झारखंड के निर्माण का बदला आज भी झारखंड से ले रहा है और कांग्रेस को तो झारखंड से नफरत है। ये झामुमो वाले, जिन्होंने आदिवासियों के वोट से अपनी राजनीति चमकाई, आज वो किसके साथ खड़े हैं? ये लोग आदिवासियों के जंगल जमीन पर कब्जा करने वालों के साथ हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, झामुमो के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ खड़े हैं। ये घुसपैठिए और कट्टरपंथी झामुमो को भी अपने कब्जे में लेते जा रहे हैं। इनके लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा के भीतर भी घुस गए हैं। जानते हैं ऐसा क्यों हुआ? क्योंकि झामुमो में कांग्रेस का भूत घुस गया है। जब किसी पार्टी में कांग्रेस का भूत घुस जाता है, तो तुष्टिकरण ही उस दल का इकलौता एजेंडा बन जाता है। इसके लिए सबसे पहले ये लोग दलित, आदिवासी और पिछड़ा समाज के हितों की बलि चढ़ाते हैं। यही हाल झामुमो का भी हो रहा है।

तेज बारिश के बीच अपना भाषण जारी रखते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बारिश कितनी ही तेज क्यों न हो, रुकावटें कितनी ही ज्यादा क्यों न हो, लेकिन कोई भी बाधा मुझे आपसे अलग नहीं कर सकती। मैं आपके दर्शन किए बिना वापस नहीं जा सकता था, इसलिए सड़क मार्ग से ही आप सबके दर्शन करने पहुंच गया। ▶10 पर

वंदे भारत के साथ 32000 लाभार्थियों को मिले पीएम आवास

रांची, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत 32,000 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए और घरों के निर्माण के लिए 32 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी की। उन्होंने देशभर में पीएमएवाई-जी के 46,000 लाभार्थियों को चाबियां भी सौंपी। केंद्र ने पीएमएवाई-जी योजना के तहत झारखंड में गरीबों के लिए 1,13,400 घरों को मंजूरी दी है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने देवघर जिले में मधुपुर बाईपास लाइन और हजारीबाग जिले में हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखी। पीएम झारखंड को 660 करोड़ रुपए से अधिक लागत की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की सौगात दी। ▶10 पर

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल दो दिन बाद देंगे इस्तीफा

नैतिक वजह होती तो गिरफ्तारी के वक्त ही दे देते इस्तीफा

भाजपा नेताओं ने कहा, पत्नी को सीएम बनाने की नौटंकी है

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति घोटाले में जमानत पर बाहर आए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। वह भी दो दिन बाद। आम आदमी पार्टी (आपा) के दफ्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, मैं आज से दो दिन के बाद सीएम पद से इस्तीफा दूंगा। मैं तब तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती कि केजरीवाल ईमानदार है। दिल्ली की जनता के आदेश के बाद ही मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा। भाजपा ने केजरीवाल के 48 घंटे बाद इस्तीफा देने के ऐलान पर सवाल खड़ा किया है। भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के अंदर बनी विभाजक और विस्फोटक स्थिति को देखते हुए इस्तीफे का ऐलान किया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, मैं दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती, मैं सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा। उन्होंने कहा कि मैं और मनीष सिसोदिया जनता के बीच जाएंगे। दिल्ली विधानसभा भंग नहीं होगी। मेरी जगह कोई और सीएम होगा। अगला सीएम चुनने के लिए विधायक दल की बैठक होगी। इसमें सीएम पर फैसला लिया जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा, भाजपा ने एक और नया फार्मूला बनाया है। जहां-जहां ये चुनाव हारे वहां-वहां के मुख्यमंत्री पर फर्जी केस करके गिरफ्तार कर लो और उसकी सरकार गिरा दो। इन्होंने सिद्धारमैया, पिनाराई विजयन, ममता दीदी पर केस कर रखे हैं। ये एक विपक्ष के मुख्यमंत्री को नहीं छोड़ते सभी पर फर्जी केस करके जेल में डालते हैं और सरकार गिरा देते हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री के संभावित नामों में आतिशी मारलेना का नाम सबसे आगे है। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी कालकाजी सीट से विधायक हैं। आतिशी दिल्ली सरकार में शिक्षा, उच्च शिक्षा, टीटीई, वित्त, योजना, पीडब्ल्यूडी, जल, बिजली, सेवाएं, सतर्कता, जनसंपर्क मंत्री हैं। आतिशी के साथ-साथ सौरभ भारद्वाज का नाम भी सामने आ रहा है। वे दिल्ली की ग्रेटर कैलाश सीट से विधायक हैं। सौरभ दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य, शहरी विकास और पर्यटन मंत्री हैं। सौरभ पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी हैं। ▶10 पर

TIBCON CAPACITORS
It's all about SAVING ENERGY AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

लोकसभा चुनाव के समय हुई थी भाजपा में सेंधमारी की साजिश

विपक्ष के वरिष्ठ नेता ने गडकरी को दिया था पीएम का ऑफर

नितिन गडकरी ने कहा, पर नेता का नाम नहीं बताया

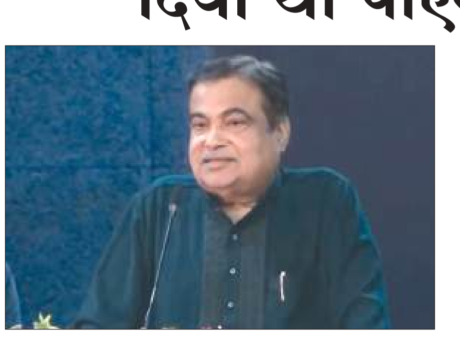

नागपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के समय भाजपा में सेंधमारी की साजिश हुई थी। विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने भाजपा नेता नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री पद का प्रस्ताव दिया था। नितिन गडकरी ने खुद इसका खुलासा किया, लेकिन ऑफर देने वाले वरिष्ठ नेता का नाम नहीं बताया।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को विपक्षी दलों के कई नेताओं ने खेमा बदलने की सलाह दी थी। अब नितिन गडकरी की तरफ से एक और चौंकाने वाला दावा किया गया है। उन्होंने नागपुर में एक कार्यक्रम में बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 से पहले विपक्ष के वरिष्ठ नेता की तरफ से उन्हें प्रधानमंत्री पद ऑफर किया था, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया ▶10 पर

झूठे और धोखेबाज वकीलों पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

दोषियों की सजा माफ कराने के लिए झूठ बोलते हैं वकील

वकीलों के झूठ और धोखे से हमारा विश्वास हिल गया: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। दोषियों की सजा माफी और समय से पहले रिहाई कराने के लिए अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट में झूठे बयान दे रहे हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लगातार इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। इससे हमारा विश्वास हिल गया है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि पिछले तीन हफ्तों में उसके सामने ऐसे कई मामले आए हैं जहां दलीलों में गलत बयान दिए गए।

पीठ ने अपने आदेश में कहा कि अदालत में सजा में छूट न दिए जाने की शिकायत को लेकर बड़ी संख्या में याचिकाएं दायर की जा रही हैं। पिछले तीन सप्ताह में यह छठा-सातवां मामला हमारे सामने आया है, जिसमें दलीलों में गलत बयान दिए गए हैं। शीर्ष अदालत में पीठ के सामने रोज 60-80 मामले दर्ज होते हैं। जजों के लिए हर मामले के प्रत्येक पेज को पढ़ना संभव नहीं है। फिर भी हर मामले को करीब से देखा जाता है।

पीठ ने कहा कि हमारा सिस्टम विश्वास पर काम करता है। जब हम मामलों की सुनवाई करते हैं तो हम बार के सदस्यों पर भरोसा करते हैं। लेकिन जब हमारे सामने इस तरह के मामले आते हैं, तो हमारा विश्वास हिल जाता है। कोर्ट ने कहा कि एक मामले में छूट की मांग के लिए दायर रिट याचिका में न केवल गलत बयान दिए गए हैं, बल्कि अदालत के समक्ष एक गलत बयान दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं के तत्कालीन एडवोकेट ने जेल अधिकारियों को संबोधित 15 जुलाई 2024 के ईमेल में झूठे बयान दोहराए। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30⁰
न्यूनतम : 23⁰

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने की महत्वपूर्ण घोषणा

नर्मदा किनारे धार्मिक स्थलों के आसपास मांस-मदिरा पर बैन

भोपाल, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नर्मदा नदी के किनारे स्थित धार्मिक नगरों और स्थलों के आसपास मांस-मदिरा (शराब) के सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल की बैठक में भी नर्मदा की सांस्कृतिक और धार्मिक अखंडता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया था। नर्मदा नदी अमरकंटक में अपने उद्गम से खंभात की खाड़ी तक 1,312 किलोमीटर तक फैली हुई है।

मुख्यमंत्री ने राज्य प्रशासन को आदेश दिया है कि वह सुनिश्चित करे कि नदी के पवित्र स्थलों के पास कोई भी बस्ती या व्यावसायिक गतिविधि मांस और शराब की बिक्री या खपत की अनुमति न दे। सीएम यादव ने कहा कि नर्मदा सिर्फ़ एक नदी नहीं है, बल्कि हमारे राज्य की सांस्कृतिक विरासत है। इसकी पवित्रता हर हाल में बनाए रखी जानी चाहिए। हम इसे सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाएंगे। सीएम ने कहा कि नर्मदा नदी राज्य के लोगों के लिए भक्ति, आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। ▶10 पर

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा: आरबीआई

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 66 अरब डॉलर बढ़ा

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की आधिकारिक घोषणा के मुताबिक, भारत की विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए) अब 604.144 अरब डॉलर के स्तर पर है। यह विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके साथ ही, सोने के भंडार की कीमत वर्तमान में 61.988 अरब डॉलर है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले कुछ महीनों से लगातार बढ़ रहा है। इस साल अब तक भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार में 66 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है और अभी यह 689.235 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। यह विदेशी मुद्रा भंडार देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक आर्थिक संकटों से बचाने में अहम भूमिका निभाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी हालिया आंकड़ों के मुताबिक, भारत की विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए) अब 604.144 अरब डॉलर के स्तर पर है। यह विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके साथ ही, सोने के भंडार की कीमत वर्तमान में 61.988 अरब डॉलर है। ▶10 पर

भारतीय उच्चायोग में ग्रेनेड फेंकने वाले की पहचान मिली

सांसद अमृतपाल के बहनोई अमरजोत ने फेंका था बम

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

कनाडा के ओटावा में पिछले साल 23 मार्च 2023 को भारतीय उच्चायोग में ग्रेनेड फेंकने का मामला सामने आया था। अब इस केस की छानबीन के बाद बताया जा रहा है कि ग्रेनेड फेंकने वाला व्यक्ति जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह का जीजा अमरजोत था। अमरजोत ने न केवल खालिस्तान के समर्थन में प्रदर्शन किया था बल्कि उच्चायोग के परिसर में खालिस्तान का झंडा भी लगाया था। अमरजोत सिंह अमृतसर के गांव बुताला का रहने वाला है। ग्रेनेड फेंकने के मामले में उससे जुड़ी जानकारी तब बाहर आई जब एनआईए ने पिछले दिनों पंजाब के चार जिलों में एक साथ छापेमारी की। यह छापेमारी गुरदासपुर जिले में तीन स्थानों पर, अमृतसर जिले में दो, पटियाला और मोदा जिले में एक-एक घर में हुई ये सारे स्थान वो हैं जहां अमृतपाल के रिश्तेदार रहते हैं। बुतला में अमृतपाल के जीजा अमरजोत, गुरदासपुर जिले के हांव में उसके साले गुरमुख सिंह और अमृतसर के जल्लूखेड़ा में अमृतपाल सिंह के चाचा परगट सिंह रहते हैं। ▶10 पर

चुनावी दौर में ट्रंप की नई प्रेम कहानी चढ़ रही परवान,31 साल की सुंदरी के हुए दीवाने

वाशिंगटन, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रेम संबंधों को लेकर पूरी दुनिया में फेमस हैं। अब चुनावी दौर में एक 31 साल की महिला के ट्रंप दीवाने हो गए हैं। इसको लेकर तमाम अटकले चल रही हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी के बीच मनमुटाव चल रहा है। ये भी कयास लगाए जा रहे हैं कि चुनाव के बाद दोनों अलग भी हो सकते हैं। वजह है ट्रंप का उनकी रिपब्लिकन पार्टी की 31 साल की कार्यकर्ता लॉरा लूमर के साथ अफेयर के चर्चे। आपको बता दें कि मेलानिया को ट्रंप के साथ आखिरी बार जुलाई में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में देखा गया था। तब से ट्रंप के साथ वह किसी भी मौके पर दिखाई नहीं दीं। हाल ही में कमला हैरिस के साथ ट्रंप के डिबेट में भी वह नहीं दिखीं। ऐसी अफवाहें हैं कि डोनाल्ड ट्रंप वर्तमान में एक समय की रिपब्लिकन कांग्रेस उम्मीदवार, 31 साल की लॉरा लूमर को डेट कर रहे हैं। हाल ही में फिलाडेल्फिया में एबीसी द्वारा होस्ट की गई दूसरे प्रेसिडेंशियल डिबेट में ट्रंप के दल के हिस्से के साथ उनको देखा गया था। ट्रंप को अपने शादीशुदा जीवन में कुछ परेशानियां चल रहीं हैं या ऐसा लोगों को लगता हो क्योंकि जुलाई के बाद उनके चुनावी अभियान में उनका प्रदर्शन भी काफी कम हो गया है। जब से कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की और से ताल ठोक रहीं हैं। कमला की लोकप्रियता रेटिंग अभी भी बढ़ रही है।एक अमेरिकी अखबार के अनुसार, दूसरे प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान और समापन के बाद भी, लॉरा लूमर को मंच के पीछे और यहां तक कि ट्रंप के साथ स्पिन रूम में भी देखा गया। हालांकि, इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई है कि वे वास्तव में डेटिंग कर रहे हैं या नहीं। यह संभव हो सकता है कि वे रूढ़िवादी मतदाताओं को भड़काने के लिए चुनाव खत्म होने तक इस पर सस्पेंस बनाकर रखना चाह रहे हों। लूमर पहले से ही राइटविंग लॉबी और मागा समर्थकों के बीच काफी पॉपुलर हैं। वह होमोसेक्सुअलिटी, ट्रांसफोबिक और मुस्लिम-विरोधी रुख अपना कर चल रही है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका दौरे पर नेपाल के प्रधानमंत्री ओली का हार्वर्ड और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में विशेष संबोधन

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की 79वीं महासभा में भाग लेने के लिए अमेरिका जा रहे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का न्यूयॉर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय और बोस्टन में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विशेष संबोधन होगा। यह पहला मौका होगा जब नेपाल के किसी प्रधानमंत्री द्वारा अमेरिका के इन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में संबोधन होने जा रहा है। न्यूयॉर्क में नेपाल के स्थाई प्रतिनिधि लोक बहादुर थापा ने बताया कि दोनों विश्वविद्यालयों में प्रधानमंत्री ओली के संबोधन के लिए समन्वय का काम पूरा कर लिया गया है। थापा के मुताबिक प्रधानमंत्री ओली द्वारा कोलंबिया विश्वविद्यालय में 23 सितंबर को और हार्वर्ड में 27 सितंबर को संबोधित करने का कार्यक्रम तय हो गया है। प्रधानमंत्री ओली 10 सितंबर से शुरू हुई संयुक्त राष्ट्र की 79वीं महासभा में शामिल होने के लिए 21 सितंबर को न्यूयॉर्क पहुंचने वाले हैं। उनका 26 सितंबर को संबोधन करने का कार्यक्रम है।

एमपॉक्स वैक्सीन को मिली मंजूरी

जिनेवा। दुनिया भर में एमपॉक्स के बढ़ते मामलों के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने बवेरियन नॉर्डिक द्वारा विकसित की गई एमवीए-बीएन वैक्सीन को एमपॉक्स से बचाव के लिए मंजूरी दे दी है। यह वैक्सीन अब डब्ल्यूएचओ की प्री-क्वालिफिकेशन लिस्ट में शामिल कर ली गई है, जो इस बात का प्रमाण है कि यह वैक्सीन क्वालिटी, सेफ्टी और प्रभावशीलता के मानकों पर खरी उतरी है। इस मंजूरी के बाद, अब वैश्विक स्तर पर वैक्सीन की उपलब्धता को बढ़ाने की दिशा में तेजी लाई जाएगी।रिपोर्ट के अनुसार, इस वैक्सीन का मूल्यांकन यूरोपियन मेडिसिन्स एजेंसी द्वारा किया गया था, जिसके बाद इसे प्री-क्वालिफिकेशन लिस्ट में शामिल किया गया। इसका मतलब है कि इस वैक्सीन का उपयोग उन क्षेत्रों में तेजी से किया जा सकेगा, जहां एमपॉक्स का सबसे ज्यादा प्रकोप है।

मां-बाप ने बेटे का नाम रखा पिये, कोर्ट ने किया मना, कोर्ट ने कहा, बच्चे को जीवन भर मजाक का पात्र बनना पड़ेगा

ब्राजीलिया । ब्राजील के कोर्ट में अजीब वाक्या देखने को मिला। एक ब्लैक कपल अपने बच्चे का नाम मिस्र के 25वें महान अश्वेत किंग (नूबिया) के नाम पर पिये रखना चाहते थे। हालांकि कोर्ट ने यह कहते हुए नाम रखने से मना कर दिया कि इस नाम का उच्चारण पुर्तगाली शब्द प्लीए मिलता-जुलता है, जिसका मतलब होता है बैले डांस-स्टेप्स। कोर्ट ने यह भी कहा कि इसके वजह से बच्चे को जीवन भर मजाक का पात्र बनना पड़ेगा। बताया जा रहा है कि ब्राजील के मिनास गेरैस के रहने वाले कैटरीना और डानिल्लो प्रीमोला अपने बच्चे का नाम मिस्र के 25वें अश्वेत राजा के नाम पर रखना चाह रहे थे। प्रिमोला ने बताया कि 2023 रियो डी जेनेरो कार्निवल की एक थीम सॉन्ग के दौरान हमें यह आइडिया आया था। हमने पिये की कहानी पढ़ी। वह एक नूबियन वॉरियर थे। उन्होंने मिस्र को जीत कर पहले अश्वेत फिरौन का दर्जा प्राप्त किया था। हमने अपने बेटे का नाम इनके नाम पर रखने का सोचा। हालांकि जज ने नाम की स्पेलिंग और उच्चारण को देखते हुए नाम रखने के फैसले को रोक दिया। प्रिमोला ने आगे बताया कि पिये अश्वेत लोगों के इतिहास के सबसे मजबूत योद्धा थे। हम अपने बेटे को यह नाम देकर एक उदाहरण पेश करना चाहते थे। हालांकि ऐसा नहीं हो पाया। कोर्ट का कहना है कि नाम के उच्चारण के कारण बच्चे को जीवन भर उपहास का सामना करना पड़ सकता है। प्रिमोला ने कहा कि इससे बुलींग को नहीं रोका जा सकता है, बल्कि समाज की अज्ञानता को दूर करके रोका जा सकता है ।

रूस-यूक्रेन के बीच यूएई ने कराया समझौता, एक-दूसरे के बंदी सैनिकों को छोड़ा

मास्को, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।

रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच राहत की खबर आई है। संयुक्त अरब अमीरात की कोशिश से हुए समझौते के तहत दोनों देशों ने 206 युद्धबंदियों की अदला-बदली की है। इस सौदे में रूस ने 103 यूक्रेनी सैनिकों को रिहा किया तो वहीं इतनी ही संख्या में यूक्रेन ने भी रूसी सैनिकों को छोड़ा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना ने बंदी बनाए 103 रूसी सैनिकों को छोड़ दिया है। हमारी तरफ से भी बंदी बनाए गए 103 यूक्रेनी सैनिकों को वापस उनकी सीमा में भेज दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुताबिक अधिकांश यूक्रेनी युद्धबंदियों के साथ रूस में हिरासत के दौरान दुर्व्यवहार हुआ है और उन्हें यातनाएं भी दी गईं। वहीं बंधी बनाए गए रूसी सैनिकों के साथ भी दुर्व्यवहार की भी अलग-अलग खबरें समाने आ रही हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वापस आए सैनिकों की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि हमारे लोग अपने घर आ गए। हम अपने 103 योद्धाओं को रूसी कैद से सफलतापूर्वक वापस ले आए। मैं यूक्रेन को ऐसी अच्छी खबर देने के लिए हमारी एक्सचेंज टीम का धन्यवाद देता हूं। इन तस्वीरों में यूक्रेनी झंड़ों में लिपटे सैनिक एक-दूसरे के गले मिलते और फोटो खिंचवाते नजर आ रहे हैं। इस अदला-बदली की डील करवाने वाले संयुक्त अरब अमीरात की बहुत बड़ी भूमिका रही है। 2024 की शुरुआत के बाद से यह देश की आठवीं ऐसी मध्यस्थता थी। यूक्रेन के लोकपाल दिमित्रो लुबिनेट्स ने कहा हमनें अब तक 57 एक्सचेंजों में 3,672 यूक्रेनी सैनिको तो वापस पाया है, जबकि इतनी ही संख्या में रूसी सैनिकों को छोड़ा भी है। दोनों ही देशों ने पिछले महीने ही 100 से ज्यादा युद्ध बंधियों की अदला-बदली की थी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि यूक्रेनी सेना ने दो सप्ताह पहले रूस में अचानक हमला किया था, जिसमें 115 रूसी सैनिकों को कुर्स्क क्षेत्र में पकड़ लिया था। मंत्रालय ने कहा था कि रिहा किए गए सैनिक फिलहाल बेलारूस में हैं। रूस और युक्रेन में चल रहे इस भीषण जंग को लेकर दुनियाभर के देश चिंतित हैं। पीएम मोदी ने भी दोनों देशों की यात्रा करके शांति की अपील की थी। पीएम मोदी इस महीने अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं, तो अगले महीने वह रूस की यात्रा पर जा रहे हैं।

रूस और ईरान के बीच गुप्त समझौता अमेरिका-ब्रिटेन कोसताने लगा डर

मास्को। रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका और ब्रिटेन ने पुतिन के खतरनाक इरादों पर चिंता जताई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रूस और ईरान के बीच गुप्त समझौता हुआ है जिसमें रूस ईरान को परमाणु संपन्न देश बनाने के लिए गुप्त सूचना और टेक्नोनॉजी देगा। बदले में ईरान रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में बैलिस्टिक मिसाइलें मुहैया कराएगा। कुछ दिन पहले यूक्रेन ने पश्चिम सहयोगियों से विनती की थी कि उसे कम दूरी की मिसाइलों की मदद दी जाए क्योंकि रूस को ईरान से फतह-360 समेत कई बैलिस्टिक मिसाइलें मिल रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट में मामले के जानकार अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि रूस ने हाल में परमाणु हथियार प्राप्त करने की अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर ईरान के साथ सहयोग बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह वाशिंगटन में अमेरिका और ब्रिटेन के अधिकारियों ने इस बात पर चर्चा की। ब्रिटिश पीएम स्टार्मर और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे चिंताजनक बताया है।

व्हाइट हाउस प्रवक्ता के मुताबिक बाइडेन प्रशासन ईरान की परमाणु गतिविधियों से बहुत चिंतित है। बाइडेन ने यह साफ कर दिया है कि ईरान द्वारा किसी भी परमाणु वृद्धि को रोकने के लिए अमेरिका पूरी ताकत लगा देगा। उधर, रूस के विदेश मंत्रालय और वियना में ईरानी दूतावास ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि एंटनी ब्लिंकन और ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी लंदन में बातचीत के दौरान इस बात पर सहमत हुए हैं कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम कभी भी इतना उन्नत नहीं था। उधर, ईरान इस बात पर ज़ोर दे रहा है कि वह परमाणु हथियार बनाने पर विचार नहीं कर रहा है, हालांकि चिंता जरूर जताई कि वह इजरायल के साथ बढ़ते तनाव के जवाब में उनका निर्माण कर सकता है।

सुनीता विलियम्स के हिंदू होने पर पति माइकल को नहीं है एतराज

वाशिंगटन, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथ विल्मोर कई दिनों से आतंरिक्ष में फंसे हैं। सुनीता पहले अमेरिका नौसेना में ट्रेनिंग पायलट थीं। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने नासा ज्वाइन की। उन्होंने 6 दिसंबर 2006 को अपने पहले अंतरिक्ष मिशन की शुरुआत की, जो 22 जून 2007 को खत्म हुआ था। उनके नाम चार स्पेस वॉक करने का भी रिकॉर्ड है। सुनीता ने फेडरल मार्शल माइकल जे विलियम्स से शादी की है। माइकल के बारे में लोगों कम ही जानते हैं।

नासा में शामिल होने से पहले सुनीता विलियम्स सेना के लिए काम करती थीं और हेलीकॉप्टर उड़ाती थीं। इसी दौरान दोनों की मुलाकात हुई। शुरू में दोनों दोस्त थे, लेकिन जल्द ही उनके बीच प्यार हो गया और उन्होंने शादी करने का फैसला किया।

दोनों की दोस्ती प्यार में बदली और फिर कर ली शादी

माइकल एक फेडरल मार्शल हैं। माइकल को कभी सुनीता के हिंदू होने से कोई समस्या नहीं हुई। सितंबर 2007 में विलियम्स ने साबरमती आश्रम और अपने पैतृक गांव झूलासन का दौरा किया था। इतना ही नहीं माइकल भी भगवत गीता के बारे में जानकारी रखते हैं। अंतरिक्ष के प्रति सुनीता के लगाव के बारे में माइकल ने का मानना है कि वह उसकी खुशी की जगह है।

बता दें सुनीता 5 जुलाई, 2024 को बुच विल्मोर के साथ आठ दिन के मिशन के लिए अंतरिक्ष में गईं। लेकिन तकनीकी खराबी के कारण, दोनों अभी तक अंतरिक्ष में ही फंसी हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों अंतरिक्ष यात्री आठ महीने और अंतरिक्ष में रहेंगे और फरवरी 2025 में उनके धरती पर वापस लौटने की संभावना है।

गाजा पर इज़राइली हवाई हमलों में 21 फिलिस्तीनी की मौत

गाजा, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।

गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 21 फिलिस्तीनी की मौत हो गई है। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि एक इजरायली युद्धक विमान ने गाजा शहर के पूर्व में अल-तुफ्फाह इलाके में एक आवासीय घर पर मिसाइल से हमला किया। फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इस हमले में तीन बच्चों और एक महिला सहित 10 फिलिस्तीनी मारे गए।

एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा ने एक प्रेस बयान में कहा कि गाजा शहर के उत्तर-पश्चिम में एक स्कूल के पास इजरायली हवाई हमले में कम से कम पांच फिलिस्तीनी मारे गए।

स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस शहर के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के लिए बने एक तंबू पर इजरायली गोलाबारी में छह अन्य लोग मारे गए। हालांकि इजरायली सेना ने अभी तक इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बता दें कि हमास ने सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के माध्यम से अचानक हमला किया था जिसमें 1200 से ज्यादा लोग मारे गए थे और लगभग 250 नागरिकों को बंधक बना लिया था।

इसके बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले शुरू किए जो अभी तक जारी हैं। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 41,182 हो गई है।

कब्र से महिलाओं का शव निकालकर करता था दुष्कर्म,पुलिस ने दबोचा

कराची, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।

पुलिस ने एक 40 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर कोरंगी कब्रिस्तान में हाल ही में दफनाई गई महिला की कब्र खोदने और शव का यौन शोषण करने का संदेह है। पुलिस ने शख्स के खिलाफ मामला भी दर्ज कर लिया है।

शिकायतकर्ता ने एफआईआर में कहा, मैंने गुरुवार शाम को अपनी मां को कब्रिस्तान में दफनाया था। रात करीब 10: 30 बजे उसे पता चला कि संदिग्ध ने कब्र को नुकसान पहुंचाया और शव के साथ छेड़छाड़ की। हालांकि, इलाके के कुछ लोगों ने उसे पकड़ लिया।

उन्होंने उसकी पिटाई की और इसी बीच स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। बाद में, कोरंगी पुलिस ने एक बयान में कहा कि संदिग्ध को बाग-ए-कोरंगी कब्रिस्तान में बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान, उसने पुलिस को बताया कि वह कब्रिस्तान में महिलाओं के दफ़न पर नज़र रखता था और रात के समय वह मृतकों के साथ जघन्य अपराध करने के लिए कब्र खोदता था। पुलिस के बयान में कहा गया कि उसने खुलासा किया कि उसने चार महिलाओं की लाशों के साथ यौन शोषण किया है।अवामी कॉलोनी पुलिस ने मृतक महिला के बेटे की शिकायत पर पकड़े गए संदिग्ध के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 297 (कब्रिस्तान में घुसना, आदि), 376 (बलात्कार के लिए सजा) और 354 (महिला की शील भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत केस रजिस्टर किया।

जेल में बंद इमरान खान की पार्टी के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला,कहा-चुनाव में हुई धांधली

इस्लामाबाद, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान चुनावी धांधलियों के लगातार आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने ने पहले ही दावा किया था कि 8 फरवरी के आम चुनाव में जमकर धांधली की गई। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों पीएमएल-एन और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) को जनादेश चोर कहा था।

इस मामले में पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने शहबाज शरीफ सरकार और चुनाव आयोग की धांधली के खिलाफ बड़ा फैसला सुनाया। उच्चतम न्यायालय ने 8 फरवरी को हुए चुनाव के बाद आयोग के कार्यों पर अंसतोष जताया और सुरक्षित सीट के संबंध में इमरान खान की पार्टी के हक में फैसले को लागू करने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के प्रति नाराजगी जताई और कहा कि आयोग के इस कदम की कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए। अगर पाकिस्तान सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का अक्षरशः पालन किया जाता है तो इमरान की पार्टी पीटीआई पाकिस्तान नेशनल असेंबली में सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है।

पाकिस्तान की शीर्ष अदालत का यह आदेश प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए करारा झटका साबित हुआ। इससे तहरीक-ए-इंसाफ(पीटीआई) संसद के दोनों सदनों में सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी।

सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने 15 जुलाई को पीटीआई को सुरक्षित सीट आवंटित करने के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर की थी।

इससे पहले, शीर्ष अदालत की 13 सदस्यीय पीठ ने 12 जुलाई को आठ-पांच के बहुमत से फैसला सुनाया था कि पीटीआई नेशनल असेंबली और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित सीट के लिए पात्र है। अदालत ने यह भी घोषित किया कि पीटीआई को संसदीय दल माना जाए। गौरतलब है कि पीटीआई चीफ और पूर्व पीएम 71 वर्षीय इमरान खान इस वक्त 200 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं और उनमे से कई में उन्हें दोषी भी ठहराया जा चुका है। इस वक्त उन्हें रावलपिंडी की आदियाला जेल में बंद करके रखा गया है। चुनाव में, पीएमएल-एन और पीपीपी दोनों ने व्यक्तिगत रूप से इमरान खान की पीटीआई द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा जीती गई 92 से कम सीटें जीतीं। दोनों पार्टियों ने चुनाव के बाद गठबंधन किया और शहबाज की ताजपोशी हुई। समझौते के तहत पीएमएल-एन को प्रधानमंत्री पद और पंजाब प्रांत का मुख्यमंत्री पद मिला, जबकि पीपीपी को राष्ट्रपति पद और सिंध प्रांत में मुख्यमंत्री पद मिला।

कुख्यात नक्सली विनोद मिश्रा के खिलाफ एनआईए ने दाखिल की चार्जशीट

प्रतिबंधित संगठन को फिर से सक्रिय करने में लगा था

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन सीपीआई (माओवादी) को मगध क्षेत्र में फिर से खड़ा करने के मामले में कुख्यात नक्सली विनोद मिश्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। एजेंसी ने शनिवार को बताया कि विनोद मिश्रा नक्सली संगठन के पोलित ब्यूरो सदस्य और उत्तर क्षेत्र ब्यूरो प्रमुख प्रमोद मिश्रा उर्फ सोहन दा उर्फ बनवारी जी उर्फ बीबी जी उर्फ बाबा का करीबी और रिश्तेदार है।

विनोद कुमार मिश्रा को भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत पूरक आरोपपत्र में नामित किया गया है। एनआईए ने अपने एक बयान में कहा कि उसकी जांच से पता चला है कि आरोपी विनोद मिश्रा ने मगध क्षेत्र (बिहार के गया और औरंगाबाद क्षेत्र) में प्रतिबंधित संगठन को पुनर्जीवित और मजबूत करने की कोशिश की। इसके अलावा, इसके लिए उसने अपनी नापाक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए अपने घर पर कई बैठकें

भी आयोजित की थी। उसने नक्सल नेताओं और कैडरों को अपने घर में आश्रय दिया और उन्हें रसद आदि की सहायता भी प्रदान की थी। इसके अलावा, ये सभी भारत विरोधी विध्वंसक गतिविधियों में शामिल थे। विनोद मिश्रा गिरफ्तार प्रमोद मिश्रा का रिश्तेदार है।

एनआईए की जांच में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी और अन्य संदिग्ध सीपीआई (माओवादी) की भारत विरोधी विचारधारा का प्रचार करने में लगे हुए थे और मगध क्षेत्र में संगठन को पुनर्जीवित करने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कैडर की भर्ती और लेवी एकत्र करने की प्रक्रिया में भी थे। इसका उद्देश्य भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करना था। दरअसल, यह मामला (आरसी-26/2023/एनआईए) केस में प्रतिबंधित संगठन के दो शीर्ष नक्सली नेताओं- प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव की गिरफ्तारी से शुरू हुआ था। बिहार पुलिस ने 10 अगस्त 2023 को विनोद मिश्रा के घर से ही प्रमोद मिश्रा को गिरफ्तार किया था। उस वक्त विनोद मिश्रा फरार हो गया था। इस मामले में तब पुलिस ने टेकारी थाना में मामला दर्ज किया था।

इन नक्सली नेताओं की गिरफ्तारी के समय उनके पास से विभिन्न नक्सली साहित्य, हस्तलिखित पत्र और सात मेमोरी कार्ड जब्त किए गए थे। जब्त किए गए मेमोरी कार्ड में नक्सली गतिविधियों से संबंधित विभिन्न तस्वीरें, पत्र, पत्राचार और साहित्य शामिल थे। इस मामले को एनआईए ने अक्टूबर 2023 में अपने हाथ में ली और प्रमोद मिश्रा समेत तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इन आरोपियों में प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव उर्फ अंकुश उर्फ लवकुश के साथ विनोद मिश्रा भी शामिल था। फरवरी 2024 में एजेंसी ने प्रमोद मिश्रा और सीपीआई (माओवादी) के सब-जोनल कमिटी सदस्य अनिल यादव के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। अब तक गिरफ्तारी से बच रहे विनोद मिश्रा को 20 मार्च 2024 को झारखंड के धनबाद से गिरफ्तार किया गया था।

हिमाचल में अवैध मस्जिद हटवाने के लिए हिंदू एकजुट

शिमला, 15 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के संजौली मस्जिद के अवैध निर्माण को लेकर उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। शिमला में हिंदुओं के प्रदर्शन के बाद अब इसी राज्य के कुल्लु में भी धरना दिया गया है। इस दौरान सड़क पर हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। इस विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शनकारी पूरी मस्जिद को ही अतिक्रमण बता कर इस पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। इसी के साथ इस मस्जिद के खिलाफ सुन्नी, पांवटा साहिब, हमीरपुर और बिलासपुर में भी प्रदर्शन हुए हैं।

शनिवार की सुबह ही कुल्लू में हिंदू संगठन से जुड़े सदस्य सड़क पर उत्तर आए। उन्होंने शिमला में प्रदर्शनकारी हिंदुओं के साथ अपनी एकजुटता दिखाई। प्रदर्शनकारी हिंदुओं का आरोप है कि संजौली की पूरी मस्जिद ही अतिक्रमण कर के बनाई गई है। उन्होंने मांग की है कि पूरी मस्जिद को ही हटाया जाए। धरने की सूचना पर फ़ौरन ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। इस बीच हिंदू संगठन के लोग हनुमान चा-लीसा का पाठ करने लगे। हालांकि अंत में धरना बिना किसी विवाद के शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता प्रशांत पटेल उमराव ने इस प्रदर्शन की एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने दावा है कि न सिर्फ शिमला और कुल्लू बल्कि सुन्नी, बिलासपुर, हमीरपुर और पांवटा साहिब में भी अवैध मस्जिदों के विरुद्ध हिंदू प्रदर्शन कर रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश की अवैध इबादतगाहों के खिलाफ सामूहिक एकजुटता दिखाते हुए व्यापारी वर्ग ने भी इन प्रदर्शनकारियों के पक्ष में आवाज उठाई है। प्रदेश के कई हिस्सों में सांकेतिक रूप से बाजारों को 3 घंटों के लिए बंद रखा गया। इस बंद का सबसे ज्यादा असर सुन्नी कस्बे में देखने को मिला है। यहां बाजार पूरी तरह से बंद हैं। हिमाचल प्रदेश पुलिस और वहां के मुख्यमंत्री ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा

तेजस्वी यादव राजनीति के अभिषेक बच्चन हैं

पटना, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव को राजनीति का अभिषेक बच्चन बताया। प्रशांत किशोर ने खुद को संघर्षों से निकल कर आगे बढ़ने वाला शाहरुख खान बताया। प्रशांत किशोर के इस बयान से बिहार की राजनीति में सरगर्मी मची है। प्रशांत ने कहा, तेजस्वी की पहचान सिर्फ यही है कि वे लालू जी के बेटे हैं। तेजस्वी को तो जीडीपी और जीडीपी विकास दर में भी फर्क नहीं पता और यह बिहार का दुर्भाग्य है।

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर इस वक्त बिहार की राजनीति में एक नया चेहरा बनकर उभरे हैं। इस वक्त वो राज्य में पैदल यात्राएं और सभाएं भी कर रहे हैं। जिसमें वो कई तरह के वादे और दावे करते हुए नजर आते हैं। इसी बीच प्रशांत किशोर ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी राज्य में सत्ता में आती है तो वह एक घंटे के भीतर ही बिहार में शराबबंदी खत्म कर देंगे। पीके ने यह बातें मीडिया से बात करते हुए कहीं।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि शराबबंदी का फैसला नीतीश कुमार की तरफ से एक ढकोसला है। उन्होंने मौजूदा शराबबंदी की आलोचना की। साथ ही कहा कि यह अप्रभावी साबित हुई है। पीके ने कहा कि शराबबंदी की वजह से अवैध घरेलू शराब का वितरण बढ़ गया है। जिसकी वजह से बिहार को 20,000 करोड़ रुपए के संभावित उत्पाद शुल्क राजस्व से वंचित होना पड़ा है। किशोर ने राजनेताओं और नौकरशाहों पर भी अवैध शराब व्यापार से लाभ उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे काबिलियत की राजनीति पर भरोसा करते हैं। शराबबंदी पर बोलने से बिल्कुल भी नहीं हिचकिचाएंगे।

इस दौरान प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव पर भी तंज कसा। पीके ने तेजस्वी की तुलना अभिषेक बच्चन और खुद को शाहरुख बताते हुए की। उन्होंने कहा कि तेजस्वी की भी पहचान सिर्फ यह है कि वह लालू जी के बेटे हैं। तेजस्वी को तो जीडीपी और जीडीपी विकास दर में भी फर्क नहीं पता और यह बिहार का दुर्भाग्य है। पीके ने कहा कि ज्ञान और बुद्ध की धरती पर हमने अनपढ़ और बदमाश लोगों को अपना नेता बना रखा है, लेकिन जिस तरह से शाहरुख खान ने बॉलीवुड में अपना रास्ता और अपनी पहचान खुद बनाई है, उसी तरह राजनीति में प्रशांत किशोर ने अपनी पहचान खुद बनाई है, इसलिए हमारा रास्ता सीधा नहीं है। जन सुराज के सूत्रधार ने कहा कि अब जनता को तय करना है कि उनको भरोसा उन पर करना है जिसने अपनी बुद्धि और मेहनत से अपने लिए रास्ता बनाया है या उन पर जो अपने बाबू जी (पिता) के नाम से आगे बढ़े हैं। अभी हाल ही में प्रशांत किशोर ने मंच से ऐलान किया था कि उनकी पार्टी अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में कम से कम 40 मुसलमान उम्मीदवारों को टिकट देगी।

शोभायात्रा पर जामा मस्जिद के अंदर से पत्थरबाजी

भीलवाड़ा, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा में राम रेवाड़ी की शोभायात्रा पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा पथराव किया गया, जब शोभायात्रा मस्जिद के सामने से गुजर रही थी। भीलवाड़ा के जहाजपुर में राम रेवाड़ी की शोभायात्रा के दौरान जामा मस्जिद के बाहर अचानक पथराव होने से माहौल तनावपूर्ण हो गया।

भीलवाड़ा के जहाजपुर में शनिवार 14 सितंबर को यह घटना तब हुई, जब शोभायात्रा भगवान के बेवाण किले से आ रही थी। शोभा यात्रा जैसे ही जामा मस्जिद के पास पहुंची, इस्लामिक कट्टरपंथियों ने पत्थर बरसाने शुरू कर दिए।

घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया और प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए मौके पर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान शहर के बाजार भी बंद हो गए। इस मामले में 10 पत्थरबाजों को गिरफ्तार किया गया है, जो मस्जिद के अंदर से पत्थरबाजी कर रहे थे।

घटना की जानकारी मिलने पर जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों के साथ धरने पर बैठ गए। उन्होंने जामा मस्जिद को अवैध बताते हुए इसे बुलडोजर से तोड़ने की मांग की। इसके बाद नगर पालिका ने जामा मस्जिद को स्वामित्व

और निर्माण स्वीकृति संबंधी दस्तावेज पेश करने के लिए 24 घंटे का नोटिस जारी किया। देर रात तक ये धरना चला और प्रशासन से 3 दौर की वार्ता के बाद धरना समाप्त हुआ।

रात में नगर पालिका ने बस स्टैंड के पास मुस्लिमों की कुछ केबिनों को अतिक्रमण मानकर जेसीबी से हटवा दिया। इस दौरान बाईपास के पास दो केबिनों को कुछ युवाओं द्वारा आग के हवाले कर दिया गया। इससे माहौल और अधिक बिगड़ गया, लेकिन पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी से स्थिति नियंत्रण में रही। शाहपुरा एसपी राजेश कांवट ने बताया कि इस मामले में अब तक 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि कस्बे के हालात तनावपूर्ण जरूर हैं, लेकिन नियंत्रण में हैं। क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

रात में जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत, एसपी राजेश कांवट, और अजमेर के आईजी ओमप्रकाश भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने हालात का जायजा लिया और निर्देश दिए कि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरती जाए। विधायक गोपीचंद मीणा ने देर रात सोशल मीडिया पर धरना समाप्त करने की घोषणा की और बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मामले की जानकारी दे दी गई है। अब जिला प्रशासन सीएमओ के निर्देशन में कार्रवाई करेगा।

एक्सप्रेस-वे के खराब रखरखाव पर इंजीनियरों पर कार्रवाई

ठेकेदार पर 50 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सड़कों की मरम्मत एवं रख-रखाव के मामले में लापरवाही बरतने वाले चार इंजीनियरों ऐक्शन लिया है और ठेकेदार पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पिछले दिनों अमृतसर-जामनगर इकोनॉमिक कॉरिडोर और दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस-वे की बदहाली की तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए थे। इसके बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इसका संज्ञान लिया था।

पिछले दिनों अलवर में दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस-वे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो में एक्सप्रेस-वे पर चल रही एक

कार सड़क में खामियों के कारण हवा में उछलती हुई दिखाई दी थी। इसके अलावा, कई जगहों की तस्वीरें भी लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल की थी। इस मामले में एनएचएआई ने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के निर्देश पर इस मामले की जांच की गई। इसके बाद जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। एनएचएआई ने कहा कि वक्त रहते खामियों को दूर न करने के मामले में ठेकेदार पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

इसके अलावा, निर्माण कार्य की ठीक से देखभाल नहीं करने और अपने काम में लापरवाही के चलते एनएचएआई के इंजीनियर के टीम लीडर-कम-रेजिडेंट इंजीनियर को बर्खास्त कर दिया गया है। इसके साथ ही संबंधित साइट इंजीनियर को भी बर्खास्त कर दिया गया है। संबंधित पीडी और मैनेजर (टेक) को भी इन खामियों के लिए कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

सुपर एक्सप्रेस-वे कहलाने वाले अलवर में दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस-वे पर गाड़ियां 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती हैं। हालांकि, निर्धारित सीमा से भी अधिक रफ्तार से गाड़ियां दौड़ती हैं। लेकिन, यहां सड़कों की बैलेंसिंग सही नहीं है। कहीं उबड़-खाबड़ है तो कहीं गड्ढे बन गए हैं। कहीं गिट्टी फैली है तो कहीं कुछ। इसके कारण इस क्षेत्र में सड़क हादसे भी खूब होते हैं। इतना ही नहीं, इन एक्सप्रेस-वे के प्रभावित हिस्से की अस्थायी मरम्मत कराया गया है। इसके साथ ही आईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञ प्रोफेसर केएस रेड्डी और आईआईटी गांधीनगर के प्रोफेसर जीवी राव को एक्सप्रेस-वे को हुई इस क्षति का कारण पता करने के लिए कहा गया है। वहीं, दिल्ली का श्रीराम इंस्टीट्यूट इसके नमूने एकत्र करके उनकी जांच करेगा।

मेरठ में तीन मंजिला मकान गिरा

पांच बच्चों समेत दस की मौत

मेरठ, 15 सितंबर (एजेंसियां)। कई दिनों से लगातार पड़ रही बारिश के दौरान शनिवार को मेरठ के लोहिया नगर क्षेत्र में बड़ा हादसा हो गया। लगभग 50 साल पुराना तीन मंजिला मकान भरभरा कर गिर गया।

एक ही परिवार के 15 लोग और दर्जनों मवेशी मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद एडीजी से लेकर जिले के तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। महिलाओं और पांच बच्चों समेत 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच को अस्पताल भेजा गया।

जाकिर कॉलोनी गली नंबर सात में नफ्फो उर्फ नफीसा का 300 गज में तीन मंजिला मकान है। बताया गया कि यह मकान लगभग 50 साल पुराना था। ग्राउंड फ्लोर पर नफ्फो के बेटे डेयरी चलाते थे। जबकि, ऊपर की दो मंजिलों पर नफ्फो के बेटे साजिद, उसकी पत्नी सायमा, नईम और उसकी पत्नी अलीशा, बेटी रिमशा, नदीम और उसकी पत्नी फरहाना, बेटा हमजा, शाकिर और उसकी पत्नी साहिबा समेत 15 लोग रहते थे।

क्षेत्रवासियों के मुताबिक शनिवार शाम करीब 4:30 बजे यह मकान अचानक भरभरा कर जमींदोज हो गया। तेज धमाके के साथ इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई और चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। जानकारी के बाद थाना पुलिस से लेकर एडीजी ध्रुवकांत ठाकुर, आईजी नचिकेता झा, कमिश्नर सेल्वा कुमारी जे, डीएम दीपक मीणा और एसएसपी विपिन ताडा सहित कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची।

पुलिस ने क्षेत्रवासियों की मदद से मलबे को हटाने का काम शुरू किया। संकरी गलियों के चलते जेसीबी और एंबुलेंस भी मौके पर नहीं पहुंच सकी। कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे लोगों को रविवार सुबह तक निकाला गया। जबकि उसके बाद करीब 30 मवेशियों को निकालने का काम शुरू किया गया। इस हादसे में पांच बच्चों समेत करीब दस लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोगों को अस्पताल भेजा गया।

हादसे में मरने वालों में 1. साजिद (40) पुत्र अलाउद्दीन, 2. सानिया (15) पुत्री साजिद, 3. सिमरा (डेढ़ साल) पुत्री शहजाद, 4. साकिब (11) पुत्र साजिद, 5. रीजा (7) पुत्री साकिब, 6. नफीसा उर्फ नफ्फो (63) पत्नी अलाउद्दीन, 7. फरहाना (20) पत्नी नदीम, 8. अलीशा (18) पत्नी नईम, 9. आलिया (6) पुत्री आबिद, 10. रिमसा (पांच माह) पुत्री नईम शामिल हैं। घायलों में 1. नईम (22) पुत्र अलाउद्दीन, 2. नदीम (26) पुत्र अलाउद्दीन, 3. साकिब (20) पुत्र अलाउद्दीन, 4. सायना (38) पत्नी साजिद और 5. सोफियान (6) के नाम आए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा शोख व्यक्ति किया और अधिकारियों को त्वरित राहत कार्य का निर्देश दिया।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक़्क़तें हो सकती हैं। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। परिवार के साथ आज शॉपिंग पर जाना संभव हैं, परन्तु थकान का अनुभव भी हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस-पास के लोगों को दु:खी कर सकती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शकी स्वभाव के चलते आपको हार का मुँह देखना पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। शाम को रसोई के लिए ज़रूरी चीज़ों की ख़रीदारी आपको व्यस्त रखेगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़ किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। आपकी ऊर्जा आज बेवजह के कामों में जाया हो सकती है। जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप अपना खाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। अपने काम के प्रति आज आपका फोकस गजब का होगा। आपके काम को देखकर आज बॉस आपसे खुश हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। हँसी-मज़ाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत में टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देख सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। रोमांस आपके दिल-दिमाग़ पर छाया रहेगा, क्योंकि आज आपकी मुलाक़ात अपने प्रिय से होगी। हवन/पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। इसका अनुभव कीजिए। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ। आप कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज खेल-कूद में हिस्सा लें । यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं । आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। किसी पार्क में बैठकर आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। ख़ास तौर पर माइग्रेन के मरीज़ों को समय पर खाना नहीं छोड़ना चाहिए, नहीं तो उन्हें व्यर्थ में भावनात्मक तनाव से गुज़रना पड़ सकता है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन-साथी का सहयोग मिलेगा। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका कोई दोस्त आज आपकी जमकर तारीफ कर सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार के ख़यालों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें, बल्कि इसे सही दिशा में लगाएँ। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें साथ ही आज आप मस्तीभरे सफ़र पर भी जा सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव के बाद एक-दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है। आज आप फ़ोटोग्राफ़ी करके आने वाले कल के लिए कुछ बेहतरीन यादें संजो सकते हैं ।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 16 सितंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी दोपहर 03:12 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा सायं 04:33 तक
योग : सुकर्मा प्रात: 11:41 तक
करण : तैतिल सायं 03:12 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:17 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:19 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:12 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- कन्या संक्रान्ति रात्रि 07:43 से, संक्रांति पुण्यकाल रात्रि 07:43 से मध्य रात्रि 12:00 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हमें संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करना है : भागवत

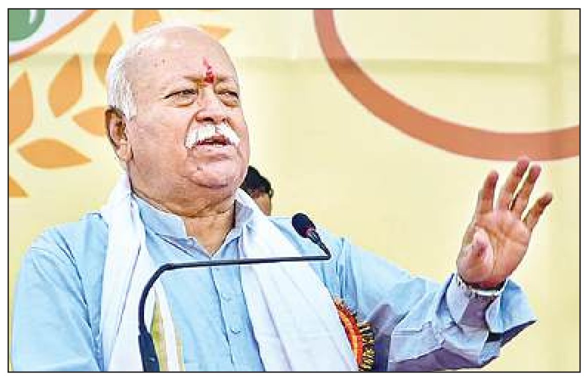

अलवर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों का आह्वान किया है कि हमें संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करना है।

श्री भागवत ने रविवार को राजस्थान के अलवर के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित एकत्रीकरण समारोह में स्वयंसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा धर्म जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं, वास्तव में मानव धर्म है, विश्व धर्म है। यह सबके कल्याण की कामना लेकर चलता है। हालांकि हमने विदेशी आक्रांताओं मुगल और अंग्रेजों के आक्रमणों का हर बार प्रतिकार किया है। इस राष्ट्र में कुछ गड़बड़ होता है तो हिंदू समाज पर आता है क्योंकि वही इस देश का कर्ताधर्ता पालनहार है।

श्री भागवत ने कहा कि हिंदू मतलब विश्व का सबसे उदारतम मानव, जो सब कुछ स्वीकार करता है, सबके प्रति सद्भावना रखता है। पराक्रमी पूर्वजों का वंशज है। जो विद्या का उपयोग विवाद पैदा करने के लिए नहीं, ज्ञान देने के लिए करता है। धन का उपयोग मदमस्त होने के लिए नहीं, दान के लिए करता है और शक्ति का उपयोग दुर्बलों की रक्षा के लिए करता है। उन्होंने कहा कि हिंदू पूजा किसी की भी करते हों, भाषा कोई भी बोलते हों, किसी भी जात-पात में जन्म हों, किसी भी प्रांत के निवासी हों और कोई भी खानपान रीति रिवाज को मानते हों। ये मूल्य जिनके हैं, यह संस्कृति जिनकी है, वे सब हिंदू हैं।

श्री भागवत ने स्वयंसेवकों से कहा कि हमारी स्थिति ऐसी है, उसके लिए इधर-उधर दोष देने की अपेक्षा हमें अपनी कुछ कमियों को ठीक करना है। पहले संघ को कोई जानता नहीं था। अब अब सब जानते हैं। पहले कोई मानता नहीं था, संघ को अब सब लोग मानते हैं। जो हमारा विरोध करने वाले लोग हैं वे भी हमारा होठों से तो विरोध करते हैं, लेकिन मन से तो मानते ही हैं। इसलिए अब हम एक काम कर सकते हैं। अपने पवित्र हिंदू धर्म, हिंदू संस्कृति और हिंदू समाज का संरक्षण, हिंदू राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति हमको करनी है। शताब्दी तक हर बस्ती में एक शाखा लगे ऐसे हम अपने कार्य का विस्तार करेंगे। उन्होंने पांच मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि इन्हें समाज में लागू करना है तो पहले अपने जीवन में लागू करना चाहिए।

हरियाणा में जीत की हैट्रिक लगाएगी भाजपा : प्रधान

चुनाव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है और वही मुख्यमंत्री का चेहरा हैं

चंडीगढ़, 15 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं हरियाणा चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि प्रदेश की जनता हरियाणा में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी(भाजपा)की सरकार बनाकर 'हैट्रिक' लगाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

श्री प्रधान ने रविवार को करनाल में पत्रकारों से कहा कि पांच अक्टूबर को हरियाणा में विधानसभा चुनाव होगा। भाजपा जीत की हैट्रिक लगाएगी। विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय व प्रादेशिक नेतृत्व 90 के 90 विधानसभाओं में जाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है और वही मुख्यमंत्री का चेहरा हैं। गौरतलब है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने रविवार को कहा कि लोगों की मांग और अपनी वरिष्ठता के आधार पर वह मुख्यमंत्री पद पर दावा पेश करेंगे। वहीं भाजपा यह चुनाव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ने का ऐलान कर चुकी है यानी वही पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा हैं।

पांच साल में दस लाख रोजगार होंगे सृजित : भजनलाल

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध करवा रही है और पांच साल में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में दस लाख रोजगार सृजित किये जाएंगे।

श्री शर्मा रविवार को जयपुर की बस्सी तहसील स्थित बेनाड़ा धाम में अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा जयपुर की ओर से आयोजित सामूहिक गोठ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि होनहार प्रतिभाएं अपनी मेहनत और लगन से समाज एवं देश का नाम रोशन करती हैं। उनका सम्मान करने से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है तथा अन्य लोग भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति के लिए यह आवश्यक है कि हम जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर जरूरतमंद लोगों की मदद करें और उन्हें आगे बढ़ाएं। श्री शर्मा ने कहा कि आपसी भाईचारे की भावना और सर्व समाज को साथ लेकर चलने से ही हम विकसित राजस्थान का संकल्प साकार कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत एवं समृद्ध समाज की नींव शिक्षा पर टिकी है इसलिए राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए भरपूर अवसर उपलब्ध करवा रही है। 8वीं, 10वीं तथा 12वीं कक्षा में मैरिट में आने वाले मेधावी विद्यार्थियों को तीन साल तक की इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ टेबलेट निःशुल्क दिए जा रहे हैं। 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए प्रतिष्ठित कम्पनियों के माध्यम से कॉर्पोरेट सर्टिफिकेशन प्रोग्राम संचालित करने के लिए प्रदेश के सभी संभागों में राजस्थान फिनिशिंग स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम चलाया जाएगा। राज्य में 20 नए आईटीआई और 10 पॉलीटेक्निक कॉलेज खोले जाएंगे। स्वामी विवेकानन्द स्कॉलरशिप फॉर अकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत विद्यार्थियों की देश-विदेश में उच्च शिक्षा का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

श्री शर्मा ने कहा कि कौशल विकास के लिए स्टेट स्किल पॉलिसी बनाकर दो साल में लगभग 1.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। अटल इनोवेशन स्टूडियो की स्थापना से रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच साल में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में 10 लाख रोजगार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिभावकों का यह दायित्व है कि वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर कला, विज्ञान, खेल और तकनीकी जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाएं, साथ ही उन्हें बुजुर्गों की सेवा करने के संस्कार भी दें। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए सपनों की उड़ान भरने के लिए संभावनाओं का आसमान खुला है। उन्हें अपनी लगन और मेहनत से अपने लक्ष्यों को हासिल करना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि महान ऋषि हारित ने कृषि के महत्व को समझा और हमें सिखाया कि खेती रोजी-रोटी कमाने का जरिया ही नहीं है बल्कि यह एक पुनीत कार्य है।

कांग्रेस हमेशा से दलित व गरीब विरोधी : तंवर

चंडीगढ़, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद अशोक तंवर ने रविवार को भाजपा चुनावी कार्यालय रोहतक में प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित और गरीब विरोधी रही है और अब फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी आरक्षण खत्म करने की बात बोल रहे हैं।

श्री तंवर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को पिछले 10 वर्षों में एक सूत्र में पिरोकर नई दिशा देने का काम किया है। श्री मोदी ने शनिवार को कुरुक्षेत्र की भूमि से एक बार फिर यह बता दिया है कि जब तक भाजपा है तब तक देश के किसान, मजदूर, गरीब और दलित के विरोध में काम कर रही कांग्रेस पार्टी के मंसूबों को पूरा नहीं होने देंगे। विदेशों में जाते ही देश की बदनामी करने लग जाते हैं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी।

उन्होंने श्री राहुल गांधी के अमेरिकी दौरे के दौरान उनके द्वारा दिए गए आरक्षण विरोधी बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विदेश में जाते ही राहुल गांधी और कांग्रेस का ध्यान इस ओर लग जाता है कि किस प्रकार देश की छवि को धूमिल किया जाए, यह बहुत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी यही कहते थे कि आरक्षण के कारण सरकारी सुविधाओं की गुणवत्ता में कमी आएगी। आज अगर अनुसूचित जाति में बैकलॉग किसी की देन है तो वह कांग्रेस पार्टी की इस सोच की देन है।

श्री तंवर ने कहा कि जब तक भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और कार्यकर्ता हैं, तब तक आरक्षण को बेहतर ढंग से लागू करने पर तो चर्चा हो सकती है, पर आरक्षण को हटाने की बात नहीं की जा सकती। उन्होंने सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा के साथ कांग्रेस पार्टी ने जो व्यवहार किया उस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी में जो लोग दलित समाज का होकर मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे थे उनके साथ जो हुआ वह जगजाहिर है। कांग्रेस के भीतर सिर्फ एक ही परिवार हावी है और इसी कारण कोई स्वाभिमानी कार्यकर्ता उस पार्टी में नहीं रह सकता है। श्री तंवर ने कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग कुमारी सैलजा के लिए किया गया उस पर किसी कांग्रेस नेता ने टिप्पणी क्यों नहीं की या उसकी निंदा क्यों नहीं की।

मुख्यमंत्री पद पर दावा पेश करूंगा: विज

अंबाला, 15 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने रविवार को कहा कि लोगों की मांग और अपनी वरिष्ठता के आधार पर वह मुख्यमंत्री पद पर दावा पेश करेंगे। भाजपा यह चुनाव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ने का ऐलान कर चुकी है यानी वही पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा हैं।

श्री विज ने कहा कि प्रदेश भर से लोग उनसे कहते हैं कि आप सीनियर मोस्ट हो, आप मुख्यमंत्री क्यों नहीं बने? पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लोगों की मांग और वरिष्ठता के आधार पर वह मुख्यमंत्री बनने का दावा पेश करेंगे, पार्टी बनाती है या नहीं। वह अंबाला छावनी से विधानसभा चुनावों के लिए अपना रिपोर्ट कार्ड मीडिया से साझा कर रहे थे। छह बार अंबाला छावनी से विधायक चुने गए हैं।

उल्लेखनीय है कि मार्च में मनोहर लाल खट्टर की जगह अचानक नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने से वह नाराज भी हुए थे और नई सरकार के मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए थे। हालांकि बाद में उन्होंने खुद को पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता बताया था और पार्टी के लिए कार्य करते रहने का दावा किया था।

महिलाओं पर टिप्पणी जयप्रकाश की गंदी सोच दर्शाती है : सुनैना

चंडीगढ़, 15 सितंबर (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की महिला प्रकोष्ठ की महासचिव सुनैना चौटाला ने हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश की महिलाओं के संबंध में की गई कथित विवादास्पद टिप्पणी को लेकर रविवार को कहा कि यह जयप्रकाश की गंदी सोच को दर्शाता है।

श्रीमती चौटाला ने मांग की कि कांग्रेस सांसद तुरंत माफी मांगें अन्यथा वह महिलाओं के मान-सम्मान के लिए मानहानि का केस करेंगी। इनेलो नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस की मानसिकता महिला विरोधी ही नहीं, दलित विरोधी भी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं में बहुत घमंड आ गया है तथा यदि उनकी सरकार आ गई तो महिलाओं एवं दलितों का जीना दुश्वार कर देंगे।

सड़क हादसे में महिला की मौत, पति घायल

हिसार, 15 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार जिले के बास क्षेत्र में हिसार- दिल्ली नेशनल हाईवे पर सोरखी गांव में रविवार को एक स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त जिसमें महिला की मौत हो गई जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोहतक निवासी बबीता(40) अपने पति सतबीर के साथ स्कूटी पर सवार होकर गोगामेड़ी धोक मारने की जा रही थी। रास्ते में सोरखी गांव में पहुंची तो हाईवे पर बने एक ब्रेकर के पास उनकी स्कूटी दुर्घटना ग्रस्त हो गई। बास थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवा किसानों को मिलेगा विदेशों में प्रशिक्षण

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सौ युवा एवं प्रगतिशील किसान प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजे जायेंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार ने वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा में नॉलेज इनहांसमेंट प्रोग्राम शुरू करने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम के तहत पहले चरण में इन प्रगतिशील युवा किसानों को उन देशों में भेजा जाएगा जहां कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में नवाचार किए जा रहे हैं एवं उच्च तकनीक के प्रयोग से कम जगह और कम लागत में अधिक फसल उत्पादित की जा रही है।

नॉलेज इनहांसमेन्ट प्रोग्राम के तहत चयन के लिए जो मापदंड तय किए गए हैं उनमें सामान्य कृषक के पास कम से कम एक हेक्टेयर और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला कृषकों के पास 0.5 हेक्टर कृषि भूमि का भूस्वामित्व हो, पिछले 10 वर्षों से लगातार खेती कर रहा हो, कृषक द्वारा उच्च कृषि तकनीक जैसे संरक्षित खेती, सूक्ष्म सिंचाई, मल्चिंग, सौर ऊर्जा पंप, ड्रोन, फर्टिगेशन, ऑटोमेशन, फार्म पोंड, डिग्गी अपनाई जा रही हो आदि शामिल है।

इसी प्रकार डेयरी क्षेत्र चयनित होने वाले युवा दुग्ध उत्पादक या पशुपालक के लिए जो मापदंड तय किए गए हैं उनमें वास्तविक रूप से कम से कम 20 गाय-भैंस की डेयरी या 10 ऊँट या 50 भेड़-बकरी का स्वामित्व रखता हो, पिछले 10 वर्षों से डेयरी या पशुपालन पेशे से जुड़ा हो, उच्च पशुपालन या डेयरी तकनीक उपयोग करता हो, डेयरी क्षेत्र में जिला या राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए चयन किया गया हो तथा जिसकी अपने क्षेत्र में प्रगतिशील पशुपालक के रूप में पहचान हो।

इन मापदंडों को पूरा करने वाले युवा प्रगतिशील कृषक अपने नजदीकी ई-मित्र केन्द्र के माध्यम से राजकिसान साथी पोर्टल पर 25 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। नॉलेज इनहांसमेन्ट प्रोग्राम के तहत पहले चरण में चयनित 100 युवा किसानों में से 80 कृषि क्षेत्र तथा 20 डेयरी एवं पशुपालन क्षेत्र से होंगे। कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए आवेदन करने वाले कृषकों की उम्र 55 वर्ष से कम हो साथ ही वैध पासपोर्ट होना भी आवश्यक है।

853 साल पुराना माता का मंदिर

झारखंड और पश्चिम बंगाल की सीमा पर स्थित माता कल्याणेश्वरी का मंदिर सदियों से श्रद्धा और आस्था का केंद्र रहा है। यह प्राचीन मंदिर 'सिद्धपीठ' के रूप में विख्यात है और देशभर से श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत देश के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवी कल्याणेश्वरी के दर्शन करने यहां पहुंचते हैं। यह मंदिर देवी कल्याणेश्वरी को समर्पित है और इसे भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान शिव अपनी पत्नी देवी सती के शव को लेकर शोक में घूम रहे थे, तब उनके शरीर के विभिन्न अंग पृथ्वी पर गिरे। माना जाता है कि इस स्थान पर देवी सती का बायां हाथ गिरा था और तभी से इस स्थान को विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त है।

माता कल्याणेश्वरी का मंदिर 12वीं शताब्दी का है। जिसे राजा चंद्रकेतु ने बनवाया था। यह प्राचीन मंदिर हिंदू धर्म के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। इस मंदिर की निर्माण शैली बंगाली वास्तुकला से प्रभावित है। मुख्य मंदिर में देवी कल्याणेश्वरी की मूर्ति स्थापित है, जिसमें उन्हें बैठी हुई मुद्रा में दर्शाया गया है। इस मूर्ति के चारों ओर देवी दुर्गा, भगवान शिव, गणेश, विष्णु और लक्ष्मी जैसे अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां भी स्थापित हैं। जो इस स्थान को और अधिक पवित्र बनाती हैं। मंदिर का गर्भगृह विशेष रूप से देवी कल्याणेश्वरी के पूजन के लिए है, जहां श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं।

इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यह पूरा मंदिर एक ही पत्थर से निर्मित है। मंदिर की दीवारों और छत के बीच कोई जोड़ नहीं दिखता है, जिसे देखकर लोग आश्चर्यचकित हो जाते हैं। इसे लेकर एक मान्यता यह भी है कि इस मंदिर का निर्माण स्वयं देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा ने किया है। मंदिर के गर्भगृह, मंदिर तालाब और पूजा हॉल की संरचना अत्यंत मनोहारी है। दीवारों व छत पर की गई जटिल नक्काशी बंगाली वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। यहां आने वाले भक्त इन भव्य कलाकृतियों को देखकर मंदिर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर की सराहना करते हैं।

मंदिर के साथ जुड़ी एक और प्राचीन परंपरा है जो इसे और खास बनाती है। मंदिर परिसर में स्थित एक नीम का पेड़ श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। मान्यता है कि इस पेड़ के नीचे एक साधक ने साधना की थी और तभी से यह पेड़ भक्तों की मुरादें पूरी करने के लिए जाना जाता है। श्रद्धालु इस पेड़ पर पत्थर बांधते हैं और अपनी मनोकामनाएं माता के समक्ष प्रस्तुत करते हैं। जब उनकी मुराद पूरी हो जाती है, तो वे पुनः मंदिर में आकर देवी के दर्शन करते हैं। नीम के पेड़ से बंधे पत्थर को खोलकर पास की नदी में प्रवाहित कर देते हैं। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। आज भी यहां आने वाले भक्तों के बीच यह आस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी बनी हुई है।

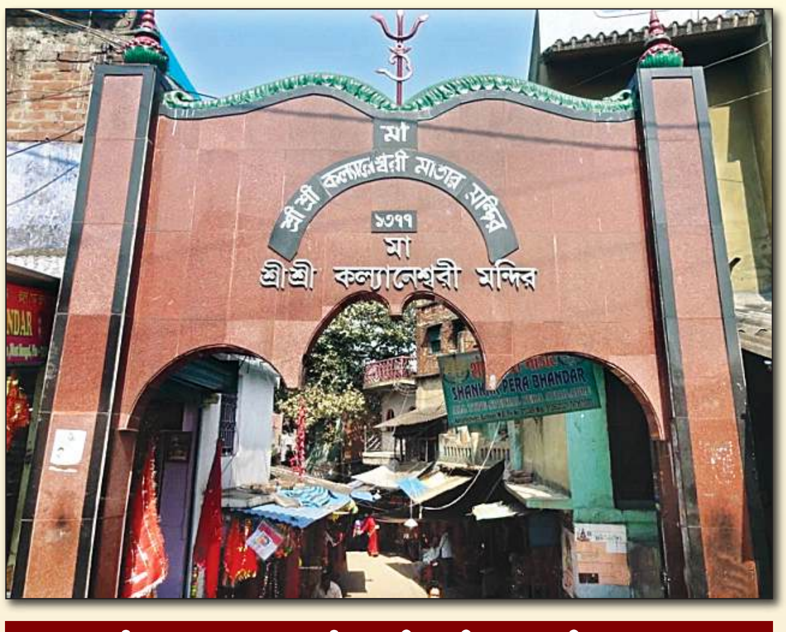

जहां पत्थर बांधने से मनोकामना होती है पूर्ण, जानें मान्यता

माता कल्याणेश्वरी के मंदिर का इतिहास लगभग 853 वर्ष पुराना है। मंदिर के इतिहास और निर्माण से जुड़ी कई लोक कथाएँ और मान्यताएँ प्रचलित हैं। कहा जाता है कि यह मंदिर स्वयं प्रकट हुआ था और इसके निर्माण में मानव का कोई हाथ नहीं था। इस अद्भुत मंदिर को लेकर यह मान्यता है कि यहां देवी स्वयं विराजमान हैं। जो भी सच्चे मन से यहां आकर पूजा करता है। उसकी सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। मंदिर की दिव्यता और आध्यात्मिक शक्ति के कारण यहां न केवल स्थानीय लोग, बल्कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में आते हैं। इस मंदिर का उल्लेख प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है, जो इसके धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को और भी बढ़ाता है।

माता कल्याणेश्वरी का मंदिर भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक है, जिससे इसका धार्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। शक्तिपीठों का विशेष स्थान हिंदू धर्म में है, और माता सती के अंग जहाँ-जहाँ गिरे थे, वे स्थल विशेष पूजा के केंद्र बने। माता कल्याणेश्वरी का मंदिर भी ऐसा ही एक पवित्र स्थान है, जहां देवी के बाएं हाथ का गिरना माना जाता है। यहां देवी की पूजा करने से व्यक्ति को विशेष रूप से आशीर्वाद प्राप्त होता है। जीवन के कष्टों का निवारण होता है। शक्तिपीठ होने के कारण यहां पर भक्तों की बड़ी संख्या में भीड़ लगी रहती है। विशेषकर नवरात्रि और अन्य त्यौहारों के अवसर पर।

माता कल्याणेश्वरी का मंदिर धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। यह न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि यहां आने वाले लोगों को एक आध्यात्मिक शांति भी प्रदान करता है। इसके साथ ही, यह मंदिर वास्तुकला और इतिहास के दृष्टिकोण से भी एक महत्वपूर्ण धरोहर है। वर्षों से यहाँ आने वाले श्रद्धालु माता कल्याणेश्वरी के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति को अर्पित करते आ रहे हैं और यहाँ की धार्मिक परंपराएं आज भी उसी भव्यता और श्रद्धा के साथ निभाई जा रही हैं।

बौरहा बाबा के रूप में यहां विराजमान हैं भगवान भोलेनाथ

प्रभु श्रीराम भी कर चुके हैं प्रवास, भक्तों के लिए है बेहद खास

यूपी के आजमगढ़ में कई ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इकट्ठा होती है । लोग दूर-दूर से अपनी श्रद्धा और आस्था की पूर्ति के लिए धार्मिक केन्द्रों पर आते हैं। इसी तरह आजमगढ़ के रेलवे स्टेशन के समीप बौरहा बाबा का आश्रम है, जो लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

यहां दूर- दराज के लोग पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। आश्रम परिसर में भगवान भोलेनाथ का मंदिर भी है। यहां विशाल शिवलिंग भी विराजमान है। मान्यता है कि मंदिर में प्राचीन समय से ही शिवलिंग स्थापित है।

भगवान राम ने किया था प्रवास

भगवान शिव ने इसी स्थान पर बौरहा रूप धारण किया था। यहीं शिवलिंग का प्रादुर्भाव हुआ है। जब भगवान भोलेनाथ ने अपना विकराल रूप धारण किया था और विषपान के बाद बौरहा बाबा के रूप में इस स्थान पर तपस्या में लीन हुए थे। तभी से लेकर आज तक इस स्थान को बौरहा बाबा के स्थान के नाम से जाना जाता है। आस-पास के क्षेत्र से लोग प्रतिदिन यहां पर आकर शिवलिंग पर जल एवं दूध से अभिषेक करते हैं। इसके अलावा मंदिर में स्थित बौरहा बाबा की प्रतिमा के दर्शन-पूजन भी किए जाते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान राम जनकपुर जाते वक्त जब तमसा नदी के पास प्रवास किया था, उस वक्त भगवान राम इस स्थान से होकर गुजरे थे।

यह आश्रम सतयुग के समय का है। भगवान भोलेनाथ के बौरहा रूप का दर्शन करने के लिए भगवान राम ने इस स्थान पर जनकपुर जाते समय प्रवास किया था। उन्होंने बताया कि मंदिर के संरक्षण के लिए प्रशासन किसी भी तरीके की मदद नहीं करता है।

मंदिर का विकास जो भी हुआ है, वह यहां पर आने जाने वाले श्रद्धालुओं की मदद से संभव हो पाया है। रेलवे स्टेशन के समीप होने के कारण मंदिर क्षेत्र एवं मंदिर की जमीन पर पहले रेलवे का भी हस्तक्षेप हुआ करता था, लेकिन आस-पास के लोगों और श्रद्धालुओं के विरोध के बाद मंदिर परिसर की जगह को संरक्षित किया जाना संभव हो सका।

अनोखा मंदिर! यहां मामा की होती है पूजा

1 हजार साल पुरानी है यह परंपरा

बसामन मामा मंदिर मध्य प्रदेश के रीवा जिले के शांत परिदृश्य के बीच स्थित है। यह ऐतिहासिक भव्यता के साथ-साथ आध्यात्मिक भक्ति को भी दर्शाता है। यह मंदिर अपने रहस्यमय आकर्षण और स्थापत्य कला की भव्यता के कारण सदियों से निवासियों और पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। ऐसा माना जाता है कि इसकी स्थापना 13वीं शताब्दी में हुई थी।

लोकदेवता बसामन मामा ने लगभग 8वीं शताब्दी से पहले इसी भूमि में पर्यावरण की रक्षा के लिए आत्म बलिदान दिया था। लोक मान्यता के अनुसार यहां पर पीपल के एक वृक्ष को अनाथ बालक ने अपना पिता और उसके नीचे स्थित चबूतरे को अपना आश्रय स्थल बना रखा था। इस वृक्ष की रक्षा के लिए हमेंशा तत्पर रहने वाले बसामन मामा इस अंचल में लोकप्रिय हुये। कहा जाता है कि उन्होंने साधना कर कुछ सिद्धियां प्राप्त की थी जिससे दूर दूर तक उनके प्रति लोक आस्था थी।

एक बार राजा के सैनिकों ने अपने पड़ाव में शामिल हाँथियों के खाने के लिए उस पीपल के वृक्ष को काटने की चेष्टा की जिसका प्रतिरोध बसामन मामा ने किया। तत्कालीन राजा ने इसे अपना अपमान समझ कर बसामन मामा को दण्डित करने का निश्चय लिया, जिसके लिए उन्होंने उस पीपल के वृक्ष को काटने की कुचेष्टा करके बसामन मामा को अपमानित किया। तब बसामन मामा ने अपनी सिद्धियों से उस पेड़ को बचाये रखने के लिए सैनिकों से मुकाबला किया। लेकिन राजा के एक षड़यंत्र के तहत जब बसामन मामा विवाह करने के लिए अपने ससुराल गए उसी रात राजा ने पीपल के उस वृक्ष को जड़ मूल से नष्ट करवा दिया। अगली सुबह बसामन मामा जब दूल्हे के रूप में वापस लौटे तो कटे हुए पीपल के वृक्ष देख कर क्रोध अग्नि में जलने लगे और राजा को इस हत्या के लिए श्राप देते हुए अपनी ही कटार से आत्माहुति दे दी।

बसामन मामा के सिद्धियों के तेज से राजा का विनाश हो गया था। राजा की एक रानी मायके में थी और वंश नाश की सूचना पर महल लौट रही थी रोते हुए उसी समय उसकी मुलाकात बीच रास्ते में घायल बसामन से हुई। रानी के पांच वर्ष के बालक ने बसामन को मामा प्रणाम कह दिया। जिससे बसामन का कलेजा पसीज गया और आंसू भरे नेत्र से उस वालक को जीवन दान दिया। स्वंम मामा के नाम से अंतर्ध्यान हो गए।

इस घटना के बाद उन्हें बसामन से बसामन मामा की ख्याति मिली। इसी कटे पीपल के वृक्ष के नीचे उनकी समाधि है। जिसको स्थानीय लोग पूजते हैं। लोक मान्यता है कि इस सुरम्य वन अंचल के पर्यावरण संरक्षण में बसामन मामा की प्रेरणा और कृपा बनी हुई है।

यहां मां के दरबार में पत्थर से घर बनाने पर बन जाता है भक्तों का घर

महाभारत काल से जुड़ा है इतिहास

भारतीय हिंदू परंपरा में ऐसे कई मंदिर मौजूद हैं, जिनसे जुड़ी अनेकों मान्यताएं हैं। नागौर और सीकर की अंतिम सीमा पर स्थित भारीजा गांव में एक ऐसा मंदिर है जिसका इतिहास महाभारत काल से जुड़ा है। बताया जाता है कि इस मंदिर में पांडवों ने विश्राम किया था। यह मंदिर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। नवरात्रि के समय यहां भक्तों का हुजूम उमड़ता है। भारीजा माता का मंदिर धार्मिक तथा पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जय अम्बे विकास समिति भारीजा के सचिव बंजरग सिंह शेखावत ने बताया कि पहाड़ों वाली माता की पूजा लगभग 18वीं सदी में सर्वप्रथम कुमावत परिवार की एक महिला ने शुरू की थी। इस माता को अग्रवाल समाज की कुलदेवी भी कहा जाता है। इस माता को जात और जडुला के लिए भी दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। स्थानीय बुजुर्गों ने बताया कि 1970 तक यहां इस गुफा में शेर रहता था। पांडवों ने वनवास काल में कुछ समय यहां बिताए थे।

भारीजा माता का मंदिर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। माता के मंदिर तक पहुंचाने के लिए आम श्रद्धालुओं के लिए सीढ़ियां बनाई गई है। इसके अलावा चौपहिया वाहनों के लिए भी पहाड़ को काटकर सड़क बनाई गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार पहाड़ी पर चढ़ते समय पहाड़ी के छोटे-छोटे पत्थर से घर बनाए जाते हैं। इसको लेकर मान्यता है कि जो भक्त जितनी मंजिल का पत्थरों से घर बनाता है आगे चलकर उसका उतना बड़ा ही घर बनता है। नवरात्रि के समय भारिजा माता मंदिर में 9 दिन तक विशेष आयोजन होते हैं। आयोजन में दिल्ली और मुंबई से विभक्त माता के मंदिर में आते हैं। ग्रामीणों के द्वारा माता के मंदिर में 9 दिन तक अखंड ज्योत जलाई जाती है। मान्यता है कि इस मंदिर की ज्योत की रक्षा माता के रक्षक करते हैं। आपको बता दे की कई धारावाहिक कार्यक्रमों की शूटिंग भी इस मंदिर में हो चुकी है।

नवदुर्गा चामुंडा माताजी का 600 साल पुराना है इतिहास, जानें दिलचस्प कहानी

पोरबंदर जिला अपने प्राचीन शिवालयों और माताजी के मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है, जिनका एक समृद्ध इतिहास है। इसी क्रम में पोरबंदर से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित देगाम गांव में स्थित नवदुर्गा चामुंडा माताजी का मंदिर भी एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। पोरबंदर जिले में कई चामुंडा माताजी के मंदिर हैं, लेकिन देगाम में स्थित यह मंदिर अपने आप में अनूठा है। इस मंदिर के साथ-साथ मेहर समाज ने यहां एक भव्य समाज भवन का भी निर्माण किया है, जिसमें विवाह और अन्य कार्यक्रमों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं।

देगाम गांव का इतिहास लगभग 550 साल पुराना है, और यह मंदिर 600 वर्ष से भी अधिक पुराना माना जाता है। देगाम की कुल जनसंख्या लगभग 7,000 है, और इस गांव के हर समुदाय के लोग चामुंडा माताजी में गहरी आस्था रखते हैं। 2012 में इस मंदिर का पुनर्विकास कार्य शुरू हुआ था, और आज यह धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन का प्रमुख केंद्र है।

इस मंदिर की कुल भूमि 25 बीघे में फैली हुई है, जहां ग्रामीण धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। मानदास बापू ने वर्षों तक इस मंदिर में पूजा-अर्चना की, और उनकी याद में यहां उनकी प्रतिमा भी स्थापित की गई है, जहां श्रद्धालु आकर उनके सामने सिर झुकाते हैं। इसके अलावा, मंदिर परिसर में एक प्राचीन शिव मंदिर और रामदेवपीर का मंदिर भी है, जो श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र है।

देगाम और आसपास के गांवों के लोग इस मंदिर के प्रति गहरी श्रद्धा रखते हैं। यहां हर माह बीजा का आयोजन श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। इस मंदिर में चामुंडा माताजी की प्रतिमा के साथ अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियाँ भी स्थापित हैं, जिससे यह स्थल नवदुर्गा की पूजा के लिए भी प्रसिद्ध है।

यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि इसके आसपास के सदियों पुराने पेड़ और मंदिर की ऐतिहासिकता इसे और भी विशेष बनाते हैं। पोरबंदर के देगाम में स्थित यह नवदुर्गा चामुंडा माताजी का मंदिर श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है, जहां हर साल हजारों लोग अपनी श्रद्धा अर्पित करने आते हैं।

यहां है भगवान वामन का प्राचीन मंदिर

आस्था का है बड़ा केन्द्र, दर्शन मात्र से मुरादें होती हैं पूरी

आध्यात्मिक मान्यताओं और देवी-देवताओं की तपोस्थली के रूप में विंध्यक्षेत्र का नाम प्राचीनकाल से लिया जाता रहा है। इस क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक मंदिरों का उल्लेख विभिन्न पुराणों में मिलता है, जो इस स्थान की धार्मिक महत्ता को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में भगवान वामन महराज का मंदिर भी इसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह प्राचीन मंदिर भगवान विष्णु के पांचवें अवतार वामन देवता को समर्पित है। मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन मात्र से भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। हालांकि, इस मंदिर के निर्माण का कोई सटीक ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है।

यह मंदिर अपनी धार्मिक मान्यताओं और वास्तु के लिए प्रसिद्ध है। भक्त यहां अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए आते हैं और मान्यता है कि भगवान वामन उनकी सभी इच्छाए पूरी करते हैं। मंदिर में भगवान की भव्य आरती प्रतिदिन सुबह और शाम को होती है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु शामिल होते हैं। हर साल सितंबर में वामन द्वादशी के अवसर पर यहां एक विशेष महोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों की संख्या में भक्त भाग लेते हैं। डॉ. शर्मा के अनुसार भगवान विष्णु ने राजा बलि के अहंकार को समाप्त करने के लिए वामन रूप धारण किया था। कथा के अनुसार वामन भगवान ने तीन पग भूमि मांगी थी, जिसमें उन्होंने दो पगों में धरती और आकाश को नाप लिया और तीसरे पग में राजा बलि ने अपना सिर अर्पित कर दिया। इस घटना के बाद राजा बलि पाताल लोक चले गए। मंदिर के पुजारी बताते हैं कि रक्षाबंधन का पर्व भी वामन भगवान से जुड़ा हुआ है। राजा बलि ने भगवान विष्णु से वरदान मांगा था कि जब भी वह अपनी आंखें खोलें, सबसे पहले उन्हें विष्णु का दर्शन हो। इस वरदान के चलते विष्णु पाताल लोक में राजा बलि के साथ रहने लगे। भगवान विष्णु के पाताल जाने के बाद लक्ष्मी माता चिंतित हो गईं और उन्होंने राजा बलि को भाई बनाकर रक्षा बांधी। इसके बाद राजा बलि ने भगवान विष्णु को मुक्त कर दिया।

भगवान वामन का यह मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां आने वाले भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। संदीप कने बताया कि जब भी समय मिलता है यहां दर्शन के लिए आते हैं, क्योंकि यहा सच्चे मन से की गई प्रार्थनाएं हमेशा सफल होती है। भगवान वामन महराज का यह मंदिर ना केवल आध्यात्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि इसका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व भी है, जो इस क्षेत्र को और भी विशिष्ट बनाता है।

रजनीकांत की फिल्म कुली से श्रुति हासन का फर्स्ट लुक आउट

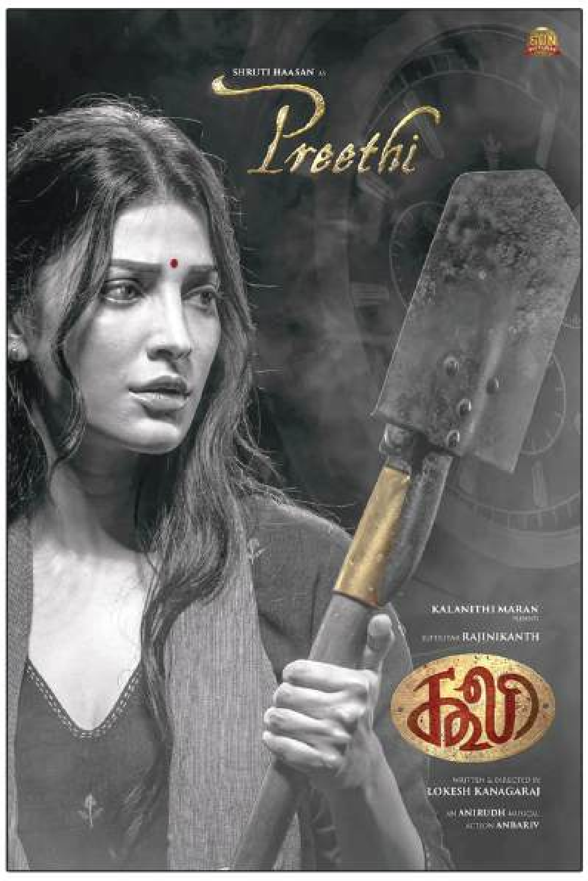

साउथ मेगास्टार रजनीकांत अपनी अगली फिल्म कुली की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं। शूटिंग के बीच मेकर्स ने फिल्म से श्रुति हासन का फर्स्ट लुक जारी किया है। साथ ही, एक्ट्रेस के किरदार के बारे बताया है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म से नागार्जुन का फर्स्ट लुक जारी किया था।कुली के मेकर्स ने फैंस को श्रुति हासन के किरदार से रूबरू कराया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का धांसू पोस्टर जारी किया है, जिसे श्रुति ने अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया है। मेकर्स ने श्रुति का फर्स्ट लुक साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, कुली की दुनिया से प्रीति के रूप में श्रुति का परिचय। एक्ट्रेस का नया पोस्टर उनके एनर्जेटिक किरदार को दर्शाता है। साथ ही आधिकारिक तौर पर फिल्म में उनकी

हटकर है साउथ की हसीना का किरदार

एंट्री को चिह्नित करता है।मेकर्स ने हाल ही में द्वारा आधिकारिक घोषणा से पहले, यह पुष्टि की थी कि श्रुति हासन फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक डिलीटेड स्टोरी में एक्ट्रेस ने कुली के सेट पर अपना पहला दिन साझा किया था।श्रुति हासन से पहले मेकर्स ने फिल्म से नागार्जुन अक्किनेनी और मंजुम्मेल बॉयज फेम सौबिन शाहिर को आधिकारिक तौर पर पेश किया था। नागार्जुन साइमन की भूमिका निभाते दिखेंगे, जबकि शाहिर ने दयाल नाम के किरदार नजर आएंगे।दिलचस्प बात यह है कि लोकेश कनगराज की निर्देशित फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान कैमियो करते दिख सकते हैं। हालांकि, अभी तक उनके बीच कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो यह 1995 की फिल्म आतंक ही आतंक के बाद रजनीकांत के साथ आमिर खान की दूसरी फिल्म होगी।रजनीकांत, श्रुति, नागार्जुन के अलावा , फिल्म में अमिताभ बच्चन, फहाद फासिल, राणा दग्गुबाती, जैसे कलाकारों की टोली मुख्य भूमिकाओं में है। यह फिल्म 10 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

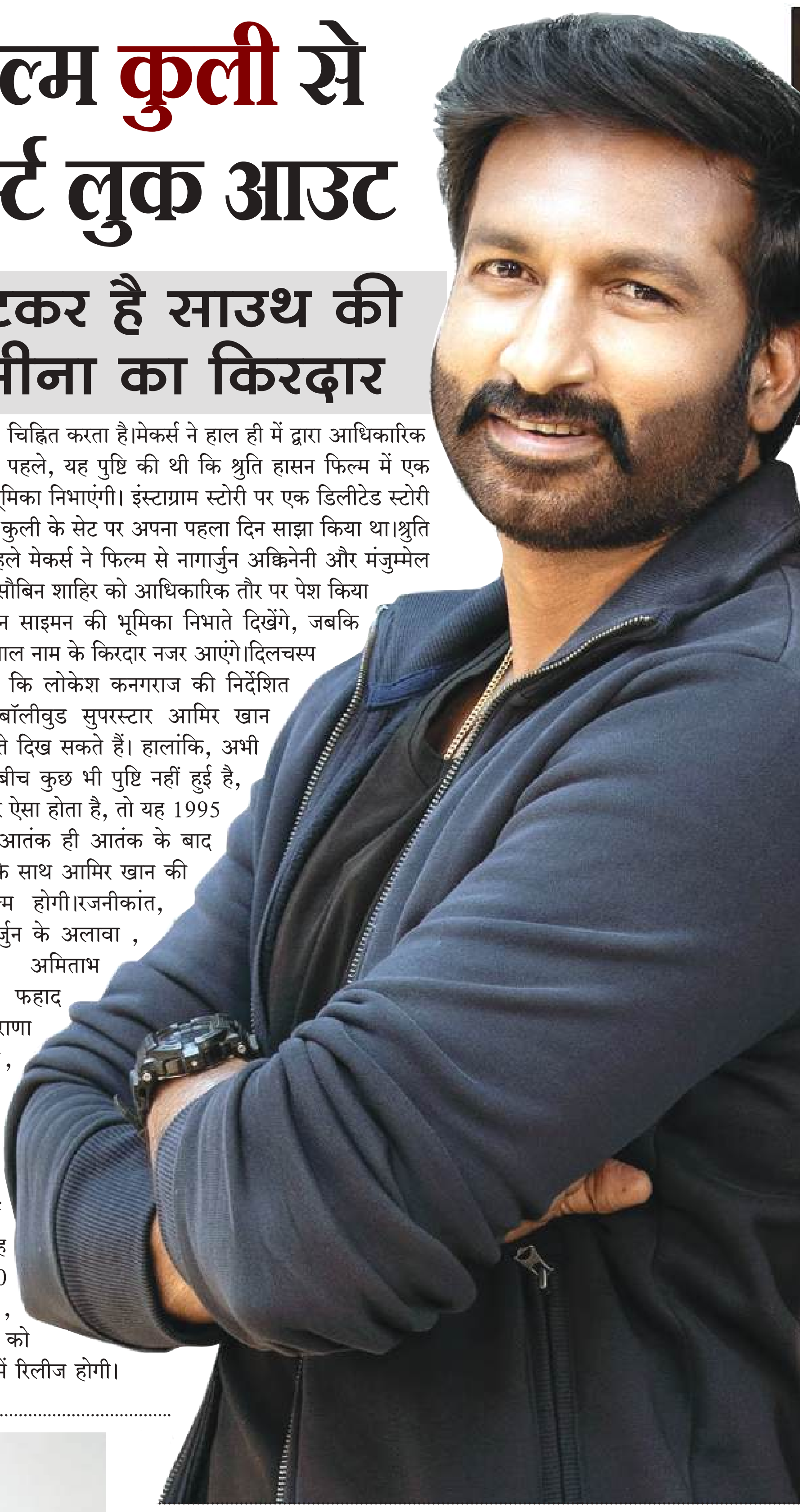

माचो स्टार गोपीचंद स्टारर विश्वम का बेहद मनोरंजक टीजर जारी

11 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म

निर्देशक श्रीनु वैतला कमर्शियल एंटरटेनर बनाने में माहिर हैं। वे कॉमेडी को हैंडल करने में खास तौर पर माहिर हैं। निर्देशक फिलहाल स्टाइलिश एक्शन और पारिवारिक मनोरंजक फिल्म विश्वम बना रहे हैं, जिसमें माचो स्टार गोपीचंद मुख्य भूमिका में हैं। आज निर्माताओं ने प्रमोशन की शुरुआत करने के लिए फिल्म का टीजर जारी किया।टीजर की शुरुआत नरेश की आवाज से होती है, उसके बाद गोपीचंद और काव्या थापर के किरदारों का परिचय होता है। उनकी विपरीत भूमिकाएं कॉमेडी की चिंगारी का वादा करती हैं। इसके बाद टीजर में प्रमुख कलाकारों के साथ कॉमेडी के कई दृश्य दिखाए गए हैं, जो बाद के हिस्से में एक्शन और रोमांचकारी तत्वों में बदल जाते हैं।श्रीनु वैतला मनोरंजन और एक्शन के बीच संतुलन बनाते हुए अपने अंदाज में वापस आ गए हैं।

मजाकिया संवाद और कॉमेडी और एक्शन का मिश्रण इसे एक आशाजनक कमर्शियल आउटिंग बनाता है।गोपीचंद बेहद स्टाइलिश दिखाई देते हैं और अपनी भूमिका में चमकते हैं, जिसमें कॉमेडी के साथ उनकी हमेशा की तरह तीव्रता भी है। काव्या थापर ने अपने ग्लैमर से फिल्म की अपील को और बढ़ाया है, जबकि नरेश, वेनेला किशोर और अन्य ने हास्य और मनोरंजन में योगदान दिया है।केवी गुहान की सिनेमैटोग्राफी बेहतरीन है, और चैतन भारद्वाज का बैकग्राउंड स्कोर कहानी में गहराई जोड़ता है। पीपल मीडिया फैक्ट्री और वेणु डोनेपुडी के चित्रालयम स्टूडियो के तहत टीजी विश्व प्रसाद द्वारा निर्मित, प्रोडक्शन वैल्यू प्रभावशाली हैं।श्रीनु वैतला की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में एक अनुभवी सहयोगी गोपी मोहन ने पटकथा लिखी है। टीम में संपादक के रूप में अमर रेड्डी कुदुमुला और कला निर्देशक के रूप में किरण मन्ने भी शामिल हैं। विश्वम दशहरा के लिए 11 अक्टूबर को रिलीज़ होने वाली है, जो इसे त्यौहारी सीजऩ के दौरान एक पारिवारिक मनोरंजन के रूप में पूरी तरह से पेश करती है।

कॉमेडी के सच्चे मास्टर हैं अभिनेता अक्षय कुमार : चित्रांगदा सिंह

देसी बॉयज और खेल खेल में के बाद एक बार फिर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी।हाउसफुल 5 की शूटिंग के लिए लंदन जा रहीं अभिनेत्री ने बताया, अक्षय बेहद ही प्रतिभाशाली कलाकार हैं, इसके साथ ही वह कॉमेडी के सच्चे मास्टर भी हैं। हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं, और उनके साथ काम करना हमेशा खुशी की बात होती है।खेल खेल में अक्षय के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, फिल्म खेल खेल में हमारे कैमियो को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली, और मैं हाउसफुल 5 में उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

फिल्म का पहला पार्ट 2010 में रिलीज हुआ था। इसमें अक्षय, रितेश देशमुख, अर्जुन रामपाल, लारा दत्ता, दीपिका पादुकोण और दिवंगत स्टार जिया खान ने भूमिका निभाई थी।वहीं दो साल बाद फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज किया गया। हाउसफुल का एक स्टैंडअलोन सीक्वल और 1998 की मलयालम फिल्म मट्टुपेटी मचान का रीमेक है।

इसमें ऋषि कपूर, रणधीर कपूर, मिथुन चक्रवर्ती, अक्षय कुमार, असिन, जॉन अब्राहम, जैकलीन फर्नांडीज, रितेश देशमुख, श्रेयस तलपड़े, जऱीन खान, चंकी पांडे, शाज़ान पद्मसी और बोमन ईरानी जैसे नाम शामिल थे। पहले दो भागों का निर्देशन साजिद खान ने किया था।तीसरी और चौथी फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था। वहीं पांचवीं फिल्म हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है।

हाउसफुल 5 में फरदीन खान, पूजा हेगड़े और रितेश भी हैं।अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को पिछली बार 2023 में गैसलाइट में देखा गया था। यह एक मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है। इसमें विक्रांत मैसी और सारा अली खान भी हैं।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2 का ट्रेलर आउट

आलिया,जूनियर एनटीआर समेत सामने आई मशहूर गेस्ट की झलक

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दूसरे सीजन का धमाकेदार अनाउंसमेंट कर दिया है जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। नेटफ्लिक्स इंडिया ने हाल ही में शो का प्रीमियर वीडियो रिलीज कर दिया है जिसमें कपिल शर्मा अपने मजेदार शो के साथ वापसी करने जा रहे हैं। प्रोमो में आलिया भट्ट, जाह्नवी कपूर, सैफ अली खान, करण जौहर, रोहित शर्मा जैसे सितारे गेस्ट के तौर पर आए हैं।कपिल शर्मा, सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा, राजीव ठाकुर, कृष्णा अभिषेक और अर्चना पूरन सिंह अपने मजेदार कारनामों के साथ सीजन 2 में वापस आ गए हैं। नेटफ्लिक्स ने आज शो के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज कर दिया है जिससे शो के फैंस काफी एक्साइटेड हैं । द ग्रेट इंडियन कपिल शो का दूसरा सीजन 21 सितंबर से स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। जब शो शनिवार (शनिवार) से फनीवार (मजेदार शनिवार) में बदल जाएगा।दूसरे सीजन में कुछ बड़े कलाकार शामिल होंगे, दर्शकों को आलिया भट्ट, सैफ अली खान, जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और करण जौहर जैसे मशहूर हस्तियों को बिल्कुल नए अंदाज में जानने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। इस सीजन में, टी20 विश्व कप चैंपियन भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा भी नजर आएंगे। हमेशा की तरह कपिल अपनी पंच लाइन से सबका मनोरंजन करने को तैयार हैं।द ग्रेट इंडियन कपिल शो के पहले सीजन में सुपरस्टार आमिर खान, रणबीर कपूर अपनी मां नीतू कपूर और बहन रिद्धिमा साहनी के साथ, कार्तिक आर्यन, दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा समेत कई अन्य लोग पहले सीजन में शो में मेहमान बनकर आए थे। अब सीजन 2 में नए मेहमानों के साथ कपिल शर्मा की टीम दर्शकों का मनोरंजन करेगी। इसमें कोई दोराय नहीं कि कपिल शर्मा शो के करोड़ों फैन हैं और इसीलिए उनके शो का बेसब्री से इंतजार किया जाता है। अब ट्रेलर रिलीज होने के बाद से फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

तुम्बाड ने री-रिलीज में भी ढाया बॉक्स ऑफिस पर कहर

ओपनिंग डे पर द बकिंघम मर्डर्स को पछाड़ा

सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड की री-रिलीज को लेकर दर्शक काफी एक्साइटेड थे। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो गई है। ऐसा लग रहा है कि तुम्बाड पहली बार की तरह अब री-रिलीज में भी कई रिकॉर्ड बनाने वाली है। री-रिलीज के पहले ही दिन फिल्म ने करीना कपूर की द बकिंघम मर्डर्स के ओपनिंग कलेक्शन को मात दे दी है।सैकनिल्क के आंकड़ों की मानें तो सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड ने री-रिलीज के पहले दिन भारत में कुल 1.50 करोड़ रुपए की शानदार ओपनिंग की है। जबकि करीना कपूर की मर्डर मिस्ट्री फिल्म द बकिंघम मर्डर्स ओपनिंग डे पर सिर्फ 1.25 करोड़ रुपए ही कमा पाई है। इस तरह तुम्बाड ने द बकिंघम मर्डर्स को शिकस्त दे दी है।सोहम शाह स्टारर तुम्बाड एक हॉरर-फैंटेसी फिल्म है जिसे राही अनिल बारवे ने डायरेक्ट किया है। फिल्म 2018 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और फिर ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की गई थी। ओटीटी पर तुम्बाड को खूब सराहना मिली थी। अब फिल्म को दोबारा पर्दे पर रिलीज किया गया है और इसी बीच सोहम शाह ने फिल्म का सीक्वल अनाउंस कर दिया है।सोहम शाह ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म का एक टीजर शेयर करते हुए तुम्बाड 2 की अनाउंसमेंट की है। उन्होंने लिखा है- तुम्बाड 2, प्रलय आएगा।करीना कपूर की द बकिंघम मर्डर्स की बात करें तो ये एक मिस्ट्री-थ्रिलर है। फिल्म को हंसल मेहता ने डायरेक्ट किया है जिसमें करीना कपूर एक ब्रिटिश-भारतीय जासूस का रोल निभाया है जो बकिंघमशायर में मारे गए बच्चे की मौत की मिस्ट्री सुलझाती नजर आई हैं।

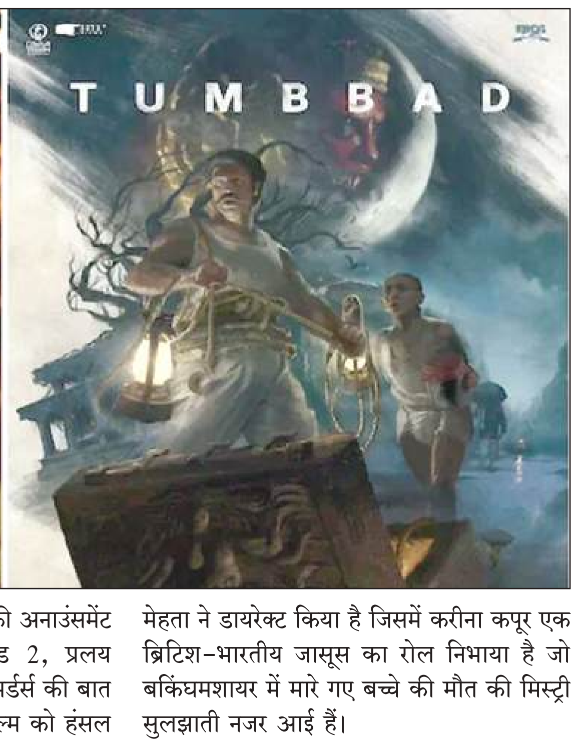

महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि

भारत ने दिया है जियो और जीने दो का सच्चा लोकतंत्र: योगी

भारतीय मूल्यों और संस्कारों से ही चल रहा लोकतंत्र: हरिवंश

गोरखपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया में जब सभ्यता, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के प्रति आग्रह नहीं था तब भारत मे सभ्यता, संस्कृति और मानवीय जीवन मूल्य चरम पर थे। भारतीय सभ्यता और संस्कृति प्राचीन काल से लेकर अर्वाचीन काल तक लोकतांत्रिक मूल्यों से परिपूर्ण रही है। इसका उद्देश्य किसी का हरण करना या किसी पर जबरन शासन करना नहीं था बल्कि इसकी भावना सर्वे भवंतु सुखिनः की रही है। इसका नया स्वरूप आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास के संकल्प में दिखता है। हमारी ऋषि परंपरा जियो और जीने दो की रही है क्योंकि यही सच्चा लोकतंत्र है और इस मूल्यपरक लोकतंत्र को किसी और ने नहीं बल्कि भारत ने दिया है।

सीएम योगी रविवार को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों के सम्मेलनों की श्रृंखला के पहले दिन लोकतंत्र की जननी है भारत विषयक सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र को लेकर वैदिक कालखंड से लेकर रामायणकालीन और महाभारतकालीन अनेक उद्धरण देखने को मिलते हैं। भारत के लोकतंत्र में प्राचीन समय से लेकर आज तक जनता की आवाज और जनता के हित को ही सर्वोपरि रखा गया है। भारतीय सभ्यता में हमेशा ही यह कह गया है कि प्रजा का सुख ही राजा का दायित्व है। रामायण काल में भगवान श्रीराम ने भी अक्षरशः जनता की आवाज को महत्व दिया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी खुद को कभी राजा नहीं समझा। उनके समय में वरिष्ठ व्यक्ति के नेतृत्व में गणपरिषद शासन का कार्य देखती थी। द्वारिका में जब अंतर्द्वंद्व प्रारंभ हुआ तब इस परिषद के सदस्य आपस में लड़कर मर-मिट गए। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने परिषद के सदस्यों की दुर्गति पर कहा था कि राज्य के नियम प्रत्येक नागरिक पर समान रूप से लागू होते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में कुछ लोगों पर गुलामी की मानसिकता आज भी हावी है। जबकि भारत में लोकतंत्र की जड़ें प्राचीन समय से ही गहरी रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत तब गुलाम हुआ जब लोकतंत्र की विरासत को संजोने में चूक हुई। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में निरंकुश राजा को सत्ताच्युत करने का अधिकार जनता के प्रतिनिधित्व वाले परिषद के पास होता था। लोकतंत्र में यह स्पष्ट है कि जनता का हित ही सर्वोच्च है। प्राचीन काल में देखें तो वैशाली गणराज्य इसका एक उदाहरण है जहां पूरी व्यवस्था जनता के हितों के लिए समर्पित थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सभी भारतीयों को अपने लोकतंत्र पर और लोकतांत्रिक मूल्यों पर चलकर तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा लोकतंत्र तभी तक सुरक्षित है जब तक हमारा संविधान सुरक्षित है। संविधान को पवित्र भावना से, जाति, मत, मजहब, क्षेत्र से ऊपर उठकर इसे सुरक्षित-संरक्षित रखने का दायित्व सभी लोगों को उठाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए आगे बढ़ेंगे तो हमारा लोकतंत्र और मजबूत-पुष्ट होगा।

मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि लोकतंत्र के संस्कार पांच हजार वर्ष पुराने भारतीय मूल्यों से गढ़े गए हैं। सही मायने में भारतीय मूल्यों और संस्कारों से ही लोकतंत्र चल रहा है। हरिवंश ने कहा कि खुलकर अपनी बात रखना ही लोकतंत्र का यथार्थ है और यह मूल्य भारत की हजारों वर्षों की परंपरा में निहित रहे। भारतीय लोकतंत्र में जनता को हर प्रकार की आजादी के साथ खामी को भी ठीक करने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी मूल्यों से प्रभावित लोगों ने ही भारतीय लोकतंत्र को आयातित समझने की भूल की है। इस भूल का कारण यह रहा कि भारतीय लोकतंत्र को यूनान को नजर से देखने की आदत डाली गई। उन्होंने कहा कि भारत को आजादी मिलने के बाद कई विदेशी विद्वानों ने कहा था कि भारत में लोकतंत्र टिकेगा नहीं और आज उसका जवाब यह है कि अगले साल हम संविधान लागू होने का अमृत वर्ष मनाने जा रहे हैं। श्री हरिवंश ने कहा कि आज भारत अपने को लोकतंत्र की जननी के वास्तविक नजरिए से दुनिया के सामने पेश कर रहा है। पहले इस विषय पर चर्चा नहीं होती थी। आज भारत ने जी-20 सम्मेलन का माध्यम से इस पर बात की। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी भारतीय लोकतंत्र को लेकर महत्वपूर्ण विमर्श को ऐसे आयोजनों से आगे बढ़ा रहे हैं।

राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि भारत में वेद, पुराण, उपनिषद की और ऋषियों की परंपरा के मूल्य थे। हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में धर्म मार्गदर्शक की भूमिका में था इसलिए हमारे यहां आतताई शासकों का वर्णन नहीं मिलता है। राजा, देवता, जनता सभी धर्म से बंधे थे। भारत मे त्याग और नैतिकता की परंपरा रही है। इसीलिए राजा सर्वशक्तिमान होकर भी स्वेच्छाचारी नहीं था। चक्रवर्ती सम्राट को भी धर्मदंड से चेतावनी दी जाती थी। हरिवंश ने कहा कि अब्राहम लिंकन द्वारा लोकतंत्र की परिभाषा देने से 2700 वर्ष पूर्व कौटिल्य के अर्थशास्त्र में कहा गया है कि प्रजा के सुख में राजा का सुख निहित है। अशोक के धौली शिलालेख में लिखा है, सारी प्रजा मेरी संतान है। यह सब लोकतंत्र के मूल्य ही तो हैं। अथर्ववेद में भी लोकतांत्रिक प्रणाली का उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश इतिहासकार थॉमसन ने कहा था कि लंदन के हाउस ऑफ कॉमंस के नियम भारत की पुरानी सभाओं से लिए गए लगते हैं। जार्ज बर्नाड शॉ ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा था कि ग्रीक और रोम की सभ्यता मिट गई लेकिन भारत की सभ्यता, संस्कृति कैसे बची रही, यह रहस्यमय है। वास्तव में इसका सीक्रेट यह है कि भारत की सभ्यता और संस्कृति वेदों, पुराणों की है, ऋषियों की है। भारत की सभ्यता, संस्कृति पुराने मूल्यों से बची रही।

हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी इसलिए कहा जाता है कि यहां प्राचीनकाल से गांव स्तर तक लोकतंत्र सम्मत आत्मशासन की व्यवस्था थी। जनजातीय क्षेत्रों में भी लोकतांत्रिक मूल्यों वाली स्थानीय परिषदें थीं। भारत के भक्ति आंदोलन ने भी लोकतंत्र की अलख जगाकर इसे सम्पुष्ट किया। राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि भारत में आजादी के बाद अब जाकर देश के अगले सौ साल का रोडमैप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बना है। उन्होंने देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए एक लाख युवाओं को राजनीति में आने का आह्वान किया है। जबकि चीन ने 1947-48 में ही अपने लिए सौ साल की कार्ययोजना बना ली थी। सत्तर के दशक में चूक हुई और चीन हमसे पांच गुना आगे बढ़ गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रामराज की संकल्पना साकार करने वाला बताते हुए हरिवंश ने कहा कि रामराज की स्पिरिट योगी जी में दिखती है। समान रूप से सबको न्याय, सुरक्षा के पुरातन भारतीय मूल्य योगी जी की कार्यपद्धति में नजर आते हैं। राज्यसभा के उपसभापति ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए कहा कि अतीत के महा-पुरुषों को याद करना भविष्य के लिए प्रेरणा देता है। राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण में इन दोनों गोरक्षपीठाधीश्वरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ का जीवन भारतीय मूल्यों के प्रति समर्पित रहा।

सम्मेलन में विषय प्रवर्तन करते हुए उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द गुप्त ने कहा कि भारत में लोकतांत्रिक शासन की परंपरा अति प्राचीन है। भारत में लोकतंत्र का सिद्धांत वेदों से निकला है। लोकतंत्र का वर्णन ऋग्वेद और अथर्ववेद में भी मिलता है। ऋग्वेद में 40 बार और अथर्ववेद में 9 बार गणतंत्र शब्द का उल्लेख है। विश्व मे सबसे पहले कहीं लोकतंत्र के भाव का प्रादुर्भाव हुआ तो वह भारत ही है।

सम्मेलन को सवाई, आगरा के ब्रह्मचारी दास लाल और सुग्रीव क़िलाधीश अयोध्या के स्वामी विश्वेष प्रपन्नाचार्य ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, अयोध्या से आए महंत सुरेश दास, कटक से आए महंत शिवनाथ, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, मिथिलेशनाथ, राममिलन दास, कर्नाटक से आए भयंकरनाथ, अहमदाबाद से आए कमलनाथ, रविंद्रदास आदि भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कानपुर में गंगा किनारे बनेगा रिवर फ्रंट

कानपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर में पिछले माह शहर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के बाद 11 साल से प्रस्ताव में फंसी गंगा रिवर फ्रंट योजना को धरातल पर लाने के लिए अधिकारी फिर से सक्रिय हो गए हैं। 11 साल पहले आईआईटी की ओर से किए गए सर्वे को दोबारा उसी संस्थान से अध्ययन कराया जाएगा।

तब और अब में हुए परिवर्तन को देखते हुए योजना को मूर्तरूप देने की तैयारी है। अब गंगा रिवर फ्रंट चार किलोमीटर बढ़ाकर बैराज से किशनपुर तक विकसित किया जाएगा। जगह-जगह फूड हब-पिकनिक स्पॉट विकसित किए जाएंगे। 2013 में गंगा रिवर फ्रंट विकसित करने की योजना बनाई गई थी।

आईआईटी के सिविल डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओमकार दीक्षित ने विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों के सहयोग से इसे तैयार किया था। पर्यावरण, ट्रांसपोर्ट, हाइड्रोलिक स्टडी भी हुई थी। हाइड्रोलिक स्टडी में नदी की स्थिति, कटान, दबाव, गहरान, भविष्य में नदी के स्वरूप आदि का अध्ययन हुआ था।

गंगा रिवर फ्रंट को गंगा के किनारे-किनारे बैराज से जाजमऊ तक 12 किलोमीटर में विकसित होना था। योजना की अनुमानित लागत 103 करोड़ रुपए थी। बैराज और जाजमऊ में नए घाट, भैरोघाट, परमट घाट, सरसैया घाट, मेस्कर घाट, सिद्धनाथ घाट आदि के जीर्णोद्धार, कुछ स्थानों में पिकनिक स्पॉट, फूड हब, ग्रीनरी, पाथवे आदि विकसित किए जाने थे।

2013 में ही विश्वबैंक के तत्कालीन अध्यक्ष यहां आए तो उनके सामने तत्कालीन मंडलायुक्त शालिनी प्रसाद, आईआईटी के सिविल डिपार्टमेंट के तत्कालीन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओमकार दीक्षित, केडीए की तत्कालीन उपाध्यक्ष जयश्री भोज, तब के नगर आयुक्त एनकेएस चौहान, उच्च स्तरीय समग्र विकास समिति के समन्वयक नीरज श्रीवास्तव आदि ने गंगा रिवर फ्रंट योजना का प्रस्तुतिकरण किया था।

समन्वयक ने बताया कि विश्वबैंक के अध्यक्ष इस अध्ययन से काफी प्रभावित हुए थे। विश्व बैंक से वित्त पोषण के लिए राष्ट्रीय गंगा बेसिन अथॉरिटी (एनज-ीआरबी) के माध्यम से प्रस्ताव भेजा जाना था, पर कुछ वजहों से कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाई। 14 दिसंबर 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीएसए में राष्ट्रीय गंगा परिषद की पहली बैठक हुई थी। इस बैठक में दो राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री सहित पांच राज्यों के मंत्री शामिल हुए थे। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा रिवर फ्रंट योजना की जानकारी ली थी, पर कार्रवाई रुकी थी।

29 अगस्त को मुख्यमंत्री ने जीआईसी मैदान में जनसभा को संबोधित करते समय गंगा रिवर फ्रंट योजना को विकसित करने का एलान किया था। इसके बाद कमिश्नर, डीएम, केडीए वीसी, नगर आयुक्त आदि अधिकारी सक्रिय हुए। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के अनुसार गंगा रिवर फ्रंट का अध्ययन 11 साल पहले हुआ था, तब अटल घाट नहीं था। कुछ अन्य परिस्थितियां भी परिवर्तित हुईं हैं। इसलिए 13 सितंबर को कमिश्नर अमित गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में योजना की समीक्षा कराने का फैसला लिया गया। आईआईटी दोबारा सर्वे का अध्ययन करेगा। देखा जाएगा कि 11 साल पहले बनी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट में परिस्थितियों, एनजीटी के निर्देशों, जरूरत के हिसाब से क्या-क्या सुधार या संशोधन किया जा सकता है। इसके बाद गंगा रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा।

सचिवालय के 60 फीसदी से ज्यादा कर्मचारी आते हैं लेट

30 फीसदी लगाते ही नहीं बायोमीट्रिक हाजिरी

लखनऊ, 15 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सचिवालय के 60 फीसदी से ज्यादा कर्मचारी दफ्तर देरी से पहुंचते हैं। ये बात बायोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम के आंकड़ों से साफ हो रही है। दफ्तर आने का समय सुबह 9:30 बजे तय है, जबकि ज्यादातर कर्मचारी 10 बजे के बाद ही पहुंचते हैं। इसमें वे कर्मचारी भी शामिल हैं, जो बायोमीट्रिक हाजिरी लगाते हैं।नियम के मुताबिक, कर्मचारियों को सुबह 9:30 बजे ऑफिस पहुंचना चाहिए। ग्रेस पीरियड के तौर पर उन्हें 20 मिनट अतिरिक्त दिए जाते हैं। ऐसे में अगर वे सुबह 9:50 बजे तक कार्यालय में उपस्थित हो जाते हैं तो देरी नहीं मानी जाती है।

अब देखते हैं कि बायोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम के आंकड़े क्या बता रहे हैं? आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को 62.3 फीसदी कर्मचारी 10 बजे के बाद कार्यालय पहुंचे। बाकी दिन भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति रहती है। योगी सरकार ने सभी कर्मचारियों को समय पर दफ्तर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। इसके उलट सचिवालय के ज्यादातर कर्मचारी निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। समय की पाबंदी ही नहीं बायोमीट्रिक अटेंडेंस लगाने में भी कर्मचारी लापरवाही बरत रहे हैं। रिकॉर्ड के मुताबिक, रोजाना करीब 30 फीसदी कर्मचारी बायोमीट्रिक अटेंडेंस की सुविधा का उपयोग ही नहीं करते हैं। आंकड़े बताते हैं कि 13 सितंबर को कुल कार्यरत सक्रिय 4191 में से 2673 ने ही इस सिस्टम पर हाजिरी लगाई।

सचिवाल प्रशासन के प्रमुख सचिव के रवींद्र नायक का कहना है कि सचिवालय के सभी कर्मियों के लिए बायोमीट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य है। अगर कोई कर्मचारी महीने में लगातार चार बार लेट होता है तो एक दिन की छुट्टी लगाने का नियम है। जानबूझकर बायोमीट्रिक अटेंडेंस मशीन खराब करने के मामले भी आए हैं। सभी संबंधित अपर मुख्य सचिवों व प्रमुख सचिवों से रिपोर्ट लेकर देर से आने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

गणेश मूर्ति विसर्जन जुलूस पर इस्लामी कट्टरपंथियों का हमला

महोबा, 15 सितंबर (एजेंसियां)। महोबा जिले में गणेश मूर्ति विसर्जन के दौरान दो समुदायों के बीच तनावपूर्ण स्थिति बन गई। यह घटना तब हुई जब गणेश मूर्ति का जुलूस मुस्लिम बाहुल्य कसौराटोरी इलाके से गुजर रहा था। जुलूस के दौरान आतिशबाजी में एक जलता हुआ पटाखा गलती से एक कच्चे मकान में गिर गया, जिससे विवाद शुरू हो गया। इसके तुरंत बाद, इस्लामिक कट्टरपंथियों ने जुलूस पर पानी की बाल्टियां फेंकनी शुरू कर दीं और फिर पथराव भी होने लगा। इस कारण जुलूस में अफरा-तफरी मच गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और मौके पर कई थानों की फोर्स को तैनात कर दिया। पुलिस ने दर्जन भर लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, इस घटना के बाद हिंदू संगठनों ने गुस्से में आकर कोतवाली का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। यह घटना महोबा के शहर कोतवाली क्षेत्र के कसौराटोरी मोहल्ले की है। गणेश मूर्ति विसर्जन के लिए निकाले जा रहे जुलूस में शामिल भक्त डीजे की धुन पर उत्सव मना रहे थे। जैसे ही जुलूस कसौराटोरी इलाके से गुजरा, आतिशबाजी के दौरान एक जलता पटाखा कच्चे मकान के अंदर गिर गया, जिससे विवाद की शुरुआत हुई। इसके बाद जुलूस में शामिल भक्तों पर पानी की बाल्टियां फेंकी गईं, जिससे दोनों पक्षों में टकराव और पथराव शुरू हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा, लेकिन गुस्साए हिंदू संगठन के कार्यकर्ता कोतवाली पहुंच गए और गिरफ्त-ारी की मांग करने लगे। उन्होंने कोतवाली का घेराव करते हुए जोरदार नारेबाजी की। संगठन के पदाधिकारी कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे और देर रात तक कोतवाली में डटे रहे। पुलिस ने स्थिति को शांत करने के लिए दोनों पक्षों से बातचीत की और तनाव को कम करने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस ने दर्जन भर लोगों को हिरासत में लिया और इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष मनोज शिवहरे ने बताया कि गणेश मूर्ति विसर्जन के दौरान भक्तों पर पथराव करने की घटना से लोग बेहद आक्रोशित हैं।

कालिंदी एक्सप्रेस तोड़फोड़ की साजिश का मामला

अब रेल पटरियों की निगरानी करेंगे ट्रैक मित्र

कानपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस को बेपटरी करने की साजिश का पर्दाफाश करने को पुलिस पूरी ताकत से जुटी है। जांच का दायरा बढ़ाते हुए पुलिस ने घटना के दौरान एक्टिव मोबाइल नंबरों को खंगालना शुरू कर दिया है। शिवराजपुर और उसके आसपास तीन मोबाइल टॉवरों से पुलिस ने एक घंटे का डाटा उठाया है, जिसमें 50 हजार नंबर पुलिस के पास आए हैं। पुलिस इनमें से एक-एक कर नंबर व धारकों का सत्यापन कर रही है।

सीसीटीवी कैमरे की फुटेज अब उत्तरीपुरा से उठाए जा रहे हैं। मुड़ेरी मोड़ के आसपास के गांवों से पुलिस ने एक बार फिर आठ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। हालांकि अभी तक पुलिस के हाथ अहम जानकारी हाथ नहीं है। डीसीपी पश्चिम राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मोबाइल टॉवरों से मिले डाटा की छंटनी की जा रही है। जांच के दौरान पुलिस को नेवादा टोल प्लाजा से शिवराजपुर की तरफ एक लिंक रोड के बारे में जानकारी मिली। पता चला है कि इसका इस्तेमाल आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले शातिर करते हैं।

टोल प्लाजा के 100 मीटर पहले दरिया नेवादा से होकर शिवराजपुर हाईवे की ओर जाने वाले इस रास्ते पर पुलिस टीमों ने शनिवार को दिन भर गश्त की। इस रास्ते पर पुलिस को तीन सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी पुलिस ने जांचना शुरू कर दिया है।

डीसीपी ने बताया कि मौके से मिले विस्फोटक (पाउडर) को जांच के लिए आगरा फॉरेंसिक लैब भेजा जाएगा।

पेट्रोल वाली बोतल और सिलिंडर की फोटो लखनऊ फॉरेंसिक लैब में जांच के लिए भेजी जाएगी। मौके पर मिले एक कागज के टुकड़े को भी जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा जाएगा। इस कागज में विस्फोटक की महक आ रही है। यह सामग्री रविवार को यहां से डाकेट बनाकर भेज दी गई।

रेलवे पटरियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ ने अब ट्रैक मित्र बनाकर उनकी मदद लेनी शुरू कर दी है। शनिवार को कन्नौज के आरपीएफ इंस्पेक्टर ने चौबेपुर से लेकर शिवराजपुर तक पटरियों के पास के गांव के पांच-पांच संभ्रात लोगों को ट्रैक मित्र बनाकर यह जिम्मेदारी दी। आरपीएफ को उम्मीद है कि इससे उन्हें ट्रैक की निगरानी करने में मदद मिलेगी। मुड़ेरी क्रॉसिंग के पास कालिंदी एक्सप्रेस को बेपटरी करने की साजिश के बाद से आरपीएफ ट्रेन हादसा रोकने व पटरियों और रेलवे की संपत्ति की सुरक्षा को लेकर फिक्रमंद है। इसी के चलते ट्रैक मित्र बनाने का फैसला लिया गया है। आरपीएफ थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रैक मित्र रेलवे पटरियों के आसपास होने वाली हर छोटी-बड़ी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख सुरक्षा करेंगे और किसी भी आशंका पर तत्काल फोन पर सूचना देंगे। आरपीएफ ट्रैक मित्रों को आई कार्ड भी मुहैया कराएगी।

कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश में पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने छह नए संदिग्धों को रडार पर लिया है। इनकी फुटेज भी सीसीटीवी में कैद हुई है। अलग-अलग स्थान और वक्त पर यह संदिग्ध पुलिस और खुफिया एजेंसियों की नजर में आए हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिवराजपुर और उसके आसपास के गांव में पूछताछ पूरी होने के बाद अब जांच का दायरा आगे बढ़ाया गया है।

अधिकारियों का दावा है कि वर्तमान में कोई भी संदिग्ध उनकी हिरासत में नहीं है। जिस हिस्ट्रीशीटर से पूछताछ की गई थी उसके बताए तथ्यों को तस्दीक किया जा रहा है। डीसीपी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस ने करीब 28 संदिग्धों को उठाकर पूछताछ की है।

सभी से पूछताछ के बाद जो तथ्य सामने आए है उनकी तस्दीक की जा रही है।

युवा भारतीय खिलाड़ी सरफराज खान और ध्रुव जुरेल ने रोहित शर्मा की कप्तानी को सराहा

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। पहला मैच 19 सितंबर से चेन्नई में, जबकि दूसरा मैच 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। सीरीज की शुरुआत से पहले टीम के युवा खिलाड़ी सरफराज खान एवं ध्रुव जुरेल ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ की है।

सरफराज ने कहा कि वह (रोहित शर्मा) बहुत अलग हैं, आपको सहज महसूस कराते हैं। हमारे लिए वह बड़े भाई जैसे हैं। उनके साथ खेलना में बहुत मजा आता है। मैंने उन्हें बाहर से पहली बार देखा था और आज मैं उनके साथ खेल रहा हूं। उनके साथ खलते हुए ऐसा नहीं लगता आप जूनियर हैं। वह हर किसी को बराबर समझते हैं। सरफराज ने आगे कहा कि मेरी फेवरेट मूवी लगान है। फिल्म में आमिर खान ने जिस तरह से अपनी टीम को बनाया, वैसे रोहित भाई मुझे उसकी याद दिलाते हैं। मेरे लिए, वे लगान के आमिर खान हैं। उनके साथ परिवार जैसा महसूस होता है। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने रोहित शर्मा की बल्लेबाजी शैली को लेकर उनकी सराहना की। जुरेल ने कहा कि जब टीवी पर उनको खेलते देखते थे, लोग कहते थे कि उनके पास शॉट खेलने के लिए काफी समय होता है, लेकिन जब आप करीब से खेलते देखते हैं तो आपको पता चलता है कि जिस बॉल पर हम संघर्ष करते हैं बल्ला सही से नहीं आता, वो आराम से शॉट मार देते हैं। उनका पुल शॉट काफी प्रसिद्ध है। ऐसी चीजों को करीब से देखना काफी विशेष है। जब भी उनके साथ खेलता हूं, बहुत अच्छा महसूस कराते हैं। वह ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम हैं। इस साल की शुरुआत में सरफराज और ध्रुव जुरैल ने रोहित की कप्तानी में ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। दोनों बल्लेबाजों को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। सरफराज ने तीन मैचों में 200 रन बनाए थे जिसमें तीन अर्धशतक शामिल थे। वहीं जुरेल ने 190 रन बनाए थे, जिसमें एक 90 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी भी शामिल थी। सरफराज और जुरेल को अब बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के लिए 16 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह मिली है।

न्यूज ब्रीफ

हेड साल में अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

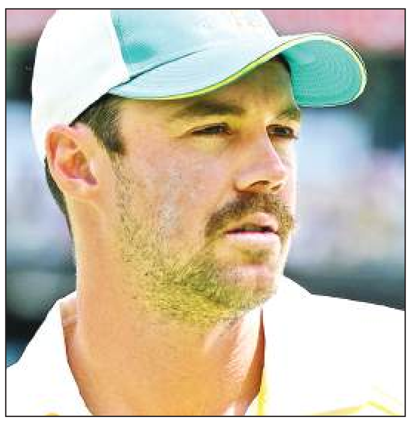

कार्डिफ। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। हेड ने दूसरे टी20 में केवल 14 गेंदों में ही चार चौकों और दो छक्के लगाकर 31 रन बना दिये। इस प्रकार हेड अब एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बना गये हैं। इस प्रकार उन्होंने अपने ही देश के आरोन फिंच को पीछे छोड़ा। इस प्रकार हेड ने के इस साल टी20ई में कुल मिलाकर 33 छक्के हो गये हैं। ये एक कैलेंडर वर्ष के दौरान किसी ऑस्ट्रेलियाई द्वारा लगाये सबसे अधिक छक्के हैं। इससे पहले साल 2018 में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान फिंच ने 31 छक्के लगाए थे। इस साल हेड ने 15 टी20 में अब तक 38.50 की औसत और 178.47 के स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं। हेड हालांकि अपनी आक्रामक पारी के बाद भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 6 विकेट पर 193 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को इंग्लैंड ने 19 ओवरों में ही सात विकेट खोकर हासिल कर लिया।

अनन्या और शुभमन विज्ञापन फिल्म में नजर आये, अफेयर की अटकलें भी हुईं तेज

मुम्बई । बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे और क्रिकेटर शुभमन गिल के बीच अफेयर की अटकलें तेज हो गयी हैं। ये अटकलें शुभमन और अनन्या के एक विज्ञापन फिल्म में आने के बाद बढ़ी हैं। इसमें इन दोनो की केमेस्ट्री को लोगों ने काफी पसंद किया है। इसका वीडियो भी जमकर वाइरल हुआ है। वहीं अनन्या ने इन बातों पर ध्यान न देते हुए अपने पसंदीदा क्रिकेटर के तौर पर शुभमन का नाम बताया है। अनन्या ने कहा कि वह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की एक बढ़ी प्रशंसक हैं। लोगों ने शुभमन और अनन्या दोनों की जोड़ी को पसंद करते हुए अपनी ओर से कॉमेंट किए हैं। वीडियो में शुभमन अनन्या को गले लगाते हैं जिससे अफेयर की चर्चाओं को बल मिला है। एक यूजर ने कॉमेंट किया, अनन्या कितनी लकी हैं कि उन्हें शुभमन के साथ काम करने का मौका मिला।, इससे पहले अनन्या और हार्दिक पंड्या का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें दोनों अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में डांस करते नजर आए थे।

गंभीर ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आराम से बैठकर चीजों को चलने दें : अजय जडेजा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा का मानना है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ आक्रामक रुख अपनायेगी। जडेजा के अनुसार कोच गंभीर का अपना अलग ही तरीका है और उन्हें किसी सुझाव की जरुरत नहीं है। इस पूर्व क्रिकेटर का मानना है कि भारतीय टीम अभी विश्व में शीर्ष स्तर पर है। इसलिए ये सोचना कि बांग्लादेश ने पाक को हराया है, इसलिए हमको भी कड़ी टक्कर देगी कहना सही नहीं होगा। जडेजा के अनुसार 19 सितंबर से शुरु हो रही इस सीरीज का वह बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनका मानना है कि भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में भी आक्रामक रुख अपनाकर हावी रहेगी। भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलनी है। जडेजा ने कहा, 'गंभीर का रुख आक्रामक है। इसलिए एक बात निश्चित है कि उनकी मौजूदगी में कोई नीरस पल नहीं आएगा, वह हमेशा कुछ न कुछ करने का प्रयास करेंगे ।उन्होंने कहा, 'गंभीर ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आराम से बैठकर चीजों को चलने दे। वह कुछ ऐसा करने की कोशिश करेंगे जो सबको हैरान करेगा। जिस प्रकार हमने सूर्यकुमार यादव को अचानक कप्तान बनते देखा था। उसी प्रकार मैं उस रोमांचक क्षण का इंतजार कर रहा हूं जो हम देखने जा रहे हैं।

भारत–बांग्लादेश कानपुर टेस्ट : ऐतिहासिक मैनुअल स्कोरबोर्ड का नहीं होगा इस्तेमाल

कानपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 19 सितंबर से होने जा रहा है। पहला मैच चेन्नई में, जबकि दूसरा मैच यहां कानपुर में खेला जाएगा। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितम्बर से दूसरा टेस्ट मैच होगा। इसकी तैयारियां इन दिनों जोरों पर है, पर लोगों की निगाहें यहां पर बने ऐतिहासिक मैनुअल स्कोरबोर्ड पर है। अबकी बार इस स्कोर बोर्ड पर खिलाड़ियों के नाम और रन नहीं दिखाई देंगे। ग्रीन पार्क में इससे पहले विश्व क्रिकेट की सभी बड़ी टीमों के मैच का गवाह ग्रीनपार्क स्टेडियम में स्थापित स्कोर बोर्ड रहा है जिसकी प्रशंसा यहां पर खेल चुकी सभी देश की टीमों के कप्तान और उनका प्रबंधन कर चुका है। यही नहीं इस स्कोर बोर्ड की प्रशंसा आईसीसी के पूर्व सीईओ व पूर्व क्रिकेटर डेव रिचर्डसन ने भी की थी।

साल 2000 में टेस्ट टीम का दर्जा पायी बांग्लादेश की टीम नगर में पहली बार खेलने आ रही है। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में आगामी 27 सितम्बर से एक अक्टूबर के बीच भारत और बांग्लादेश की टीम आमने–सामने होंगी। स्टेडियम में खेले जाने वाले 24वें अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच के लिए तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गईं हैं। ग्राउंड से लेकर दर्शकों के बैठने की व्यवस्था व एंट्री का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया गया है। फ्लड लाइट से लेकर ब्रॉडकास्टर के कैमरों के सेटअप की भी रिहर्सल हो चुकी है। हालांकि इस मैच में ग्रीन पार्क में जो अधूरा–अधूरा नजर आएगा, वह होगा ऐतिहासिक मैनुअल स्कोर बोर्ड का ना होना। ग्रीनपार्क में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में सिर्फ डिजिटल स्कोर बोर्ड का प्रयोग किया जाएगा, जबकि अभी तक के अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैचों में डिजिटल के साथ–साथ मैनुअल स्कोर बोर्ड का भी इस्तेमाल होता रहा है। मैच के दौरान यह स्कोर बोर्ड भी एक आकर्षण का केंद्र रहता था। इसे दुनिया का सबसे बड़ा मैनुअल स्कोर बोर्ड माना जाता रहा है। इसे 1952 में एसएम बशीर व जगजीत सिंह ने बनाकर तैयार किया था, जबकि 1957 से अंतरराष्ट्रीय मैचों में इसका प्रयोग पहली बार किया गया था।

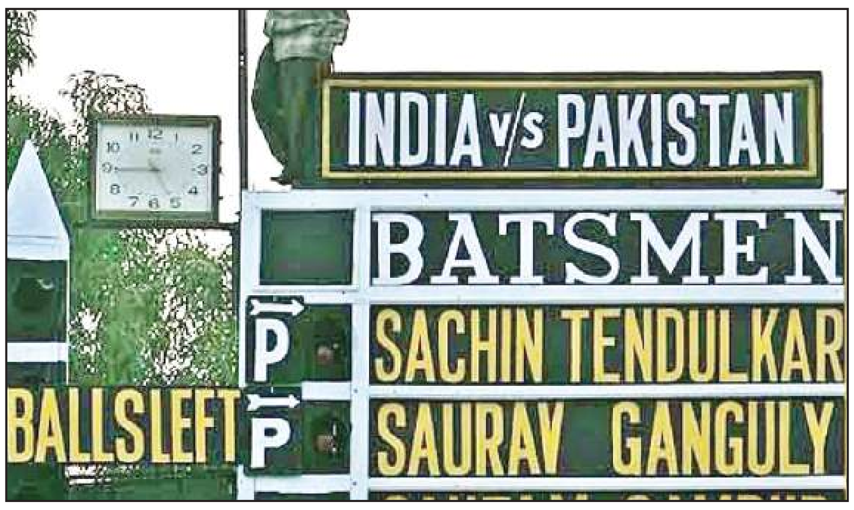

80 लोग करते थे संचालित

ग्रीन पार्क के स्कोर बोर्ड को ऐसे ही ऐतिहासिक स्कोर बोर्ड नहीं कहा जाता है। इस स्कोर बोर्ड में दोनों टीम के खिलाड़ियों के नाम के साथ–साथ अंपायर के नाम भी लिखे जाते थे। इसके अलावा रन रेट और लाइव स्कोरिंग की सुविधा भी मौजूद थी। इसे संचालित करने के लिए करीब 80 लोगों की आवश्यकता पड़ती थी। ग्रीन पार्क में क्रिकेट प्रेमियों को यह आखिरी बार भारत बनाम इंग्लैंड के बीच हुए टी–20 मैच में देखने को मिला था। यह दुनिया का इकलौता व अनूठा मैनुअल स्कोर बोर्ड भी रहा। इसकी स्थापना वर्ष 1952 में हुई और पहली बार 12 से 17 दिसंबर 1957 को भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट मैच में इसका इस्तेमाल किया गया था। पूर्व स्कोरर सौरभ चतुर्वेदी के मुताबिक कम्प्यूटर की तरह काम करने वाले एकमात्र बचे इस बोर्ड में मैच के दौरान जिस खिलाड़ी के पास बॉल जाती थी, उस खिलाड़ी के नाम के आगे वाली लाइट जल जाती थी। आज स्कोर बोर्ड मैदान के एक कोने में कबाड़ की तरह छोड़ दिया गया। इस स्कोर बोर्ड का अंतिम बार प्रयोग 2017 में इंग्लैण्ड के खिलाफ टी–20 मुकाबले में किया गया था।

क्या जहीर की कमी पूरी कर पायेंगे यश

नई दिल्ली । युवा तेज गेंदबाज यश दयाल को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल ने पिछले कुछ समय में आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। माना जा रहा है कि यश के आने से पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान की कमी पूरी होगी। जहीर के संन्यास के बाद बांए हाथ के गेंदबाज के तौर पर जयदेव उनादकट और टी नटराजन आये पर ये दोनो कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाये इसलिए टीम में अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये। अब यश का चयन भारतीय टीम के गेंदबाजी आक्रमण में संभावित बदलाव का संकेत दे रहा है। दयाल का प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 24 मैचों में 28.89 की औसत से 76 विकेट हासिल किए हैं और हाल ही में दलीप ट्रॉफी में भी काफी अच्छी गेंदबाजी की। अब बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरु हो रहे पहले टेस्ट में यश को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। इसमें उन्हें जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी शुरु करने का अवसर मिलेगा। अब देखना है कि वह उम्मीदों पर कितने खरे उतरते हैं।

मोर्कल ने भारतीय क्रिकेट टीम के नए गेंदबाजी कोच के रूप में कार्यभार संभाला

चेन्नई, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।

मोर्न मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट सीरीज से ठीक पहले भारतीय टीम के साथ नये गेंदबाजी कोच के रूप में जुड़ गये हैं। भारतीय टीम को 17 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। मोर्कल को पारस म्हाम्ब्रे की जगह पर गेंदबाजी कोच बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर मोर्कल ने हाल ही में कहा था कि उन्हें भारतीय खाना भी पसंद है।

बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में मोर्कल ने भारतीय खाद्य पदार्थों के प्रति अपनी रुचि व्यक्ति करते हुए कहा, नाश्ते में मुझे थोड़ी सी पूड़ी पसंद है। डोसा और मुर्ग मलाई चिकन भी मेरे पसंदीदा व्यंजन हैं। एक कोच के रूप में यह दिखाना अहम है कि आप स्वस्थ खाना खाते हैं जिससे खिलाड़ी भी इस आदत को अपनाएं। मोर्कल ने भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर के साथ आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ काम किया है।

भारतीय टीम के साथ अपने नए कार्यकाल को लेकर मोर्कल ने कहा, मैं खिलाड़ियों को समझने की कोशिश कर रहा हूं, मेरा लक्ष्य उनके मजबूत और कमजोर पक्षों को जानना और ठीक करना है। मैं इस श्रृंखला के लिए उनके लक्ष्य तय करने में सहायता करना चाहता हूं। हमें बांग्लादेश के खिलाफ जीत की उम्मीद है और मैं अपने अनुभव को खिलाड़ियों के साथ बांटूगा। मोर्कल ने कहा कि भारतीय टीम का गेंदबाजी कोच बनकर वह बेहद खुश हैं और टीम को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देना चाहते हैं।

अब करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं नीरज

नई दिल्ली ।

स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा आज करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। नीरज ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक के बाद डायमंड लीग फाइनल में भी दूसरा स्थान हासिल किया। इससे उन्हें 10 लाख रुपए से ज्यादा की इनामी राशि मिली है। चार साल पहले टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद से ही नीरज की नेट वर्थ तेजी से बढ़ी है।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार उन्हें 30 लाख रुपये का मासिक वेतन मिलता है और उनकी वार्षिक आय 4 करोड़ रुपये है। वहीं विज्ञापन से होने वाली आय मिलाकर अब उनकी कुल संपत्ति 40 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गयी है। नीरत कई कंपनियों के ब्रांड से जुड़े हैं। इसमें जेएसडब्लयू ग्रुप, नोइस आदि हैं।

साल 2020 में टोक्यों में स्वर्ण जीतने के बाद उन्हें हरियाणा सरकार ने 6 करोड़ रुपये जबकि पंजाब सरकार से 2 करोड़ रुपये का इनाम दिया था।

टोक्यो ओलंपिक में जीत के बाद नीरज चोपड़ा को आनंद महिंद्रा से महिंद्रा एसयूवी 700 मिली थी। टॉप वेरिएंट की इस कार की कीमत तकरीबन 30 लाख रुपये के करीब हैं। इसके अलावा उनके पास रेंज रोवर स्पोर्ट्स है, जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये से अधिक है। उनके पास टोयोटा फॉर्च्यूनर, फोर्ड मस्टांग जीटी जैसी भी गाड़ियां है. जिसकी कीमत आसानी से 90 लाख रुपये के करीब है। इसके अलावा उनके पास 11 लाख से अधिक कीमत वाली हार्ले डेविडसन 1200 रोडस्टर बाइक भी है।

एशियाई महिला चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के लिए भारतीय टीम ने अभ्यास शुरू किया

नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसियां) ।

11 से 20 नवंबर तक बिहार के राजगीर स्टेडियम में होने वाली एशियाई महिला चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के लिए बेंगलुरु में भारतीय टीम का अभ्यास शिविर शुरु हो गया है। ये शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में 9अक्टूबर तक चलेगा। इस राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भारतीय टीम में शामिल 33 खिलाड़ी भाग ले रही हैं।

हॉकी इंडिया ने गत दिवस ही इस राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की थी।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने इस शिविर को लेकर कहा, ''राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हमारी तैयारियों को बेहतर करेगा।'' उन्होंने कहा, ''यह शिविर हमें उन क्षेत्रों पर काम करने का अवसर देगा जिनमें सुधार की जरुरत है। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार राजगीर में आयोजित की जाएगी। ऐसे में हमारी टीम के लिए घरेलू धरती पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का एक अच्छा अवसर है।''

उन्होंने कहा, ''हम अपने कौशल, फिटनेस, 'टीम वर्क' को आगे बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं।'' भारतीय महिला टीम ने पिछली बार एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023–24 सत्र में हिस्सा लिया था जिसमें उसने अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ब्रिटेन जैसी टीमों का सामना किया था।

मेरठ मावरिक्स ने कानपुर सुपरस्टार्स को हराकर यूपी टी20 लीग जीती

कप्तान माधव ने अंतिम ओवर में छक्का लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां) ।

कप्तान माधव कौशिक की आक्रामक बल्लेबाजी से मेरठ मावरिक्स ने कानपुर सुपरस्टार्स को फाइनल में 5 विकेट से हराकर पहली बार यूपी टी20 ट्रॉफी जीती है। मेरठ को अंतिम ओवर में जीत के लिए 8 रन बनाने थे और कप्तान माधव ने छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

मेरठ मावरिक्स ने इस मैच में कानपुर सुपरस्टार्स की ओर से रखे गए 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 ओवर और चार गेंदों में ही 196 रन बना दिये। कप्तान माधव ने नाबाद 69 रन बनाये जबकि स्वास्तिक चिकारा ने 62 रनों की पारी खेली। दिव्यांश राजपूत ने 24 रन बनाए जबकि रितिक वत्स 20 रन बनाकर नाबाद रहे। कानपुर की ओर से तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।.

कानपुर सुपरस्टार्स ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान समीर रिज्वी के 57 और शौर्य सिंह के 56 रनों की सहायता से 5 विकेट पर 190 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज शोएब सिद्दीकी ने 35 रन बनाये जबकि अंकुर मलिक 26 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं मेरठ मावरिक्स की ओर से यश गर्ग ने 4 ओवर में 47 रन देकर 3 विकेट लिए।

कोहली को चेतावनी दे स्टार्क ने कहा, मैं मुकाबले का पूरा लुत्फ उठाता हूं

नई दिल्ली । आस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने विराट कोहली के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता के बारे में खुलकर कहा है कि वह इस भारतीय बल्लेबाज के खिलाफ मुकाबले का पूरा लुत्फ उठाते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में यह दोनों क्रिकेटर एक बार फिर आमने–सामने आ रहे है। स्टार्क ने कहा कि मैं कोहली के साथ अपनी जंग का पूरा लुत्फ उठाता हूं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने एक–दूसरे के खिलाफ काफी क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि हम दोनों के बीच कुछ अच्छे मुकाबले हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में कोहली को केवल चार बार आउट किया है। जबकि भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज का तेज गेंदबाज के खिलाफ औसत 59 है, स्ट्राइक रेट 59.9 है। भारत ने अब ऑस्ट्रेलिया से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। यह श्रृंखला नवंबर, दिसंबर और जनवरी में खेली जाएगी और यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का भी हिस्सा होगी।

संपादकीय

जिद बड़ी या जिंदगी!

कोलकाता में डॉक्टर अब भी काम पर नहीं लौटे हैं। बंगाल सरकार ने संवाद और समझौते का जो प्रयास किया था, वह आंदोलनकारी डॉक्टरों की जिद ने नाकाम कर दिया। एक नाटकीय घटनाक्रम जरूर सामने आया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने, हाथ जोड़ कर, बंगाल की जनता से माफी मांगी है। यदि जनता चाहेगी, तो वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा तक देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि वह 'कुर्सी की भूखी' नहीं हैं, बल्कि न्याय की पक्षधर हैं। हालांकि रेप-मर्डर की शिकार डॉक्टर बिटिया के माता-पिता और आंदोलनकारी डॉक्टरों ने कभी भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग नहीं की। इसे विपक्षियों ने मुद्दा बनाकर राजनीति करने की कोशिशें की हैं। डॉक्टरों का न्याय अलग किस्म का है, ताकि डॉक्टर बिटिया की आत्मा को सुख, शांति मिल सके। डॉक्टर मुख्यमंत्री से संवाद करने सचिवालय गए थे। उनकी संख्या 32 बताई गई है, जबकि सरकार ने 15 डॉक्टरों को ही, प्रतिनिधि के तौर पर, आमंत्रित किया था। बहरहाल बंगाल सरकार ने उस संख्या को भी अनुमति दे दी। राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार डॉक्टरों को समझाते रहे कि विरोध-प्रदर्शन का यह सिलसिला टूटना क्यों जरूरी है? बातचीत का सीधा प्रसारण संभव नहीं है। अलबत्ता संवाद की रिकॉर्डिंग जरूर कराई जाएगी, लेकिन आक्रोशित डॉक्टर लगातार यह सवाल करते रहे कि सीधे प्रसारण से सरकार डरती क्यों है? डॉक्टर 'नबन्ना' सचिवालय के गलियारे तक तो पहुंच गए, लेकिन उस कक्ष के भीतर नहीं गए, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 2.10 घंटे से आंदोलनकारी डॉक्टरों की प्रतीक्षा कर रही थीं। नतीजतन संवाद का जो सेतु बनाया गया था, वह ढह गया। डॉक्टर लौट गए और धरना-स्थल पर जाकर बैठ गए। मुख्यमंत्री ने इस्तीफे तक की पेशकश की और बंगाल की जनता से माफी मांगी कि वह डॉक्टरों को ड्यूटी पर वापस लाने में नाकाम रहीं। यह ममता बनर्जी की 'भावुक राजनीति' भी हो सकती है, ताकि अधिकतर लोग उनसे नाराज न हों और समर्थन समाप्त करने पर आमादा न हो जाएं! बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में विपक्षी दल आक्रामक होकर विरोध-प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांग रहे हैं। डॉक्टर तो आंदोलित हैं ही, लेकिन उनके समर्थन में विभिन्न सामाजिक आंदोलन भी छिड़ गए हैं, लिहाजा राज्य में अराजकता की स्थिति है। सडक़ों पर भीड़ है, तो पुलिसकर्मी भी हैं। अदालतों में अलग केस चल रहे हैं। ममता की यह राजनीति आजमाई हुई है। बहरहाल डॉक्टरों का आंदोलन अब एक जिद का रूप धारण कर चुका है। सर्वोच्च अदालत ने उन्हें काम पर लौटने का समय दिया था, वह गुजर चुका है। शीर्ष अदालत डॉक्टरों के सरोकारों की लड़ाई लड़ रही है, लेकिन आंदोलनकारियों को भरोसा ही नहीं है। यह जिद ही नहीं, अवमानना भी है। डॉक्टर जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने लगे हैं, क्योंकि आरजी कर अस्पताल में इलाज न मिलने से अभी तक 27 लोगों की अकाल मौत हो चुकी है और 7 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। यकीनन डॉक्टर बिटिया के प्रसंग पर पूरा देश गुस्से में रहा है, क्षुब्ध रहा है, असंख्य विरोध-प्रदर्शन भी किए गए हैं। डॉक्टरों के साथ सहानुभूति है, संवेदना है, क्योंकि बिटिया चिकित्सकों की सुरक्षा वाकई चिंतित सरोकार है, लेकिन काम छोड़ कर आंदोलन ही जारी रखना या जुलूस निकालना अथवा डॉक्टर होकर धरने पर खाली बैठे रहना, दरअसल अपनी पेशेवर प्रतिबद्धता से मुंह मोडऩा है। डॉक्टर लोगों की बीमारियों के इलाज करते हुए भी विरोध जता सकते हैं। विरोध जताने के कई प्रतीक होते हैं। डॉक्टर बाजू पर काली पट्टी बांध कर भी, काम करते हुए, अपना विरोध जता सकते हैं। हालांकि सर्वोच्च अदालत आंदोलनकारी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति सरकार को दे चुकी है, लेकिन बंगाल सरकार अब भी विनम्र है, क्योंकि सरकार को कई तरह के विरोध बर्दाश्त भी करने पड़ते हैं। आंदोलन के 33 दिन बीत चुके हैं। सीबीआई ने कुछ महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां भी की हैं। जांच के निष्कर्षों तक भी पहुंच रही है। ऐसे इंसाफ चुटकी बजा कर नहीं दिए जा सकते। कानून और अदालत की अपनी प्रक्रिया है।

> बंगाल सरकार ने संवाद और समझौते का जो प्रयास किया था, वह आंदोलनकारी डॉक्टरों की जिद ने नाकाम कर दिया। एक नाटकीय घटनाक्रम जरूर सामने आया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने, हाथ जोड़ कर, बंगाल की जनता से माफी मांगी है। यदि जनता चाहेगी, तो वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा तक देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि वह 'कुर्सी की भूखी' नहीं हैं, बल्कि न्याय की पक्षधर हैं। हालांकि रेप-मर्डर की शिकार डॉक्टर बिटिया के माता-पिता और आंदोलनकारी डॉक्टरों ने कभी भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग नहीं की। इसे विपक्षियों ने मुद्दा बनाकर राजनीति करने की कोशिशें की हैं। डॉक्टरों का न्याय अलग किस्म का है, ताकि डॉक्टर बिटिया की आत्मा को सुख, शांति मिल सके। डॉक्टर मुख्यमंत्री से संवाद करने सचिवालय गए थे। उनकी संख्या 32 बताई गई है, जबकि सरकार ने 15 डॉक्टरों को ही, प्रतिनिधि के तौर पर, आमंत्रित किया था।

उत्तरी अमरीका की सरकारें इन सभी भारत विरोधी शक्तियों को प्रत्यक्ष-परोक्ष सहायता देती हैं

राहुल गांधी की सत्ता के लिए व्यग्रता और नेहरु

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

इस बार राहुल गान्धी भारत के प्रधानमंत्री बनना चाहते थे। इस वाक्य को एक दूसरे प्रकार से भी कहा जा सकता है कि इस बार कुछ देशी-विदेशी शक्तियां राहुल गान्धी को आगे करके, उनकी आड़ में अपनी व्यक्तिगत या अन्य प्रकार की स्वार्थ सिद्धि प्राप्त करना चाहती थीं। इसके लिए उन सब ने मिल कर पूरा जोर भी लगाया। लेकिन दुर्भाग्य से उनकी योजना या इच्छा पूरी नहीं हुई। वैसे केवल स्पष्टीकरण के लिए राहुल गान्धी को प्रधानमंत्री बनाने के पीछे देशी और विदेशी ताकतों का उद्देश्य अलग भी होता है। देशी शक्तियां या फिर वे लोग जो राहुल गान्धी को घेरे हुए हैं, उनका स्वार्थ तो ज्यादा से ज्यादा उतना ही होता है कि राहुल प्रधानमंत्री होंगे तो सत्ता में कुछ हिस्सा उनको भी नसीब होगा। इसलिए इसको व्यक्तिगत स्वार्थ ही कहा जा सकता है। लेकिन विदेशी शक्तियों का मामला दूसरा है। उन्होंने भारत में सत्ता प्राप्त नहीं करनी, लेकिन उन्हें भारत को कमजोर करना है ताकि वह विश्व राजनीति और सभ्यताओं के संघर्ष में झांकने की भी हिम्मत न करे। इसके लिए अमरीका व कनाडा सरकार पिछले कुछ दशकों से कार्यरत हैं। इन दोनों देशों में पंजाब के कुछ लोगों को भारत के खिलाफ संगठित किया जा रहा है। भारतीय दूतावासों पर हमले होते हैं। इंदिरा गान्धी के हत्यारों को महिमामंडित करते हुए सार्वजनिक झांकियां निकाली जाती हैं। भारत को तोडऩे के संकल्प लिए जाते हैं। उत्तरी अमरीका की सरकारें इन सभी भारत विरोधी शक्तियों को प्रत्यक्ष-परोक्ष सहायता देती हैं। उत्तरी अमरीका के इन देनों देशों की सांस्कृतिक, मज़हबी और राजनीतक पूंछ इंग्लैंड से जुड़ी रहती है, क्योंकि ब्रिटिश उपनिवेशों को संगठित करके ही इन देशों का गठन हुआ था।

> भारत में सत्ता प्राप्त नहीं करनी, लेकिन उन्हें भारत को कमजोर करना है ताकि वह विश्व राजनीति और सभ्यताओं के संघर्ष में झांकने की भी हिम्मत न करे। इसके लिए अमरीका व कनाडा सरकार पिछले कुछ दशकों से कार्यरत हैं। इन दोनों देशों में पंजाब के कुछ लोगों को भारत के खिलाफ संगठित किया जा रहा है। भारतीय दूतावासों पर हमले होते हैं। इंदिरा गान्धी के हत्यारों को महिमामंडित करते हुए सार्वजनिक झांकियां निकाली जाती हैं।

अपने समय में इंग्लैंड सरकार भी, देश छोडऩे से पहले भारत को विभाजित करने वाली ताकतों को संगठित कर रही थी। इसके लिए मोहम्मद अली जिन्ना उसके मोहरे बने हुए थे। लेकिन ब्रिटिश सरकार जानती थी कि कांग्रेस को विश्वास में लिए बिना देश को विभाजित नहीं किया जा सकता। अन्ततः कांग्रेस इंग्लैंड के माऊंटबेटन और श्रीमती माऊंटबेटन के चंगुल में फंस ही गई और उसने बाकायदा दिल्ली में पार्टी की विशेष बैठक बुला कर 14 जून 1947 को भारत विभाजन का प्रस्ताव पारित किया। उस समय पंडित जवाहर लाल नेहरु की उम्र 57 साल के आसपास

थी। बहुत से इतिहासकार आज भी इस रहस्य को सुलझाने की कोशिश करते रहते हैं कि आखिर खान अब्दुल खान के सख्त विरोध के बावजूद नेहरु भारत विभाजन के पक्ष में कैसे खड़े हो गए? इसका उत्तर नेहरु ने स्वयं ही परोक्ष रूप से दिया है। उनका कहना था कि यदि हम भारत विभाजन के लिए सहमत न होते तो बीस-पच्चीस साल तक और संघर्ष करना पड़ता, जेलों में जाना पड़ता, लेकिन हमारी उम्र इतनी हो गई थी कि इतने लम्बे काल तक संघर्ष करना सम्भव नहीं था। यानी तब तक नेहरु की उम्र लगभग 90 साल की हो जाती। देश बंटने से भी बच जाता और आजाद भी हो जाता, लेकिन 90 साल की उम्र में देश के प्रधानमंत्री नेहरु न हो पाते, कोई दूसरा कांग्रेसी होता, यह नेहरु को स्वीकार नहीं था। इसलिए उन्होंने सत्ता की खातिर देश विभाजन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। बाबा साहिब अंबेडकर कांग्रेस की या नेहरु की इस मंशा को शुरू में ही समझ गए थे, इसलिए उन्होंने दशकों पहले कह दिया था कि कांग्रेस देश की आजादी के लिए नहीं, बल्कि सत्ता के लिए लड़ रही है। लगता है इतिहास आज फिर अपने आपको दोहराता हुआ उसी मोड़ पर पहुंच गया है। 2004 के आम चुनाव में भाजपा की पराजय हुई और कांग्रेस ने डा. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार बनाई। वे 2014 तक प्रधानमंत्री रहे। कहा जाता है, उनकी सरकार में सत्ता व नीति के सूत्र सोनिया माईनो गान्धी के पास रहते थे।

जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने, उस समय राहुल गान्धी की उम्र 32-33 साल के आसपास थी। तब इस राज परिवार को स्वयं ही लगा होगा कि इतनी कम उम्र में भारत जैसे विशाल देश का प्रधानमंत्री बनना राहुल गान्धी के लिए सम्भव नहीं होगा। इटली होता तो अलग बात थी। उसके बाद मौका 2009 में आया। उस समय राहुल भी 37 साल के हो गए, लेकिन यह उम्र भी कम ही थी। इसलिए मनमोहन सिंह को ही प्रधानमंत्री बनाए रखना श्रेयस्कर माना गया। उस समय मनमोहन सिंह ने कहा भी था कि फिलहाल राहुल गान्धी मंत्रीपद ले लें ताकि उन्हें प्रशासन का अनुभव भी हो जाए। लेकिन मंत्री बनना शायद इस परिवार को अपमानजनक लगा होगा। मनमोहन सिंह जी ने तो यहां तक भी कह दिया था कि जब मुझे कहा जाएगा, मैं राहुल गांधी के लिए प्रधानमंत्री का पद छोड़ दूंगा। लेकिन मात्र 37 साल की उम्र आड़े आ रही थी। इस राज परिवार का दुर्भाग्य ही कहना चाहिए कि जब राज परिवार को लगा कि 2014 में राहुल गान्धी 44 साल के वयस्क हो जाएंगे और प्रधानमंत्री पद पर उनकी ताजपोशी कर दी जाएगी (उनके पिता 40 साल की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे), तब भारत ने भाजपा को जिता ही नहीं दिया, कांग्रेस को 543 सीटों वाली लोकसभा में महज 44 सीटों पर पहुंचा दिया। लेकिन तभी से राज परिवार किसी भी तरह देश की सत्ता पर कब्जे के लिए व्यग्र हो गया।

वर्ष 2019 में राहुल गान्धी की उम्र पचास के आसपास पहुंच गई, लेकिन लोकसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 44 से बढ़ कर पचास-पचपन से ज्यादा नहीं बढ़ पाई। वर्ष 2024 तक आते-आते राज परिवार की सत्ता प्राप्ति के लिए व्याकुलता इतनी बढ़ी की मुस्लिम लीग तक से समझौता कर लिया। केजरीवाल तक को नमन किया। राहुल गान्धी की उम्र पचपन को छू गई, लेकिन कांग्रेस सांसदों की संख्या सौ को नहीं छू पाई। इतिहास 1947 के मोड़ पर ही पहुंच गया है। उस वक्त पंडित जवाहर लाल नेहरु की उम्र 57 साल की थी और उन्होंने प्रधानमंत्री बनने के लिए लार्ड माऊंटबेटन और श्रीमती माऊंटबेटन के मोहरे बन कर देश विभाजन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया था। अब उन्हीं के वंशज राहुल गान्धी उम्र के उसी मोड़ पर पहुंच गए हैं। वर्ष 2029 को जब अगले लोकसभा चुनाव होंगे, तो उनकी उम्र साठ साल के आसपास हो जाएगी। राज परिवार में भूकम्प आ रहा है। कांग्रेस के राजकुमार राहुल गान्धी अमरीका जाकर सिखों को बता रहे हैं कि भारत में उनकी पगड़ी, कड़ा और गुरुद्वारा संकट में हैं। भारत को तोडऩे वाली तमाम देशी-विदेशी ताकतों ने राहुल के इस कथन को उदाहरण बना लिया है।

दृष्टि कोण

सिखों की सहानुभूति पाने के प्रयास में राहुल

लगातार तीन बार लोकसभा चुनावों में हार के बावजूद कांग्रेस का अल्पसंख्यकों के प्रति मोह कम नहीं हुआ है। कांग्रेस ने लोकसभा सहित चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन में करारी शिकस्त खाने के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस बयानों के जरिए यह साबित करने पर तुली हुई कि वह सही मायने में अल्पसंख्यकों की खैरख्वाह है। ऐसी राजनीति की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी है। दो दशक पहले तक दबे-छिपे तरीके से हिंदुओं की बात करने वाली भाजपा खुल कर सामने आ गई। इससे देश में हिंदू-मुस्लिम मतदाताओं का स्पष्ट ध्रुवीकरण नजर आता है। अल्पसंख्यकों की हितैषी साबित करने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमरीका में सिक्खों की भारत में सुरक्षा को लेकर बयान देकर संगठन को मुश्किल में डाल दिया। पहले मुसलमानों और अब सिक्खों को लेकर दिए गए बयान से कांग्रेस भाजपा के निशाने पर आ गई। राहुल गांधी के बयान से खालिस्तान की मांग करने वाले पृथकतावादी संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू को जहर उगलने का मौका मिल गया। राहुल गांधी ने कहा था कि वो अल्पसंख्यकों को उनका हक दिलाने और उनको बेखौफ होकर जीने की आजादी दिलाने के लिए लड़ रहे हैं। उनकी लड़ाई इस बात से है कि भारत में सिखों को पगड़ी बांधने में डर न लगे, कड़ा पहनने से कोई न रोके, वे गुरुद्वारों में बेखौफ होकर जा सकें। इसके बाद खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी के बयान को बिल्कुल सही बताया। जो बात राहुल गांधी कह रहे हैं, वो बात पन्नू भी मानता है। राहुल और उसकी लाइन एक है। राहुल गांधी की खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने तारीफ कर दी। पन्नू ने एक बयान जारी करके कहा कि राहुल गांधी ने सिखों के बारे में जो कुछ बोला, उसमें खालिस्तान समर्थक संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' की बात का समर्थन है। बड़ी बात यह है कि राहुल गांधी की बात को उस सिख नौजवान भलिंदर सिंह ने भी गलत बताया जिसका नाम पूछ कर वॉशिंगटन में राहुल ने भारत में सिखों की स्थिति के बारे में गलतबयानी की थी। भलिंदर सिंह विरमानी ने खुद सोशल मीडिया पर अपना वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने उनका नाम पूछकर सिखों को लेकर जो कमेंट किया, वो पूरी तरह गलत था। भलिंदर सिंह ने कहा कि वो खुद भारतीय हैं, कुछ दिनों के लिए अमरीका आए हैं। उन्होंने भारत में कभी नहीं देखा कि किसी सिख को पगड़ी पहनने या कड़ा पहनने से रोका गया हो या किसी को गुरुद्वारे जाने में कोई दिक्कत हुई हो। देश में सिक्खों को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर की सर्वे रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई थी। प्यू रिसर्च सेंटर ने यह सर्वे 2019 से 2020 के बीच कराया था। इस सर्वे में महज 14 फीसदी सिखों ने ही माना था कि भारत में सिखों के साथ भेदभाव होता है। मगर अधिकतर सिखों का मानना था कि उन्हें भारत में कोई भेदभाव नहीं दिखता। इस रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 फीसदी सिख खुद को भारतीय होने पर बहुत गर्व करते हैं। इतना ही नहीं, बहुमत यानी 70 फीसदी सिखों का मानना है कि जो व्यक्ति भारत का अनादर करता है, वो सिख हो ही नहीं सकता। वॉशिंगटन डीसी में राहुल गांधी ने दुनिया भर में भारत विरोधी प्रचार करने वाली अमरीकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात की। इल्हान उमर डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता है। वो खुले तौर पर पाकिस्तान की हिमायती है और हर मंच पर भारत का विरोध करती है। राहुल गांधी अमरीकी सांसदों के जिस प्रतिनिधिमंडल से मिले, उसमें इल्हान उमर को खास तौर पर बुलाया गया था। इल्हान उमर वही है, जिसने 2022 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जाकर कहा था कि कश्मीर पर भारत का कोई हक नहीं है, भारत को कश्मीर छोडऩा ही पड़ेगा। जून 2023 में इल्हान उमर अमरीका की संसद में भारत के खिलाफ एक प्रस्ताव लेकर आई थी, जिसमें अमरीकी विदेश मंत्रालय से अपील की गई थी कि वह भारत को एक ऐसा देश घोषित करे जहां पर धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन होता है, जहां मुसलमान सुरक्षित नहीं हैं। कांग्रेस के नेताओं के पास इस बात का भी जवाब नहीं है कि राहुल गांधी पाकिस्तान समर्थक इल्हान उमर से क्यों मिले। इल्हान तो हमेशा से भारत के खिलाफ रही है।

कुछ अलग

लो जी रिश्वत स्थगित!

रिश्वत बुरी बला है। लेनी और देनी नहीं चाहिए। यानी सार्वजनिक रूप से रिश्वत का आदान-प्रदान नहीं होना चाहिए। रोशनी में तो बिल्कुल नहीं होना चाहिए। इससे साख प्रभावित होती है। लेकिन सूर्य छिपने के बाद अंधेरे में अगर कोई ब्रीफकेस में नोट दे भी जाता है तो समझ लेना चाहिए कि लक्ष्मी खुद चलकर आई हैं। लक्ष्मी का निरादर नहीं होना चाहिए। लक्ष्मी जी दिन को बिजी होती हैं। रात को अपने वाहन पर सवार होकर निकलती हैं। उनका वाहन उल्लू रहता है। अब उल्लू के मूड पर डिपेंड करता है कि वह उन्हें कहां लेकर जाएगा। कई बार उल्लू भी भ्रमित हो जाता है और वह अपनी बातों में झांसे में लेकर लक्ष्मी जी को नेताओं, धन्नासेठों, तस्करों, माफियाओं की कोठी पर ले जाता है। यह सब कुछ अंधेरे में होता है, इसलिए दुनिया वालों को पता नहीं चलता। जैसे नेताओं के कारनामे कई बार पब्लिक को पता नहीं होते, लेकिन सीबीआई को पता चल जाते हैं। सीबीआई अंधेरे में भी तीर मार लेती है। इसलिए करनामे बेनकाब हो जाते हैं। सीबीआई और ईडी आजकल बहुत बिजी चल रही हैं। इसलिए न तो उन पर चर्चा करेंगे, न लक्ष्मी जी पर चर्चा करेंगे और न ही उल्लू पर चर्चा करेंगे। चर्चा सिर्फ रिश्वत पर होगी। और रिश्वत बुरी बला है। इससे साख दांव पर लग जाती है। साख यानी इमेज पर धब्बा नहीं लगना चाहिए, इसलिए नेताजी ने डिसाइड किया है कि 2 महीने तक रिश्वत स्थगित की जाएगी। कोई देने आएगा तो भी नहीं ली जाएगी। नेताजी ने इस बारे में बयान भी दे दिया है। बयान छप भी गया है और पब्लिक को पता भी चल गया है। पब्लिक में चर्चा शुरू हो गई है कि रिश्वत पर अब नकेल कसी जाएगी। लेकिन पब्लिक में कुछ नेगेटिव किस्म के लोग भी होते हैं। उनमें से एक कह रहा है कि रिश्वत पर लगाम नहीं लगी है, बल्कि दो महीने के लिए स्थगित की गई है। यानी 2 महीने बिल्कुल रिश्वत नहीं ली जाएगी और उसके बाद एक साथ ले ली जाएगी, ताकि रिश्वत की आत्मा को ठेस न पहुंचे। एक और नेगेटिव किस्म का व्यक्ति कह रहा है कि महंगाई और अपनी नाकामियों से पब्लिक का ध्यान हटाने के लिए नेताजी ने ऐसी घोषणा की है। रिश्वत का वजूद पहले भी था और बाद में भी रहेगा। क्योंकि खर्च पानी इसी से चलते हैं। इसी पैसे से चुनाव लड़े जाते हैं। इसी पैसे से बेनामी संपत्तियां बनाई जाती हैं। इसी पैसे से नेताओं की पत्नियां अपने शाही शौक पूरे करती हैं। विदेश यात्राएं करती हैं। महंगे महंगे होटलों में जाकर किटी पार्टियां करती हैं। रिश्वत तो परमोधर्मा है। यह अजर और अमर है। तीसरा नेगेटिव किस्म का व्यक्ति दलील दे रहा है कि अब नेताजी और भी कडक़ फैसले लेंगे। अपने विरोधियों को अंदर ठोक देंगे। कर्मचारियों के वेतन-भत्ते बंद कर देंगे। आर्थिक इमरजेंसी घोषित कर देंगे। हड़ताल, धरना, प्रदर्शन पर रोक लगा देंगे। यह तो अभी शुरुआत है। आगे आगे देखिए होता है क्या। इब्तदाय इश्क है रोता है क्या। उसकी बात काटते हुए एक कट्टर समर्थक कहता है, नेताजी के हर कडक़ फैसले को राजनीति के चश्मे से देखना बंद कीजिए। ऐसे फैसले हर कोई नेता नहीं ले सकता। हमारा नेता अलग ही मिट्टी का बना हुआ है। उस मिट्टी को हमें नमन करना चाहिए। नेताजी की लंबी आयु और लंबे शासन की कामना करनी चाहिए। अभी तो रिश्वत पर ही फैसला हुआ है। आने वाले दिनों में पब्लिक को भी कडक़ फैसलों के लिए और कुर्बानी देने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए कुर्बानी जरूरी है। यह कुर्बानी नेताजी को नहीं, बल्कि पब्लिक को देनी चाहिए। नेताजी तो लोकतंत्र के प्रहरी हैं। सिंहासन पर बैठकर लोकतंत्र की रक्षा कर रहे हैं।

> 1912 में प्रख्यात आलोचक व निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने यह बात कही थी। उदारवाद का बिगुल फूंकते बहुतेरे टीवी चैनल आ गए। अखबार रंगीन और चिकने पन्ने वाले हुए और ग्लोबलिस्टों की नई-नई टुकडिय़ां उनके संपादकीय पन्नों पर कब्जा करने लगीं। खुले दरवाजे पर तोरण की मानिंद लटकते पिंजरों में बैठे तोतों की तरह वे सुबह से शाम तक यह बताने लगे कि इस देश को 21वीं सदी में ले जाने के लिए हिंदी असमर्थ है। यह कठिन और दुरुह है। हिंदी को बिना शोध के टेक्नोफ्रेंडली से दूर किया गया। नतीजतन, धड़ाधड़ हिंदी के स्थापित और प्रचलित शब्दों को, जो संप्रेष्य थे, अपदस्थ कर उनकी जगह अंग्रेजी के शब्दों का उपयोग समाचारपत्रों में होने लगा। देशहित में हिंदी के विस्थापन को नए चिंतकों ने अनिवार्य मान लिया। अंग्रेजी के तीसरे दर्जे के कथित विद्वानों-लेखकों को हिंदी मीडिया में घर कर गई पूर्वाग्रह को दूर करने के लिए जगह दी जाने लगी।

देश दुनिया से

हिंदी पर बाजार का कब्जा

भाषा ही किसी जाति की सभ्यता को सबसे अलग झलकाती है, यही उसके हृदय के भीतरी कल-पुर्जे का पता देती है। किसी जाति को अशक्त करने का सबसे सहज उपाय उसकी भाषा को नष्ट करना है।' 1912 में प्रख्यात आलोचक व निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने यह बात कही थी। उदारवाद का बिगुल फूंकते बहुतेरे टीवी चैनल आ गए। अखबार रंगीन और चिकने पन्ने वाले हुए और ग्लोबलिस्टों की नई-नई टुकडिय़ां उनके संपादकीय पन्नों पर कब्जा करने लगीं। खुले दरवाजे पर तोरण की मानिंद लटकते पिंजरों में बैठे तोतों की तरह वे सुबह से शाम तक यह बताने लगे कि इस देश को 21वीं सदी में ले जाने के लिए हिंदी असमर्थ है। यह कठिन और दुरुह है। हिंदी को बिना शोध के टेक्नोफ्रेंडली से दूर किया गया। नतीजतन, धड़ाधड़ हिंदी के स्थापित और प्रचलित शब्दों को, जो संप्रेष्य थे, अपदस्थ कर उनकी जगह अंग्रेजी के शब्दों का उपयोग समाचारपत्रों में होने लगा। देशहित में हिंदी के विस्थापन को नए चिंतकों ने अनिवार्य मान लिया। अंग्रेजी के तीसरे दर्जे के कथित विद्वानों-लेखकों को हिंदी मीडिया में घर कर गई पूर्वाग्रह को दूर करने के लिए जगह दी जाने लगी। विभिन्न संस्थानों के सीईओ, एमडी आदि पदधारियों से सौदेबाजी के लिए उनके लेख/इंटरव्यू छापे जाने लगे। अब यह होड़ हिंदी चैनलों में ही है। भाषा-संहार पर सभी मूक-बधिर बन गए। वस्तुतः किसी भी भाषा को खत्म करने के लिए पहले उसे कठिन बताओ, फिर उसका उपहास करो और अंत में उसे अनुपयोगी घोषित कर दो, ताकि वह अपने आप ही मर जाए। कोई भी भाषा केवल अपने साहित्य के दम पर जिंदा नहीं रह सकती। यह जरूरी है कि ये भाषाएं साहित्य-संस्कृति के साथ-साथ रोजगार की भी भाषाएं बनें। बाजार अपने राजनीतिक ताने-बाने के साथ अपना शब्द भंडार, शब्दावलियां और भाषिक प्रभुत्व भी बनाता है। इंग्लैंड में अंग्रेजी से पहले भी कई भाषाएं थीं और उनका साहित्य था। अंग्रेजी ने अन्य भाषाओं को दबा कर अपना प्रभुत्व इंग्लैंड में और कालांतर में उपनिवेशीकरण के जरिये दुनिया के दूसरे देशों को बढ़ाया। धीरे-धीरे अंग्रेजीकरण और ज्ञान प्रक्रिया का आधुनिकीकरण एक-दूसरे के पर्याप्त समझ लिए गए। विदित है कि हिंदी पहले बुद्धिवाद और समावेशी राष्ट्रवाद की वाहक मानी जाती थी, जो आज भी है, किन्तु बाजार ने इसे कहीं का नहीं रहने दिया। इसके सटीक उदाहरण आध्यात्मिक बाजार, मल्टी प्लेक्स और क्रिकेट के मैदान में दिख रहे हैं। क्या अंग्रेजी अपनाने से ही ज्ञान या सोच की प्रक्रिया आधुनिक हो जाएगी? उल्लेखनीय है कि एक उत्तर-औपनिवेशिक मामला भाषा, साहित्य और संस्कृति में अस्मिता की राजनीति का है। विडंबना है कि हम टेक्नोलोजी और आधुनिकीकरण के जितने शिखर पर चढ़ते जा रहे हैं, सामाजिक विविधता उतनी ही तेजी से सामाजिक भिन्नता में बदलती जा रही है। इसी कारण सांस्कृतिक हाहाकार मच रहा है। प्रतिरोध के दृश्य दिख रहे हैं। आज समाज को जो पीढियां नेतृत्व दे रही हैं, उनकी नैतिक गड़बडियों के मूल में कहीं भाषा के प्रति उनकी असावधानी और गैर जिम्मेदाराना सलूक तो नहीं है। कभी हिंदी का जन्म बाजार में हुआ था, बाजार में ही उसका विकास हुआ, पर आज बाजार ही उसे तहस-नहस कर रहा है। इसलिए, इसका विकास व भविष्य बाजार के हाथ में है। शिक्षा के बाजारीकरण ने रही-सही कसर भी पूरी कर दी। अंग्रेजी ने तो आधुनिकता का अर्थ संकुचित कर दिया है, जबकि लंबे काल खंड से हिंदी आधुनिकता को व्यापकता प्रदान करते आया है। दुखद पहलू है कि विश्व-बोध के लिए ग्लोबल होना आवश्यक है, जिसमें बाधक राष्ट्र है। एक अफसर ने तो यह कह कर चौंका दिया कि भारतीय भाषाएं अवधारणात्मक चिंतन के लिए अंग्रेजी की तुलना में उतनी योग्य नहीं हैं। हिंदी केवल भाषा ही नहीं, यह भारत की स्वत्व, अस्मिता और संस्कृति की भी प्रतीक है। समाज में चेतना जागरण, देशभक्ति का भाव, अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों का ज्ञान भाषा के माध्यम से ही किया जा सकता है। आज भी हिंदी ही हम सबको एकता के सूत्र में बांध सकती है और समाज तथा राष्ट्र को समृद्धशाली बना सकती है। दुनिया में महाशक्ति का दर्जा पाने वाले देशों की अदालतों में मातृभाषा को अपनाया जाता है। फ्रांस ने 1539 में लैटिन को अपनी अदालतों से बेदखल किया था। जर्मनी ने 18वीं सदी में लैटिन से पिंड छुड़ा लिया। इंग्लैंड की अदालतों में एक समय जर्मन और फ्रेंच का बोलबाला था। रूस, चीन, जापान, वियतनाम, क्यूबा आदि में मातृभाषा का प्रयोग होता है। राष्ट्रीय अस्मिता, बाजार की मांग और पाठकों की पसंद को ही हिंदी पत्रकारिता की नियति मनाने वाले लोग इसको हिंदी की प्रगति के लिए सबसे बड़ा कदम मानते हैं।

आप का नजरिया

ये बैरिकेड क्यों टूटे

पौंग गोविंद सागर और कोल डैम में डूबे अब एक मस्जिद के सामने अपनी संवेदना, अपना उबाल प्रकट करने लगे हैं। अब मामला अतिक्रमण से ऊपर कानून के मजहब से और भी ऊपर जा पहुंचा है और जहां एक अवांछित कुरुक्षेत्र संजौली की छाती पर छेद कर गया। यह नजारा किसके मनमाफिक रहा और किसे डरा गया। क्या चोट खाए अमन के लिए पुलिस कर्मियों का घायल होना सबूत नहीं कि कहीं आपसी वैमनस्य के पेड़ हरे हो रहे हैं या कसूर उस बैरिकेड का जो जनाक्रोश की आंधी से टूट गया और हारा तो वहां वो मुसाफिर भी, जो ईंट और पत्थरों के बीच फंसे गारे में पल भर के लिए धंस गया। हमने इस बहाने कुछ बीज बो दिए। कल ये उगेंगे और इस तरह नफरत के बीज फैलेंगे इस धरती पर इससे जो पहले कभी लाल न थी। मसले के कारण अनेक हो सकते हैं, शंकाओं के बादल अनेक हो सकते हैं, लेकिन इस दौर तक हम कैसे पहुंचे, यह देखना होगा। इन अवैध मंजिलों के वारिस वे भी हैं, जो व्यवस्था में रह कर व्यवस्था को कुतर रहे हैं। ये सारी दीवारें मौजूदा सरकार में नहीं चढ़ीं और न ही इसके विरोध में खड़े सभी लोग केवल धार्मिक संगठन थे, लेकिन दरारों पर पांव रखकर हम ऐसे मुद्दों के प्रति न्याय नहीं कर सकते। मस्जिद की फाइल पूर्व की कई सरकारों की शिकायत कर रही है, लेकिन अब बुधवार के घटनाक्रम ने बता दिया कि कब और किस मंजिल पर बैरिकेड टूट सकते हैं। विरोध, व्यवस्था, कानून और समाज के बीच खड़ी मस्जिद न तो यहां धर्म की प्रतीक बन कर लड़ाई का सबब बन सकती और न ही यह धार्मिक युद्ध क्षेत्र होना चाहिए। दरअसल मस्जिद का अवैध, अवांछित और गैर जरूरी विस्तार आंखों में धूल झौंकता रहा है, लेकिन मजहब की लाल आंखें हमारी परंपराओं से परे हैं। विरोध में समूह भी है और समुदाय भी। समूह यह देख रहा है कि कौन धोखा-कौन फरेब कर रहा है और समुदाय यह देख रहा है कि संप्रदाय क्या कर सकता है या कर चुका है। इन दोनों ही परिस्थितियों के बीच सरकार की भूमिका अहम हो जाती है। जाहिर है सियासत के अपने पैमाने हैं और ये बार-बार हिमाचल को उद्वेलित कर रहे हैं। बाबरी मस्जिद विध्वंस में हिमाचल की शांता कुमार सरकार को भले ही कुर्बान होना पड़ा था, लेकिन यहां के हिंदू बहुसंख्यक समाज ने धर्म के आधार पर इस हुकूमत की वापसी नहीं होने दी थी। बहरहाल अब सियासत का परिदृश्य पहले जैसा नहीं रहा और न ही राष्ट्रीय उद्बोधन। देश में बहुसंख्यकवाद के अलख जिस माहौल को जागृत कर रहे हैं, वहां समुदायों के बीच संवाद की गुंजाइश कम होती जा रही है और इसकी गूंज सोशल मीडिया के हर दायरे में परवान चढ़ चुकी है। इसी परिप्रेक्ष्य में संजौली का सैलाब केवल एक दिन की घटना नहीं, बल्कि आने वाले घटनाक्रम को आहूत कर रहा है। कुछ धार्मिक पहचान के शूल आंखों में खटक रहे हैं, तो नए मुद्दों के समीकरण प्रदेश की व्यापारिक गतिविधियों में भी देखे जा रहे हैं। मस्जिद एक पूजास्थल से आगे बढ़ कर अगर किसी शक्ति को प्रमाणित कर रही है या हर मंजिल पर चढ़ता सरिया प्रायोजित हो रहा है, तो परिवेश की चिंताओं को सुलगाने में एक तीर ही काफी है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

बीते सप्ताह ज्यादातर तेल–तिलहन में सुधार, मूंगफली में गिरावट

नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसियां) । केंद्र सरकार द्वारा बीते सप्ताह खाने के तेलों का आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद देश के खाद्य तेल–तिलहन बाजार में अधिकांश तेल–तिलहनों के भाव सुधार के साथ बंद हुए। वहीं दाम ऊंचा रहने के कारण कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल–तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। खाद्य तेलों के आयात शुल्क में वृद्धि किये जाने का कोई विशेष असर देशी तेल–तिलहनों पर नहीं दिखा। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 300 रुपये बढ़कर 6,600-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 1,225 रुपये बढ़कर 13,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 125-125 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 2,135-2,235 रुपये और 2,135-2,250 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 180-135 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 4,900-4,950 रुपये प्रति क्विंटल और 4,675-4,810 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 1,235 रुपये, 1,525 रुपये बढ़कर क्रमशः 11,850 रुपये, 11,750 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर सोयाबीन डीगम तेल का भाव 250 रुपये की गिरावट दर्शाता 8,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तेल–तिलहन कीमतों में भी गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 225 रुपये की गिरावट के साथ 6,475-6,750 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 475 रुपये की गिरावट के साथ 11,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,310-2,610 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देश के लिए ...

2020 में जो बाइडेन के चुनाव के बाद से ही अमेरिकी डीप स्टेट भारत को अस्थिर करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश कर रहा है। वाशिंगटन का मानना है कि मोदी के सत्ता में रहते हुए अमेरिका भारत में अपना आधिपत्य नहीं बढ़ा सकता। भारत में 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान, डोनाल्ड लू और उनकी टीम ने भारत का दौरा किया, लेकिन संदिग्ध रूप से नई दिल्ली के बजाय तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में उतरे। तमिलनाडु द्रविड़ राजनीति के गढ़ के रूप में जाना जाता है और वह एक ऐसा गढ़ है जहां भाजपा स्पष्ट रूप से कमजोर है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) पार्टी के नेता वर्षों से द्रविड़–नाडु नाम से एक अलग राष्ट्र की विवादास्पद मांग उठा रहे हैं। तमिलनाडु की यात्रा के दौरान डोनाल्ड लू ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि उन्होंने चेन्नई का दौरा दक्षिण भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए किया था, जिससे डीएमके पार्टी नेताओं के अलगाववादी एजेंडे को बढ़ावा देने का इरादा जाहिर होता है।

भारत को अस्थिर करने की बाइडेन प्रशासन की साजिश के पीछे एक प्रमुख कारण यह है कि 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था साल दर साल मजबूत होती जा रही है। साथ ही, देश वैश्विक भू–राजनीति में एक प्रभावशाली खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। भारत की निरंतर प्रगति से पता चलता है कि अगले दशक के भीतर, यह वैश्विक दक्षिण के देशों में पश्चिमी हस्तक्षेप को सीमित करते हुए एक प्रमुख वैश्विक शक्ति बन सकता है। 2023 में राउल विंसी (राहुल गांधी) ने व्हाइट हाउस में एक गुप्त बैठक की, जहां उन्होंने डोनाल्ड लू और बाइडेन प्रशासन के अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान, राहुल गांधी ने भारत में लोकतंत्र बहाल करने के लिए विदेशी हस्तक्षेप की मांग की और भारत के खिलाफ कई विवादास्पद टिप्पणियां कीं। राहुल ने कहा कि भारत में लोकतंत्र को बहाल करना वैश्विक समुदाय के लिए फायदेमंद होगा।

पिछले साल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मोदी उपनाम वाले लोगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर 2019 के आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की सजा के पश्चिमी और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया कवरेज की धज्जियां उड़ाई थीं। भारत के जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 (3) के तहत संसद सदस्य के रूप में उनकी स्वतः अयोग्यता हो गई। मार्च 2023 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में एक भाषण के दौरान, राहुल गांधी ने खुद को भारत के आदर्श नेता के रूप में पेश करने का प्रयास किया और पश्चिमी शक्तियों से नरेंद्र मोदी के खिलाफ शासन परिवर्तन अभियान को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय राजनीति में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।

डोनाल्ड लू, अमेरिकी विदेश विभाग और अमेरिकी खुफिया विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारियों से मिलने के अलावा, राहुल गांधी ने जॉर्ज सोरोस और उनके बेटे के साथ भी बैठक की। राहुल ने यह भी दावा किया कि भारत के एक कट्टरपंथी हिंदू देश बनने का खतरा है, जहां मुस्लिम, सिख और ईसाई सहित धार्मिक अल्पसंख्यकों को सुनियोजित उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है और पड़ेगा। अमेरिकी डीप–स्टेट और जॉर्ज सोरोस तथा अन्य लोगों की अकूत आर्थिक मदद से राहुल गांधी दिसंबर 2025 तक भारत में शासन परिवर्तन के एजेंडे पर काम कर रहे हैं। इस साजिश के तहत, वह धीरे–धीरे जाति–जनगणना परियोजना का मसला तेज कर रहे हैं, जिसका इरादा और परिणाम अंततः भारत में 800 मिलियन से अधिक हिंदुओं के भीतर विभाजन पैदा करना है। इसके अलावा, अपनी अमेरिकी यात्रा के तुरंत बाद राहुल गांधी जम्मू–कश्मीर, पश्चिम बंगाल, केरल, पंजाब और भारत के कुछ और राज्यों में कई समूहों के साथ बैठकों की श्रृंखला की योजना बना रहे हैं, जिसमें विभिन्न मांगों के तहत सरकार विरोधी उग्र प्रदर्शन शुरू करने का एजेंडा है।

इसी प्रसंग में उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से एमफिल की डिग्री प्राप्त करने का जो दावा किया है, वह आधिकारिक तौर पर फर्जी पाया गया है। इससे कैम्ब्रिज जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की डिग्री की विश्वसनीयता पर दुनियाभर में सवाल उठ रहे हैं। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय फर्जी दाखिलों का केंद्र बन गया है। इसका उदाहरण अमेरिकी घोटालेबाज कैरोलीन कैलोवे का चौंकाने वाला मामला है। इस प्रकरण ने राहुल गांधी की एमफिल डिग्री को और संदेहास्पद बढ़ा दिया है।

अकादमिक धोखाधड़ी के अन्य हाई–प्रोफाइल मामलों के साथ परेशान करने वाली कई समानताएं क्रमशः उजागर हो रही हैं। अपनी गुप्त गतिविधियों पर बढ़ती और सख्त होती जांच को देखते हुए शीघ्र सत्ता हासिल करने की राहुल गांधी की छटपटाहट और हताशा देश के समक्ष गंभीर चिंता का माहौल पैदा कर रही है। यह सवाल उठ रहा है कि कि अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राहुल गांधी क्या किसी हद तक जा सकते हैं या गिर सकते हैं? अमेरिकी प्रशासन का खुराफाती अधिकारी डोनाल्ड लू इसी महीने भारत पहुंच रहा है। उसकी कई गोपनी बैठकें राहुल गांधी के साथ हो चुकी हैं। बांग्लादेश में भी इसी तरह डोनाल्ड लू ने अराजकता की स्थिति पैदा कर पूरे देश को हिंसा में झोंका और वहां सत्ता परिवर्तन कराया। इस तरह के विदेशी हस्तक्षेप और देश के नस्लदूषित नेताओं के साथ गुप्त गठबंधनों के संभावित परिणाम देश की संप्रभुता और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। आने वाले दिन यह निर्धारित करने के लिए अहम साबित होंगे कि क्या भारत की लोकतांत्रिक नींव इन बाहरी दबावों का सामना कर सकती है या वह भी बांग्लादेश की तरह साजिशों के आगे ढेर हो जाएगा।

वोट के लिए...

क्रांति और बलिदानों की ये धरती, भगवान बिरसा मुंडा के तप, त्याग और आशीर्वाद की ये धरती है। मैं झारखंड की इस महान धरती को प्रणाम करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज करमा पूजा के उमंग के बीच यहां आने से पहले मुझे झारखंड को विकास की कई बड़ी सौगात देने का सौभाग्य भी मिला। मैं आप सबको करमा पर्व की बधाई देता हूं। आज झारखंड के हजारों गरीबों को पीएम आवास योजना के जरिए पक्के घर भी मिले हैं। इनमें से ज्यादातर घर मेरी माताओं–बहनों के नाम पर हैं। आज आपका ये भाई करमा पर्व के अवसर पर अपनी बहनों को अपने पक्के घर का उपहार देकर धन्य हो गया है।

पीएम मोदी ने कहा, बीते लोकसभा चुनाव में सारा विपक्ष मोदी को हराने के लिए बेचैन था। पूरी जमात, बड़े–बड़े षड्यंत्र, बड़ी–बड़ी साजिशें, झूठ की इतनी बड़ी मशीनरी, देश को बांटने और तोड़ने वाली ताकतें जुटी थीं, लेकिन आपका आशीर्वाद उन सब पर भारी पड़ा। मैं आपके इस प्यार और आशीर्वाद के लिए भी आपका धन्यवाद करता हूं। आज देश के दलित–वंचित, गरीब–आदिवासी और महिलाओं का भरोसा मोदी पर है। आज युवाओं का भरोसा मोदी पर है, मध्यम वर्ग का भरोसा मोदी पर है। झारखंड और भाजपा का रिश्ता सिर्फ एक राजनीतिक रिश्ता नहीं है। ये रिश्ता दिल का है, यह रिश्ता अपनापन का है। झारखंड का सपना भाजपा का अपना सपना है।

पीएम मोदी ने कहा, आकांक्षी जिला योजना के जरिए झारखंड के पिछड़े जिलों के विकास की चिंता किसने की, भाजपा की सरकार ने की। भगवान बिरसा मुंडा की जन्मजयंती पर जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत किसने की, भाजपा की सरकार ने की। आज भी भाजपा केंद्र में रहकर झारखंड के विकास के लिए पूरे समर्पण और सेवाभाव से काम कर रही है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आप राज्य सरकार में भाजपा को मौका दीजिए, झारखंड के विकास के लिए भाजपा कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, झामुमो और कांग्रेस जैसे दलों को आपका वोट नहीं चाहिए। ये दल मजहब के नाम पर अपना वोटबैंक बनाना चाहते हैं। यही समय है, हमें इस खतरे को यहीं पर रोकना होगा। ये आदिवासी विरोधी हैं। क्या चंपई सोरेन आदिवासी नहीं थे? क्या वे गरीब परिवार से नहीं थे? जिस तरह से सीएम की कुर्सी छीनने के लिए उनका अपमान किया गया, उससे झारखंड का हर गरीब और आदिवासी आहत है। सीता सोरेन को अपमानित करके उनके ही परिवार से बेदखल कर दिया गया। झारखंड की जनता इसका जवाब देगी।

पीएम मोदी ने कहा, इस देश की सबसे बेईमान और महाभ्रष्ट पार्टी एक ही है, वह है कांग्रेस पार्टी। इस देश का सबसे भ्रष्ट परिवार एक ही है, वह है कांग्रेस का परिवार। भ्रष्टाचार की सारी धाराएं वहीं से निकलती हैं। ये झामुमो वाले भी उसी स्कूल से ट्रेनिंग लेते हैं, कांग्रेस स्कूल ऑफ करप्शन। झामुमो ने 5 साल में केवल एक ही काम किया है, झारखंड की लूट और चारों तरफ भ्रष्टाचार। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने जल, जंगल और जमीन सबमें भ्रष्टाचार किया है। मैं वादा करता हूं कि झारखंड में कुछ महीनों के बाद जब भाजपा की सरकार बनेगी, एनडीए की सरकार बनेगी तो इन सारे मामलों की जांच करवाई जाएगी। साथियो, वादे करना और उसे पूरा करना यह सिर्फ भाजपा ही करती है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमने 70 साल और उससे अधिक उम्र के हर बुजुर्ग को मुफ्त इलाज की गारंटी दी थी। कुछ दिन पहले ही हमारी सरकार ने उस फैसले पर मुहर लगा दी है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को झारखंड के रांची से 660 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की वर्चुअल (डिजिटल या ऑनलाइन) माध्यम से शुरुआत की। पीएम मोदी ने देवघर जिले में मधुपुर बाइपास लाइन और हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने कुरकुरा–कनारोन दोहरीकरण परियोजना भी राष्ट्र को समर्पित की। उन्होंने छह नई वंदे भारत ट्रेनों की भी शुरुआत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर छह वंदे भारत ट्रेनों को रवाना किया। इन ट्रेनों से संपर्क सुविधा, सुरक्षित यात्रा और यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी। इन नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत के बाद इनकी संख्या 54 से बढ़कर अब 60 हो गई है। इस तरह वंदे भारत ट्रेनें रोज 120 फेरों के जरिए 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 280 से अधिक जिलों को कवर करेंगी।

नई ट्रेनें, जिन छह नए मार्गों को कवर करेंगी, वे टाटानगर–पटना, ब्रह्मपुर–टाटानगर, राउरकेला–हावड़ा, देवघर–वाराणसी, भागलपुर–हावड़ा और गया–हावड़ा हैं। यानी आज की छह वंदे भारत ट्रेनें बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के यात्रियों के सफर को आसान बनाएंगी। पहली वंदे भारत ट्रेन 15 फरवरी, 2019 को शुरू की गई थी। यह ट्रेनें 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की क्षमता रखती हैं। उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर 2024 तक 54 ट्रेनों (अन–डाउन मिलाकर 108 फेरे) के बेड़े के साथ वंदे भारत ने कुल मिलाकर लगभग 36,000 यात्राएं पूरी की हैं और 3.17 करोड़ से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया है। मूल वंदे भारत ट्रेन सेट अब वंदे भारत 2.0 में बदल गया है, जिसमें तेज गति, कवच, एंटी–वायरस सिस्टम और वाईफाई जैसी और भी उन्नत सुविधाएं हैं।

वंदे भारत के साथ...

उन्होंने कई अहम परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें कुरकुरा–कनारोअन दोहरीकरण परियोजना भी शामिल है। यह बंडामुंडा–रांची सिंगल लाइन खंड का हिस्सा है और रांची, मुरी एवं चंद्रपुरा स्टेशनों के रास्ते राउरकेला–गोमोह मार्ग को भी जोड़ती है।

पीएम मोदी ने संबोधन के दौरान अपने कान पर एक जावा लगा रखा था। इससे जुड़ा दिलचस्प किस्सा खुद उन्होंने लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि आज बहुत ही मंगल दिन है। इस समय झारखंड में प्रकृति पूजा के पर्व कर्मा की उमंग है। आज सुबह जब मैं रांची एयरपोर्ट पर पहुंचा तो एक बहन ने करमा पर्व के प्रतीक जावा से मेरा स्वागत किया। इस पर्व में बहनें नई फसलों की कोपलें भाई के कान में लगा कर अपने भाई की कुशलता की कामना करती हैं। मैं झारखंड के लोगों को करमा पर्व की बधाई देता हूं। आज इस शुभ दिन झारखंड को विकास का नया आशीर्वाद मिला है। छह नई वंदे भारत ट्रेनें, 650 करोड़ से ज्यादा की रेलवे परियोजनाएं, कनेक्टिविटी, यात्रा सुविधाओं में सुधार और इन सब के साथ–साथ झारखंड के हजारों लोगों को पीएम आवास योजा के तहत अपना पक्का घर, मैं झारखंड की जनता जर्नादन को इन सभी विकास कार्यों के लिए बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि अब देश की प्राथमिकता देश का गरीब है। अब देश की प्राथमिकता देश का आदिवासी है। अब देश की प्राथमिकता देश का दलित, वंचित और पिछड़ा समाज है। अब देश की प्राथमिकता महिलाएं हैं, युवा हैं, किसान हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार से इस पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इन ट्रेनों से कारोबारियों, छात्रों को बहुत लाभ होगा। इससे यहां आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियां भी तेज होंगी। पीएम ने कहा कि देशभर के आदिवासी भाई–बहनों के लिए पीएम जनमन योजना चलाई जा रही है। इस योजना के माध्यम से उन जनजातियों तक पहुंचने की कोशिश हो रही है, जो बहुत पिछड़े हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज झारखंड भी उन राज्यों में शामिल हो गया है, जहां रेलवे नेटवर्क का 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड के 50 से अधिक रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प किए जा रहे हैं।

नैतिक वजह होती...

इनके अलावा दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय का नाम भी चर्चा में है। सीएम पद की रेस में कैलाश गहलोत भी नाम चल रहा है। आपा विधायक कुलदीप कुमार का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के नाम की अटकलें भी हैं। हालांकि अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि विधायकों की बैठक होगी और उसमें फैसला लिया जाएगा कि सीएम कौन होगा।भाजपा ने केजरीवाल के इस्तीफे को नौटंकी बताया और कहा कि केजरीवाल अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नौटंकी कर रहे हैं। भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल राजनीतिक पैंतरेबाजी के उस्ताद हैं। केजरीवाल जब तिहाड़ जेल में थे तभी उन्हें अपना इस्तीफा दे देना चाहिए था। वह जानबूझकर इस्तीफे की बात कर रहे हैं क्योंकि सहानुभूति पाने का उनके पास यही एकमात्र तरीका है। भाजपा के सिख नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा देने के लिए दो दिन का समय मांगा है। इन दो दिनों में वह विधायकों को मनाएंगे कि उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री बनाया जाए। सिरसा ने कहा कि केजरीवाल का यह एक और राजनीतिक स्टंट है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान कहा कि अगर किसी को लगता है कि इस धोखे से समस्या का समाधान होगा, तो यह समाधान नहीं बल्कि समाधान का एक विकल्प है और उससे ज्यादा यह मुश्किलें पैदा करेगा। दो दिनों के भीतर केजरीवाल का इस्तीफे का ऐलान उनकी इच्छा है। अगर वे जेल में भी मुख्यमंत्री रह सकते हैं, तो बाहर भी रह सकते हैं। और भी मुद्दे हैं, जिन पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि राजनीति में आने वाले समय में गंभीर मुद्दों पर ध्यान देना जरूरी है।

अरविंद केजरीवाल को सिविल लाइंस स्थित उनके आवास से 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। 10 दिन की पूछताछ के बाद एक अप्रैल को उनको तिहाड़ जेल भेज दिया गया। बाद में जेल में ही 26 जून को सीबीआई ने इसी मामले में पूछताछ के लिए गिरफ्तार कर लिया। करीब 51 दिन बाद 10 मई को सुप्रीम कोर्ट ने 21 दिन के लिए अंतरिम जमानत दी थी। मकसद लोकसभा चुनावों में अपनी पार्टी के लिए प्रचार करने का था। दो जून को केजरीवाल ने सरेंडर कर दिया था। ईडी की गिरफ्तारी के बाद से सीधे अगर शुक्रवार 13 सितंबर को केजरीवाल की रिहाई हो रही होती तो उनको 177 दिन में काटने पड़ते, लेकिन 21 दिन की रिहाई को कम करने से जेल में रहने वाले दिनों की संख्या 156 दिन बैठती है। केजरीवाल अपने तिहाड़ प्रवास के दौरान नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे सकते थे।

विपक्ष के वरिष्ठ...

क्योंकि यह उनके विचारों के खिलाफ था।

नागपुर में पत्रकारिता से जुड़े अवार्ड कार्यक्रम में बोलते हुए नितिन गडकरी ने कहा, विपक्ष के एक सीनियर नेता ने प्रधानमंत्री पद के ऑफर के साथ मुझे अप्रोच किया। मुझे बताया गया कि अगर मैं सहमति दे दूंगा तो वे मुझे प्रधानमंत्री बनाने के लिए काम करेंगे। गडकरी ने कहा, मैंने तुरंत ही इस ऑफर को रिजेक्ट कर दिया। मैंने उस नेता से साफ कहा कि मैं विचारधारा में विश्वास रखने वाला व्यक्ति हूं। मैंने हमेशा सिद्धांतों पर काम किया है और उनके अनुसार ही जीवन जिया है।

गडकरी ने कहा, मैंने यह क्लियर कर दिया कि मैंने कभी देश का पीएम बनने की महत्वाकांक्षा नहीं रखी। इसलिए किसी भी ऑफर को स्वीकार करने का सवाल ही नहीं उठता। मेरी परवरिश ऐसे हुई है कि मैं कुछ सिद्धांतों और विश्वासों पर जीता हूं, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हालांकि इस दौरान नितिन गडकरी ने किसी भी विपक्षी नेता का नाम नहीं लिया और न कोई संकेत किया। भाजपा में ही कई नेताओं के लिए उनकी तरफ से किया गया खुलासा शॉकिंग था। नितिन गडकरी की गिनती उन भाजपा नेताओं में होती है, जिनकी भले ही आरएसएस में गहरी जड़ें हों लेकिन देश में विपरीत विचारधारा वाला नेताओं से भी उनके मधुर संबंध हैं। महाराष्ट्र में नितिन गडकरी के उद्धव ठाकरे और शरद पवार से भी अच्छे संबंध हैं। गडकरी को कई बार विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में शरद पवार के साथ मंच साझा करते देखा गया है।

दोषियों की सजा...

वकील इस स्थिति से अवगत थे, लेकिन 19 जुलाई 2024 को एक गलत बयान दिया गया कि सभी याचिकाकर्ताओं सजा की अवधि समाप्त नहीं हुई है। पीठ ने कहा इस मामले में जुर्माना लगाया जाना चाहिए। लेकिन हम याचिकाकर्ताओं को उनके वकीलों द्वारा की गई गलतियों के लिए दंडित नहीं कर सकते।सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया था कि चार याचिकाकर्ताओं ने एक मामले में 14 साल की सजा बिना छूट के काट ली है। जबकि मामले में दिल्ली सरकार ने हलफनामा दायर किया था कि चार में से दो कैदियों ने सजा में छूट पाने के लिए 14 साल की सजा पूरी नहीं की है। पीठ ने कहा कि याचिका में गलत बयान दिया गया कि सभी चार याचिकाकर्ताओं ने वास्तविक 14 साल की सजा काट ली है।पीठ ने दिल्ली सरकार को चार याचिकाकर्ताओं में से एक के मामले में छूट के लिए विचार करने का निर्देश दिया। जिसने लागू नीति के अनुसार 14 साल जेल में काटे हैं और दो अन्य को राहत देने से इनकार कर दिया, क्योंकि उन्होंने 14 साल पूरे नहीं किए। चौथे दोषी के मामले पर राज्य सरकार ने सजा माफी पर विचार किया था, लेकिन इन्कार कर दिया। पीठ ने भी चारों दोषियों की सजा माफी की याचिका खारिज कर दी।

इसके अलावा एक और मामले में पीठ ने पाया कि हत्या के आरोप में दोषी पाए गए पांच अपराधियों को लेकर भी कोर्ट में गलत बयान दिए गए। याचिका में कहा गया था कि पांचों दोषियों को हत्या के आरोप में दोषी पाया गया है। जबकि अदालत ने पाया कि उनमें से दो को अन्य अपराधों के लिए भी दोषी ठहराया गया। एक को शस्त्र अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया था और दूसरे को फिरौती के लिए अपहरण और सबूत नष्ट करने के अपराध के लिए भी दोषी ठहराया गया था। पीठ ने कहा कि समयपूर्व रिहाई के लिए आदेश मांगने वाली याचिका में अपराध की प्रकृति बहुत ही महत्वपूर्ण विचार है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह छूट के लिए मामलों को देखे और इसके बाद आदेश पारित करे।

नर्मदा किनारे धार्मिक ...

उपभोक्ता–संचालित जीवनशैली में प्रकृति और पर्यावरण को होने वाले नुकसान ने नदियों और अन्य जल स्रोतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। जिससे उन्हें इन प्रभावों से बचाना आवश्यक हो गया है। नर्मदा नदी के महत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसके किनारे कुल 21 जिले, 68 तहसील, 1138 गांव और 1126 घाट के साथ–साथ 430 प्राचीन शिव मंदिर और दो शक्ति पीठ हैं।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नर्मदा नदी में मशीनों से होने वाली खनन गतिविधियों को पूरी तरह प्रतिबंधित करने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि नर्मदा दुनिया अकेली ऐसी नदी है, जिसकी भक्त परिक्रमा करते हैं। इसकी महत्ता को देखते हुए इसको प्रमुख धर्म और पर्यटन स्थल के रुप में विकसित किए जाने की जरुरत है। नर्मदा नदी पर मौजूद परिक्रमा स्थलों को चिह्नित करके स्थानीय पंचायतों और समिति के जरिए इसके बुनियादी ढांचों को विकसित करने का भी मुख्यमंत्री ने आदेश दिया। सीएम मोहन यादव ने स्थानीय युवकों और स्वयं सहायता समूहों के परिक्रमा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के खाने की व्यवस्था और होमस्टे जैसे इंतजाम करने के लिए प्रोत्साहित करने की जरुरत पर जोर दिया।

उल्लेखनीय है कि नर्मदा नदी न सिर्फ मध्य प्रदेश बल्कि पूरे देश के लोगों के लिए धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। यह मध्य प्रदेश के एक बहुत बड़े भू–भाग की प्यास बुझाती है और लाखों लोगों की आजीविका का साधन है। नर्मदा नदी की कुल लंबाई 1312 किलोमीटर है, जबकि इसका 1079 किलोमीटर यह सिर्फ मध्य प्रदेश में बहती है। मोहन सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अधिकारी नर्मदा परिक्रमा, जो नदी के चारों ओर एक आध्यात्मिक तीर्थस्थल है। उसको एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन आकर्षण के रूप में विकसित करने की योजना बना रहे हैं।

भारत का विदेशी...

अनुमानों के मुताबिक, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब करीब एक वर्ष की अनुमानित आयात लागत को कवर करने के लिए पर्याप्त है। कैलेंडर वर्ष 2023 में भारत ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 58 अरब डॉलर की वृद्धि की थी। इसके विपरीत 2022 में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कुल 71 अरब डॉलर की कमी आई थी। विदेशी मुद्रा भंडार को फॉरेक्स रिजर्व भी कहा जाता है। यह हर देश के केंद्रीय बैंक या मौद्रिक प्राधिकरण द्वारा रखी गईं संपत्तियां होती हैं। ये आमतौर रिजर्व मुद्राओं में रखी जाती हैं, जैसे अमेरिकी डॉलर, यूरो, जापानी येन, पाउंड आदि। आरबीआई विदेशी मुद्रा बाजारों की निगरानी करता है और बाजार की स्थिति व्यवस्थित रखने के लिए दखल देता है। यह बाजार में अस्थिरता को नियंत्रित करने की भी कोशिश करता है। आरबीआई आमतौर पर डॉलर की बिक्री के जरिए लिक्विडिटी प्रबंधन में भी हस्तक्षेप करता है, ताकि रुपए की भारी गिरावट को रोका जा सके। एक दशक पहले भारतीय रुपया एशिया की अस्थिर मुद्राओं में से था। लेकिन अब, यह सबसे स्थिर मुद्राओं में से एक बन चुका है। यह बदलाव भारती बढ़ती आर्थिक ताकत और भारतीय रिजर्व बैंक के प्रभावी प्रबंध का प्रमाण है।

सांसद अमृतपाल...

छापेमारी के दौरान घर में मौजूद लोगों से पूछताछ की गई और परिवार के मोबाइल फोन, लैपटॉप, डीवीआर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को कब्जे में ले लिया गया।गौरतलब है कि पिछले साल खालिस्तान समर्थक भीड़ ने ओटावा में भारतीय उच्चायोग पर दो ग्रेनेड फेंकते हुए हमला किया था। इसके बाद जांच एजेंसियों ने इस मामले में कुछ लोगों की शिनाख्त की। बाद में इस मामले में पाकिस्तान की संलिप्ता पर भी शंका हुई और मामले की जांच एनआईए ने अपने हाथ में ले ली। एनआईए के हवाले से पता चला कि अमरजोत सिंह ने खालिस्तान समर्थक भीड़ का नेतृत्व किया था। उसने ये तब किया था जब

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 16 सितंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

गणेश विसर्जन महोत्सव पर निकलने वाली तमाम गणेश प्रतिमाओं पर की जाएगी पुष्प वर्षा

श्याम मित्र मंडल अत्तापुर की सभा आयोजित

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री श्याम मित्र मंडल (सूरजगढ़ निशान) अत्तापुर के तत्वावधान में रविवार को रामबाग राम मंदिर प्रांगण में श्याम प्रेमी कार्यकर्ताओं की एक विशेष सभा का आयोजन मंडल के उपाध्यक्ष श्रीकांत मित्तल की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर सर्वप्रथम मंडल के संरक्षक पवन नालपुरिया ने गठित संरक्षक कमेटी का अनुमोदन कराया। संरक्षक कमेटी में संरक्षक वीवीएसआर अंजनैयुलू ,शशिकांत शर्मा, परामर्शदाता सुरेश कुमार मोदी, रामावतार गुप्ता, सोहनलाल नेहरा, नरेंद्र कुमार जांगिड़, श्याम अग्रवाल, अमित कुमार मोदी, संगठन प्रभारी मूलचंद शर्मा, मनीष कुमार शर्मा, राजेश स्वामी तथा प्रेस प्रभारी भंवरलाल चाहर को मनोनीत किया गया।

श्री श्याम मित्र मंडल संरक्षक कमेटी के मनोनयन के पश्चात मंडल के संरक्षक पवन नालपुरिया सभा में संरक्षक कमेटी के दायित्व एवं अधिकारों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा मंडल की निर्वाचित कमेटी के द्वारा कोई भी प्रस्तावित गतिविधि पर इनका परामर्श अनिवार्य रहेगा। श्री श्याम मित्र मंडल में शांति और सद्भावना बनाते हुए सबको संगठित करने की भूमिका निभाएंगे एवं श्री श्याम मित्र मंडल में इस टीम का सम्मानित अस्तित्व रहेगा।

इस मनोनयन का उपस्थित सदस्यों ने ताली बजाकर स्वागत किया। तत्पश्चात हर वर्ष की तरह जिस प्रकार श्री गणेश

निमार्जन महोत्सव के दिन अत्तापुर के पिलर नंबर 140 के सामने से निकलने वाली तमाम गणेश प्रतिमाओं पर पुष्प वर्षा स्वागत करते है परंपरा को सुचारू करते हुए इस बार भी 17 सितंबर को आयोजित गणेश निमार्जन महोत्सव के दौरान अत्तापुर के पिलर नंबर 140 के सामने विशाल पंडाल लगाकर किया जाएगा इस बात का निर्णय भी सभा में लिया गया। इस कार्यक्रम का संयोजक सभा में पवन नालपुरिया को बनाया गया इसके साथ श्याम अग्रवाल, डालूराम, अभिषेक अग्रवाल, अंकुश अग्रवाल, अमित कुमार मोदी आदि को भी जिम्मेदारी दी गई।

मंडल संरक्षक पवन नालपुरिया एवं सभा अध्यक्ष मोटरसाइकिल श्रीकांत मित्तल तथा सभी सहयोगी सदस्यों ने अत्तापुर क्षेत्र के सभी श्याम प्रेमियों से 17 सितंबर को अतापुर रिंग रोड पिलर नंबर 140 के सामने श्री गणेश स्वागत मंच मैं उपस्थित होकर श्री गणेश प्रतिमाओं का स्वागत एवं प्रसाद वितरण में सहयोग करने का आग्रह किया। सभा में इसके पश्चात श्री श्याम मित्र मंडल के परामर्शदाता सोहनलाल नेहरा के पिताजी स्वर्गीय घाशीराम जी नेहरा के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। सभा में मनीष अग्रवाल ,कीर्ति सिंह एडवोकेट, सुरेश कुमार मोदी, अमित कुमार मोदी, राम अवतार गुप्ता, संतोष अग्रवाल, अंकुश अग्रवाल, रामप्रसाद रीनवा, मालीराम अग्रवाल, पुरुषोत्तम कड़ेल,राजेश साबू, प्रकाश भाटी, श्याम अग्रवाल, बाबूलाल जोशी, शशिकांत शर्मा, मनीष शर्मा, डालूराम, उमेश नालपुरिया, छाजु राम मीणा सहित अन्य श्याम प्रेमी मौजूद रहे।

मेरा परिवार-धरती पर स्वर्ग विषयक कार्यक्रम का आयोजन

डॉ. ज्ञानवत्सल स्वामी ने पारिवारिक सद्भाव और मूल्यों के सार पर दिया सारगर्भित भाषण

गुजराती एकता संघ और बीएपीएस स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर के तत्वावधान में हुआ आयोजन

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुजराती एकता संघ (जीईएस) ने बीएपीएस स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर सिकंदराबाद के सहयोग से रविवार को जलविहार हैदराबाद में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम की सफलतापूर्वक मेजबानी की। इस कार्यक्रम में मेरा परिवार, पृथ्वी पर स्वर्ग विषय के तहत पूज्य डॉ. ज्ञानवत्सल स्वामी द्वारा पारिवारिक सद्भाव और मूल्यों के सार पर एक सारगर्भित भाषण दिया गया।

पूज्य डॉ. ज्ञानवत्सल स्वामी बीएपीएस (बोचासनवासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था) के एक प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता, आध्यात्मिक नेता और समाज सुधारक हैं। उन्होंने कई देशों में विभिन्न सेमिनारों में प्रेरक भाषण दिए हैं, जिसमें कॅरियर मार्गदर्शन से लेकर तनाव प्रबंधन तक कई विषयों को शामिल किया गया है। इस कार्यक्रम में लगभग 2000 लोगों की प्रभावशाली उपस्थिति देखी गई, जिसमें प्रमुख व्यवसायी, उद्यमी और गुजराती समुदाय के पेशेवर शामिल थे। पूज्य आत्मचिंतन स्वामी (प्रमुख संत, बीएपीएस मंदिर, सिकंदराबाद) और पूज्य विमलमुनि स्वामी भी पूरे आयोजन के दौरान पी. ज्ञानवत्सल स्वामी के साथ रहे।

पूज्य ज्ञानवत्सल स्वामी के संबोधन ने घर के पोषणपूर्ण वातावरण के निर्माण में पारिवारिक मूल्यों और सद्भाव की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उनके ओजस्वी भाषण ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे वे प्रेरित और चिंतनशील हो गए। मुख्य कार्यक्रम के संयोजन में बीएपीएस मंदिर, सिकंदराबाद के बाल मंडल कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों के लिए सफलता एक्सप्रेस नामक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। हैदराबाद-सिकंदराबाद में विभिन्न गुजराती संघों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक समर्पित 15-सदस्यीय समिति द्वारा संचालित गुजराती एकता संघ ने दो वर्षों में एक दृष्टिकोण को साकार होते देखा। यह आयोजन सुनीलभाई चावड़ा और साथी समिति के सदस्यों के दिमाग की उपज थी और इसे जीईएस सदस्यों के साथ-साथ संतों, बीएपीएस मंदिर, सिकंदराबाद के स्वयंसेवकों और परम पूज्य महंत स्वामी महाराज के आशीर्वाद के सामूहिक प्रयासों से जीवंत बनाया गया। इस आयोजन ने न केवल गुजराती समुदाय के बीच एकता और सद्भाव की भावना को बढ़ावा दिया, बल्कि समृद्ध जीवन और पारिवारिक संबंधों के प्रति सामूहिक प्रेरणा भी जगाई।

अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमेटी की 46 वीं बैठक समाज कार्यालय राघव रत्ना टॉवर में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति में कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रति रविवार कमेटी की बैठक 11 बजे से 1 बजे तक होती है जिसमे अभिभावक गण अपने बालक एवं बालिकाओं के बायोडेटा जमा कर उपलब्ध बायोडेटा का संज्ञान ले सकते हैं। कमेटी द्वारा व्हाट्सप में एक ग्रुप एएमडीसी ऑनली बायोडाटा का बना हुआ है जिसमे उन सभी लड़कियों के जिनके बायोडेटा समाज में उपलब्ध हैं केवल उन्हीं के अभिभावक गण उस ग्रुप के सदस्य हैं तथा सभी बालकों के बायोडेटा फोटो सहित ग्रुप में उपलब्ध हैं। लड़कियों के अभिभावक गण उस ग्रुप में देखकर अपनी लड़की के लिए उचित लड़का ढूँढ सकते हैं । पहली बार यह ग्रुप बनाया गया है जो काफ़ी उपयोगी सिद्ध हो रहा है। सभी अग्रबंधुओं से आग्रह है अपने अपने विवाह योग्य बालक बालिकाओं के बायोडेटा समाज में जमा करवायें। व्हाट्सप ग्रुप के बारे में जानकारी कमेटी के किसी भी सदस्य से ली जा सकती है । कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल के घर पर भी बायोडेटा जमा करके उपलब्ध बायोडेटा का संज्ञान लिया जा सकता है । रोज़ाना 12 बजे से 5 बजे तक अपने निवास बंजारा हिल्स पर वे उपलब्ध है । उनसे फ़ोन नंबर 9396222880 पर बात कर समय लेकर संपर्क किया जा सकता है । कमेटी में उपलब्ध बायोडेटा में समाज के इस सत्र अर्थात् 11 महीने में 136 रिश्ते नक्की हुए हैं। बैठक में अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमैन दीनबंधु अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, समाज के आक्यूपंचर के डॉक्टर बालकृष्ण सुरेखा एवं बालक-बालिकाओं के अभिभावक गण उपस्थित थे।

भगवान परशुरामजी गौमाता को वधशाला से बचा रहे हैं। गणेश मंडप विजय युवा संघ का नेतृत्व शंकर यादव गौरक्षक ने किया। इस अवसर पर उपस्थित स्वामी कमलेश महाराज, जसमत पटेल, रिद्धिष् जागीरदार, मुकेश चौहान एवं अन्य।

अग्रसेन बायोडेटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रसेन बायोडेटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक रविवार को सिकंदराबाद पान बाज़ार ऑफ़िस में आयोजित की गई। पंकज संघी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हर रविवार यहां पर मीटिंग होती है और सभी अग्रवाल बंधु अपने अपने पुत्र-पुत्री के बायोडाटा आदान प्रदान कर इस सिलसिले पर चर्चा करते हैं। आज की बैठक में दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज कुमार संघी, सुनील अग्रवाल, पुरुषोत्तम गुप्ता, अरविंद गोयल, भगवती प्रसाद, अर्चना अग्रवाल, सत्यनारायण अग्रवाल, विजय मित्तल, अरविंद गोयनका, दीपा बंसल, प्रीतम गर्ग, रवि अग्रवाल, महेश अग्रवाल, जयश्री केडिया आदि उपस्थित थे।

क्वॉलिटी गार्डेनिया अपार्टमेंट चप्पल बाजार काचीगुड़ा द्वारा स्थापित भगवान गणेशजी की प्रतिमा की पूजा-अर्चना के दौरान उपस्थित भक्तगण।

अशोक हरने के निवास स्थान पर पूजा एवं विसजर्न में शामिल भक्तगण।

आबिड्स तिलक रोड स्थित अपने आवास पर विराजमान भगवान गणपति जी का विसर्जन हेतु विदा कर अगले वर्ष तू जल्दी आ की प्रार्थना करते हुए विजयप्रकाश अग्रवाल, बीना अग्रवाल एवं परिजन।

मुस्कुराएं और करें-आप जो भी करें वॉकिंग ग्रुप ने गौ सेवा मित्र मंडल के समन्वय से श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में सब्जी सेवा की। जिसमें प्रमोद, रंगलाल, महेंद्र, विशाल, जुगल, मनोज अग्रवाल, यश अग्रवाल, सुनील जयलिया, श्याम अग्रवाल एवं अन्य भक्तगण उपस्थित रहे।

जेसीआई पैराडाइज सिकंदराबाद की महिला शाखा द्वारा लियोनिया रिसोर्ट में आयोजित बैठक में संस्था की अध्यक्ष रोज वले ने सामाजिक विषयों में महिलाओ की भागीदारी पर चर्चा करते हुए सभी सदस्यों का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर सुमन गुप्ता के आलावा सभी वरिष्ठ महिला सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार और सांसद लक्ष्मण ने रविवार को सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

अन्नदान सेवा जैसे कार्य करने की प्रेरणा स्वयं ईश्वर देते हैं : राधे राधे ग्रुप

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से रविवार को गांधी अस्पताल, मेट्रो रेलवे स्टेशन, पिलर-1030, सिकंदराबाद में जरूरतमंद लोगों के नि:शुल्क अन्नदान किया गया।

राधे राथे ग्रुप की और से जानकारी देते हुए रामप्रकाश अग्रवाल एवं सतीश गुप्ता ने बताया कि इस प्रकार के कार्य करने की प्रेरणा स्वयं ईश्वर देते हैं। ग्रुप ने अन्नदान की प्रेरणा इस ग्रुप को दी है यह किसी दैवीय चमत्कार से कम नही है। सभी सदस्य मिलकर अपना काम कर रहे हैं। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा प्रतिदिन यह सेवा 7 बजे सुबह की जायेगी। जिससे जरुरतमंद लोगों की सेवा हो सके। इस

अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सतीश चंद्र गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, श्रीकिशन अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा गुप्ता, आशा अग्रवाल सहित ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने किया महाराजा श्री अग्रसेनजी जयंती महोत्सव का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगरद्वय में विभिन्न स्थलों पर उपस्थित अग्रवाल कुल के जनक युगप्रवर्तक महाराजा श्री अग्रसेन जी पूजा-अर्चना के साथ अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5148वीं जयंती का शुभारंभ किया गया। रविवार को अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल में निज़ाम हॉस्पिटल स्थित अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया एवं जयंती का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. गंगाधर अध्यक्ष नेफ्रोलॉजी विभाग निम्स, डॉ असीमा व अन्य रेजिडेंट डॉक्टों के साथ अग्रवाल समाज एबिड्स शाखा के उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल शाखा के सचिव सूर्यकमल अग्रवाल, संयुक्त सचिव संजय किमर अग्रवाल, सदस्य उमेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे। अग्रसेन जयंती महोत्सव 18 दिनों तक विभिन्न आयोजनों के साथ 3 अक्तूबर को संपन्न होगी। रविवार को नगरद्वय के विभिन्न क्षेत्रों में भी विभिन्न शाखाओं द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी पूजा की गई। इस महोत्सव के अंतर्गत प्रथम कार्यक्रम चेस एंड कैरम प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स कमीटी एवं मानसरोवर शाखा द्वारा आयोजित किया गया।

कुल प्रवर्तक महाराजा श्री अग्रसेन जी की 1548वीं जयन्ती महोत्सव के शुभआरंभ के अवसर पर अग्रसेन भवन सिकंदराबाद में स्थित श्री अग्रसेन महाराज की प्रतिमा की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त करते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष पुरशोत्तम अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, बिकी सराफ़, पवन विकास केसान,अजीत सरिया व अन्य।

बंजाराहिल्स स्थित के.बी.आर. पार्क में भगवान गणेश की पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, मंसाराम अग्रवाल, गोपाल बलदावा, रवींद्र सिंह, नरसिंग राव, प्रवीण जैन, कमल किशोर, आनंद श्रीनिवास, पप्पू डाकोतिया, सी.ए. सुरेश अग्रवाल, किशोर अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेव, विट्ठल दास अग्रवाल, शंकर लाल अग्रवाल, माया अग्रवाल, पल्लवी, प्रेरणा आदि उपस्थित थे।

प्रथम विशेष साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शनिवार को पैराडाइज स्थित अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल में अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति के सदस्यों, शाखा के पदाधिकारियों एवं समिति के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन की प्रथम विशेष साधारण सभा सम्पन्न हुई। अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि अग्रवाल समाज कई कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहा है जिसमें समाज की शाखाओं व दानदाताओं का सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाज बंधुओं के लिए शिक्षा सहायता, मेडिकल सहायता, विधवा पेंशन, धनपात्र योजना आदि चलाई जा रही है जिससे समय समय पर समाज को लाभ मिल रहा है और आर्थिक रूप से जो समाजबंधु कमजोर हैं उनको सहायता भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज को आंध्र सरकार ने श्रीशैलम में भूमि सुपूर्द की है जिसमें समाज के बंधुओं के लिए विशाल भवन का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा महाराजा श्रीअग्रसेनजी जयंती महोत्सव भव्यता से आगामी 3 अक्तूबर को शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन में भव्यता से आयोजित किया जाएगा जिसमें समाज की शाखाएं सहयोग प्रदान करेंगी। सभी जयंती के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी निभायें और समाज की एकजुटता का प्रदर्शन करें। इस अवसर पर श्रीशैलम भवन समिति के चेयरमैन एवं निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल ने जताया कि अग्रवाल समाज द्वारा श्रीशैलम में भव्य भवन का निर्माण किया जाएगा जिसके पंजीकरण एवं निर्माण का कार्य आगामी डेढ़ माह में आरंभ किया जाएगा। इसमें दानदाता स्वेच्छा से अपना योगदान दे रहे हैं। इस कार्य में सहयोग प्रदान करने वाले सभी का समाज आभार व्यक्त करता है। अवसर पर अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष एवं जयंती के प्रधान संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाराजा श्रीअग्रेसनजी की जयंती पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

समाज का सबसे चर्चित महिला उत्सव कार्यक्रम 21 सितंबर को सिकंदराबाद क्लासिक गार्डन में आयोजित किया जायेगा। इस बार समाज द्वारा पहली बार जॉब फेयर का आयोजन जयंती के दौरान 22 सितंबर को सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में आयोजित किया जा रहा है जिसमें करीब 400 से अधिक जॉब के लिए मेला लगेगा। अब तक 200 से अधिक ने अपना नाम पंजीकरण करवाया है। इसी प्रकार समाज की अग्रसेन रथयात्रा का आयोजन 15 दिन के लिए किया जाएगा जो समाज की सभी शाखाओं तक पहुँचेगी जहां पर सभी पूजा अर्चना करेंगे। अग्रसेन रथयात्रा का समापन जयंती के दिन होगा। उन्होंने कहा कि जयंती महोत्सव के अंतर्गत युवाओं के लिए बॉक्स क्रिकेट का आयोजन किया जाएगा। समाज द्वारा खेलकूद को प्रोत्साहित करते हुए इस बार बैडमिंटन प्रतियोगिता 28 सितंबर को आयोजित की जाएगी और 29 सितंबर को विशाल स्तर पर शहर के विभिन्न स्थानों पर शाखा के सहयोग से पौधारोपण का कार्यक्रम विशाल स्तर पर किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जयंती का मुख्य कार्यक्रम 3 अक्तूबर को शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन में आयोजित किया जाएगा। वहां पर गत तीन वर्ष की तरह लक्की ड्रा निकाला जाएगा तथा भाग्यशालियों को इस बार हीरा, सोना, चांदी का विशेष उपहार मिलेगा। उन्होंने कहा कि जयंती के मंचीय कार्यक्रम के पश्चात डांडिया कार्यक्रम होगा। सहभोज के साथ कार्यक्रम पूर्ण होगा।

सभा का संचालन मानद मंत्री कपूरचंद गुप्ता ने करते हुए गत बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत कर उसे पारित करवाया। अवसर पर परामर्शदाता अनिरुद्ध गुप्ता, महेश नरेठा ने भी अपने विचार रखा। समाज द्वारा किये आ रहे कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी सक्रियता से कार्य करने की प्रेरणा दी। अवसर पर सभा का आभार सह-मंत्री कंचन अग्रवाल ने व्यक्त किया। अवसर पर कोषाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल सहित समाज के रुपेश कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार जालान, राजेन्द्र जालान, संजय गुप्ता, संजय पसारी, शशि सिंघल, सुधीर कुमार जैन, अशोक आर. डाणी, उमेश गुप्ता, घनश्याम अग्रवाल, विष्णु, नितिन अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, अजय कुमार अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, लोकेश सिंघल, योगेश्वर अग्रवाल, फकीरचंद, बिक्की सराफ, विकेश खखेतान, अनिल अग्रवाल, साकेत अग्रवाल, नवीन कुमार अग्रवाल, सुमेश अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, सुमित बंसल, गोविंद केडिया, भगवतीलाल अग्रवाल, अजय अग्रवाल, रुशील धनावत, कृष्णा अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, सविता अग्रवाल, शीतल रूंगटा, पवन कुमार, सुनिल अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सुरेश मित्तल, भुवनेश्वर अग्रवाल, राकेश पचेरिया, पी.डी. गुप्ता, गजानंद, वासुदेव, विजय जिंदल, डी.पी. बसंल, वर्षा रानी, विनोद केडिया अनामिका गुप्ता, विनोद अग्रवाल, बरखा अग्रवाल, पवन संघी, आनंद संघी, आशीष दोचानिया, रोहित जैन सहित अन्य उपस्थित थे।

श्रीजी भक्त मंडल, तिलक नगर में स्थापित भगवान गणेश जी की पूजा अर्चना करते श्रीजी भक्तमंडल के सदस्य।

मध्यप्रदेश से गणेश विसर्जन के लिए नगर पधारे मध्य प्रदेश सिद्ध बाबा प्रधान पुजारी और कांग्रेस पार्टी वरिष्ठ नेता रामनिवास उर्मालिया, मनोज अग्निहोत्री राजगुरु, बबलू पटनहा , गुड्डा तिवारी ,राजेश परोहा का एयरपोर्ट और जगदीश मार्केट लक्ष्मी माता मंदिर में स्वागत करते हुए विंध्यांचल ब्रह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, कुलदीप तिवारी, रामपाल पाण्डेय, प्रदीप पाण्डेय, नीरज त्रिपाठी एवं अन्य।

विप्र फ़ाउण्डेशन जोन-16 तेलंगाना का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विप्र फ़ाउण्डेशन जोन-16 तेलंगाना द्वारा रविवार, दि. 15 सितंबर, 2024 को काचीगुड़ा स्थित बद्रुका कॉलेज ऑडिटोरियम में भव्य रूप से प्रति सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमें 125 से अधिक विप्र भविष्य प्रतिभा सम्मान के हकदार युवाओं ने सम्मान प्राप्त किया। कार्यक्रम का प्रारंभ मंच पर आसीन महानुभावों द्वारा किया गया, जिसमें अध्यक्ष हरिकिशन ओझा, मुख्य अतिथि अजय मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिनारायण व्यास, राष्ट्रीय महामंत्री भगवान व्यास, राष्ट्रीय प्रतिनिधि केशव शर्मा, विशेष अतिथि ए. सुब्रह्मण्यम सर, राकेश शर्मा, जोन-16 के महामंत्री रामदेव नागला, कोषाध्यक्ष मदनगोपाल व्यास, हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत आदि मंचासीन थे। अतिथिों द्वारा भगवान परसुराम की पूजा व दीप प्रज्जवलन के पश्चात अतिथियों व राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का शॉल-माला, साफ़ा व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मान किया गया। अपने स्वातत भाषण में अध्यक्ष हरिकिशन ओझा ने विप्र फ़ाउण्डेशन की सभी नीतियों का विस्तारपूर्वक विश्लेशन किया। इसी क्रम में विशेष अतिथि राकेश शर्मा, ए. सुब्रह्म्यम राष्ट्रीय प्रतिनिधि श्री हरिनारायण व्यास, भगवान व्यास व विप्र रत्न एके पुरोहित ने अपने-अपने शब्दों में विप्र फ़ाउण्डेशन के कार्यों व शिक्षा व बालकों के भविष्य पर विस्तृत चर्चा की। सम्मान समारोह पर सभी सम्मान प्राप्तकर्ता को स्मृति चिह्न, दुपट्टा व पेन आदि देकर सम्मानित किया गया।राष्ट्रगान के पश्चात सभी ने स्वरुचि भोजन का आनंद लिया।

नूरखांबाजार में अशोक गांधी , मम्मू गांधी एंड फ्रेंड्स द्वारा स्थापित श्री गणेश जी की पूजा में उपस्थित अखिल भारत हिन्दू महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी कमलेश महाराज, भाग्यलक्ष्मी मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला , लव फोर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी ऋद्धिश जागीरदार , जैन संस्कार वाटिका के मुकेश चौहान, महावीर केमल सेंचरी के सुरेंद्र भंडारी, आदित्य गेमावत एवं अन्य उपस्थित रहे।

कश्मीर के विधानसभा चुनावों पर आतंकी हमलों का साया

कई जगह मुठभेड़ें जारी, अतिरिक्त सैनिकों की हो रही तैनाती

जम्मू, 15 सितंबर (ब्यूरो)।

कश्मीर के चुनावों पर आतंकी हमलों का साया मंडराने लगा है। नतीजतन सरकार को ऐसे इलाकों में हजारों अतिरिक्त सैनिक भेजने पर मजबूर होना पड़ा है जहां दर्जनों मुठभेड़ें और तलाशी अभियान जारी हैं। अधिकारियों ने माना है कि डोडा और किश्तवाड़ जैसे इलाकों में 5,000-6,000 अतिरिक्त सैनिक तैनात किए गए हैं। हाल के हमलों के बीच तीन चरणों में होने वाले चुनावों के दौरान ड्रोन कड़ी निगरानी सुनिश्चित करेंगे।

केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) जम्मू और कश्मीर में बहुप्रतीक्षित विधानसभा चुनावों के करीब आने के साथ ही भारतीय सेना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करने वाली किसी भी घटना को रोकने के लिए व्यापक कदम उठा रही है, जो पांच साल पुराने यूटी के गठन के लगभग एक दशक बाद हो रही है। जम्मू और कश्मीर, विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद की नई लहर चल रही है, जिससे सुरक्षा तंत्र में चिंता बढ़ गई है। नियंत्रण रेखा (एलअ-ोसी) के पार से घुसपैठ के प्रयासों का मुकाबला करने के लिए, भारतीय सेना ने एलओसी और ऊंचे इलाकों में सैनिकों को फिर से तैनात करके अपने घुसपैठ-रोधी ग्रिड को मजबूत किया है।

अधिकारियों ने बताया कि ऐसी रिपोर्टें भी हैं कि आतंकवादी कश्मीरी पंडितों, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं या प्रवासियों, जिनमें से अधिकतर बिहार और उत्तर प्रदेश से हैं, को निशाना बना सकते हैं, ताकि अराजकता और भय का माहौल पैदा किया जा सके, जिसका उद्देश्य चुनावों को बाधित करना है। इस तरह के हमलों के पीछे का उद्देश्य असुरक्षा की भावना पैदा करना और स्थानीय लोगों को चुनावों में भाग लेने से रोकना है, जिससे जम्मू-कश्मीर में अशांति की छवि बने। इन संभावित व्यवधानों से निपटने के लिए, सेना ने पहले ही उन क्षेत्रों में अतिरिक्त सैनिकों को तैनात कर दिया है, जहां हाल ही में हमलों में वृद्धि हुई है, खासकर जम्मू क्षेत्र में।

सीमावर्ती क्षेत्रों और डोडा और किश्तवाड़ जैसे क्षेत्रों में अतिरिक्त 5,000-6,000 सैनिकों को तैनात किया गया है, जहाँ हाल ही में हमलों में वृद्धि देखी गई है। इन चुनावों में उच्च दांव के कारण कड़ी निगरानी बनाए रखने के लिए ड्रोन का भी उपयोग किया जाएगा। सूत्रों ने जोर देकर कहा कि सुरक्षाकर्मी चुनाव के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। तीन चरणों में होने वाले चुनाव 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर- 8 अक्टूबर को मतगणना के साथ, जम्मू और कश्मीर में हमलों की एक निरंतर लहर देखी गई है, खासकर जम्मू क्षेत्र में, जहां 2000 के दशक की शुरुआत में सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवाद को दबा दिया गया था।

जम्मू संभाग के वन क्षेत्रों में गश्त करने वाले सुरक्षा बलों के अलावा, ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) चुनाव के दौरान रक्षा की दूसरी पंक्ति के रूप में काम कर रहे हैं। स्थानीय समुदाय की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, भारतीय सेना और जम्मू और कश्मीर पुलिस इन वीडीजी को क्षेत्र के समग्र सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षित कर रही है। हाल की रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि उधमपुर जिले में कठुआ-बसंतगढ़ सीमा के पास सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में बुधवार को जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े दो आतंकवादी मारे गए। इससे पहले, अखनूर क्षेत्र में भारतीय चौकियों को निशाना बनाकर पाकिस्तानी सैनिकों की अकारण गोलीबारी के कारण सीमा सुरक्षा बल का एक जवान घायल हो गया था।

शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेस-ीओ) सहित दो सैनिक मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। इसके अतिरिक्त, शनिवार को उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले के पट्टन इलाके में सुरक्षा बलों के साथ रात भर चली मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए।

यह घटना शनिवार को डोडा जिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली से ठीक पहले हुई, जो लगभग चार दशकों में जिले में किसी भारतीय पीएम की पहली यात्रा थी। आंकड़ों के अनुसार, इस साल जम्मू और कश्मीर में 80 हत्याएं हुई हैं, जिनमें 41 आतंकवादी, 20 सुरक्षाकर्मी और 18 नागरिक शामिल हैं। विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र में, पिछले तीन वर्षों में ड्यूटी के दौरान लगभग 50 सैनिकों ने अपनी जान गंवाई है, जो इस क्षेत्र के सामने गंभीर खतरे को उजागर करता है।

कई नेताओं के बच्चे भी हैं कश्मीर के चुनाव मैदान में

जम्मू कश्मीर की राजनीति में वंशवाद की बेल

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 15 सितंबर।

18 सितंबर को तीन चरणों में होने वाले चुनाव शुरू होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर के कई प्रमुख राजनेताओं के बच्चे राजनीति के मैदान में कदम रख चुके हैं, जिनमें से कुछ पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती भी पहली बार चुनाव लड़ रही ऐसी ही एक उम्मीदवार हैं। तीसरी पीढ़ी के राजनेता उमर अब्दुल्ला अपने पिता फारूक अब्दुल्ला और दादा शेख मुहम्मद अब्दुल्ला के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। जबकि मध्य कश्मीर के कंगन से सांसद मियां अल्ताफ अहमद के बेटे मियां मेहर अली राजनीति में अपने परिवार की चौथी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के महासचिव अली मुहम्मद सागर के बेटे सलमान सागर और पूर्व स्पीकर मुहम्मद अकबर लोन के बेटे हिलाल अकबर लोन भी अपनी पारिवारिक परंपराओं को जारी रख रहे हैं।

इसी तरह से अपनी पार्टी के मुहम्मद दिलावर मीर के बेटे यावर मीर पहले रफियाबाद से विधायक रह चुके हैं। मारे गए अब्दुल गनी लोन के बेटे सज्जाद गनी लोन और शिया धर्मगुरु मौलवी इफ्तिखार अंसारी के बेटे इमरान अंसारी भी दावेदार हैं। यही नहीं, दिवंगत बशीर अहमद वानी के बेटे नासिर असलम वानी और गुलाम कादिर परदेसी के बेटे अहसान परदेसी एनसी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। दिवंगत सादिक अली के बेटे तनवीर सादिक और पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम रसूल कर के बेटे इरशाद रसूल कर भी उम्मीदवारों में शामिल हैं। नेकां नेता मुहम्मद शफी उड़ी के बेटे सज्जाद शफी उड़ी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। गुलाम मोहिउद्दीन कर्रा की विरासत को आगे बढ़ाने वाले तारिक हमीद कर्रा और गुलाम अहमद मीर के बेटे रफी अहमद मीर भी मैदान में हैं। जम्मू और कश्मीर के 2019 में केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठित होने के बाद से ये चुनाव पहली बार होंगे, जो 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन चरणों में होंगे और नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

सिखवाल ब्राह्मण समाज वैश्विक संगठन द्वारा विगत 27 वर्षों से नियमित रूप से अनंत चतुर्दशी पर्व (गणेश विसर्जन) पर पधारने वाले भक्तों के लिए प्रसाद व जल व्यवस्था की सेवा दी जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार 17 सितंबर को होने जा रहे गणेश विसर्जन कार्यक्रम के लिए बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें कार्यक्रम का बैनर विमोचित किया गया। सेवा व्यवस्था निजमा कॉलेज के सामने एलबी स्टेडियम के बाहर जगजीवन राम स्मारक के पास लगाई जाएगी।

दमरे के महाप्रबंधक ने तुंगभद्रा एक्सप्रेस पर कवच 3.2 प्रणाली का निरीक्षण किया

महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने उम्दानगर रेलवे स्टेशन का भी किया निरीक्षण

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रविवार को तेलंगाना के सिकंदराबाद और उम्दानगर के बीच तुंगभद्रा एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान कवच, संस्करण 3.2 प्रणाली का निरीक्षण किया।

श्री जैन ने निरीक्षण के दौरान कवच टावरों, ट्रैकसाइड उपकरणों और सिग्नलिंग प्रणाली सहित कई घटकों के कामकाज की समीक्षा की। नागरस-ोल-मुदखेड़-सिकंदराबाद-धोण-गुंटकल और बीदर-परली वैजनाथ-परभणी खंडों पर सफल परीक्षणों के बाद कवच प्रणाली (संस्करण 3.2) को वाणिज्यिक संचालन के लिए पेश किया गया है। यह दमरे के 1,200 रूट किलोमीटर को कवर करता है। यह कवच लोको पायलटों को ब्रेक लगाने में विफल होने पर स्वचालित रूप से गति सीमा बनाए रखने में मदद करता है। यह प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान सुरक्षित ट्रेन संचालन भी सुनिश्चित करता है।श्री जैन ने इस अवसर पर बताया कि कवच प्रणाली को एक स्वतंत्र सुरक्षा निर्धारक द्वारा उच्चतम स्तर के सुरक्षा एकीकरण स्तर (एसआईएल4) के साथ प्रमाणित किया गया है जो ब्लॉक सेक्शनों में तथा स्टेशनों पर रनिंग लाइनों पर ट्रेन की टक्करों की रोकथाम सुनिश्चित करता है।

उन्होंने कहा कि यह प्रणाली खतरे में सिग्नल पार करने की घटनाओं को भी कम करती है जिससे ट्रेन संचालन की सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होता है। जोन निकट भविष्य में कवच प्रणाली को संस्करण 4.0 में अपग्रेड करने की योजना बना रहा है।महाप्रबंधक ने उम्दानगर रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया, जिसमें यात्री सुविधाओं, परिसंचारी क्षेत्र तथा कवच प्रणाली के लिए सुरक्षा संबंधी प्रतिष्ठानों की समीक्षा की गई। उन्होंने बढ़ती जरूरतों तथा मांगों को ध्यान में रखते हुए स्टेशन के लिए भविष्य की विकास योजनाओं पर चर्चा की। दमरे की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि इस अवसर पर दमरे के प्रिंसिपल चीफ सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर सौरभ बंद्योपाध्याय, हैदराबाद डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर लोकेश विश्नोई, सिकंदराबाद के चीफ सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर (प्रोजेक्ट्स) वीएनएम राव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी की कथनी और करनी बिलकुल विपरीत : किशन रेड्डी

केंद्रीय मंत्री ने डलास घटना पर राहुल की चुप्पी की आलोचना की

हैदराबाद/नई दिल्ली, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उनके शब्द और कार्य लगातार एक दूसरे से अलग हैं।

श्री रेड्डी ने जारी एक बयान में विदेशी धरती पर भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों के ह्रास तथा संविधान का अनादर करने के बारे में बोलने के लिए श्री गांधी की आलोचना की। उन्होंने अमेरिका में एक पत्रकार के साथ घटित घटना का हवाला देते हुए कहा कि श्री गांधी से जुड़े लोग पत्रकारों के वैध सवालों का जवाब देने से डरते हैं।

श्री रेड्डी ने सवाल किया, यह श्री गांधी और उनके करीबी लोग हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार के बारे में सवाल यह उजागर करता है कि कांग्रेस पार्टी हिंदुओं के साथ कैसा व्यवहार करती है। क्या यह नहीं बताया जा रहा है कि कांग्रेस के नेता एक वैध सवाल का जवाब

नहीं दे सके और इसके बजाय पत्रकार पर हमला कर दिया? उन्होंने सभी लोकतांत्रिक विचारधारा वाले व्यक्तियों से श्री गांधी और उनके सहयोगियों की निंदा करने का आग्रह किया, उन पर झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया कि पत्रकारों को सुरक्षा नहीं मिलती।

भाजपा नेता ने कांग्रेस पार्टी पर मीडिया का दमन करने का आरोप लगाया। उन्होंने श्री गांधी की दादी इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया, जिसके दौरान कई पत्रकारों को आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (मीसा) के तहत जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने कहा, प्रेस को चुप कराने की आदत कांग्रेस पार्टी, खासकर नेहरू-गांधी परिवार के डीएनए में है। श्री रेड्डी ने हिंदू हितों की रक्षा करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ अपनी चर्चाओं के दौरान बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के बारे में चिंता जताई थी। श्री रेड्डी के अनुसार, हिंदू सुरक्षा के मुद्दों को संबोधित करने में श्री गांधी की अनिच्छा कांग्रेस पार्टी की कथित हिंदू विरोधी विचारधारा से उपजी है। उन्होंने कहा कि अधिकांश भारतीय अब कांग्रेस पार्टी पर भरोसा नहीं करते, भले ही वह संविधान की रक्षा करने का दावा करती हो।

खैरताबाद गणेश जी की पूजा-अर्चना में भाग लेते हुए हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

अग्रसेन बैंक की 26वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दि अग्रसेन कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की 26वीं वार्षिक साधारण सभा की बैठक रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई में सम्पन्न हुई। अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने बैंक की 26वीं वार्षिक आम सभा में सभी का स्वागत करते हुए गर्व और खुशी का इजहार किया। उन्होंने आगे कहा कि मैं आपके निरंतर विश्वास, भरोसे और समर्थन के लिए आभारी हूँ, जो स्थापना के बाद से हमारी 26 वर्षों की विकास और सफलता की यात्रा में सहायक रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान, बैंक ने गुड कॉरपोरेट गवर्नेंस, डिजिटल बैंकिंग और साइबर सुरक्षा में कई मील के पत्थर हासिल किए हैं, साथ ही हमारे सभी हितधारकों की संतुष्टि के लिए कई अन्य मील के पत्थर हासिल किए हैं। मैं उन सभी शेयरधारकों को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने जुलाई 2024 के महीने में आयोजित बैंक की प्रबंध समिति के चुनावों में भाग लिया और हमारी टीम के सदस्यों को अपना भरपूर और ठोस समर्थन दिखाया और सभी निदेशकों को भारी बहुमत से चुना। श्री केडिया ने बैंक की प्रगति की रिपोर्ट साझा की। उन्होंने बताया कि गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष बैंक ने काफी प्रगति दर्ज की। उन्होंने कहा कि बैंक का कारोबार 954.27 करोड़ रुपये से बढकर 957.63 करोड़ रुपये तक पहुंच गा है। बैंक की जमा राशि भी गत वर्ष के 568.41 करोड़ से बढकर 592.44 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

चेयरमैन ने कहा कि बैंक समय के साथ चलते हुए डिजिटल बैंकिंग पर विशेष ध्यान दे रहा है। बैंक यूपीआई, आईएमपीएस, रूपे डेबिट कार्ड, ई-कॉमर्स, पीओएस ट्रांजेक्स, आरटीजीएस/नेफ्ट, सीबीडीटी भुगतान, एनएसीएच, ईसीएस, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, क्यूआर कोड विद साउंड बॉक्सेस, पीएमजेजेबीआई, पीएमएसबीवाई, पीएफएमएस का उपयोग कर रहा है। उन्होंने सहकारी विभाग, आरबीआई, निदेशक मंडल एवं अंशधारक सहित सभी ग्राहकों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सीनियर वाइस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल, निदेशक- नारायण दत्त, नरसिंह दास, गोपालचंद अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, अंजू केडिया, अपूर्वा अग्रवाल, बजरंग प्रसाद गुप्ता एवं सीए पंकज कुमार अग्रवाल तथा बोर्ड प्रबंधन के सदस्य, वरिष्ठ प्रबंधन टीम व अंशधारक उपस्थित थे।

केंद्रीय हिंदी संस्थान हैदराबाद केंद्र और केंद्रीय हिंदी निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में

हिंदीतरभाषी हिंदी नवलेखक शिविर का उद्घाटन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
केंद्रीय हिंदी संस्थान हैदराबाद केंद्र द्वारा आंध्र प्रदेश राज्य के मॉडल स्कूल के हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 474वें नवीकरण पाठ्यक्रम का आयोजन 02 सितंबर से 14 सितंबर तक हैदराबाद केंद्र पर आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम का समापन समारोह व केंद्रीय हिंदी निदेशालय नई दिल्ली, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हिंदीतरभाषी हिंदी नवलेखक शिविर का उद्घाटन समारोह तथा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन समारोह 14 सितंबर को हैदराबाद केंद्र पर आयोजित किया गया। इस नवीकरण पाठ्यक्रम में कुल 34 प्रतिभागियों ने (महिला–15, पुरुष–19) नियमित रूप से उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सर्वप्रथम मां शारदे के समक्ष मंचस्थ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभाआरंभ किया गया। सरस्वती वंदना प्रतिभागी अध्यापक मधुप्रिया व इंद्रवातम्मा ने की तथा संस्थान गीत महिला प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत मधुप्रिया कांतम्मा व इंद्रावतम्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा तथा केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने की। कार्यक्रम के संयोजक केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे रहे, मुख्य अतिथि दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के उच्च शिक्षा और शोध संस्थान के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष तथा मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मानू) के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के परामर्शी (हिंदी) सदस्य तथा कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि सहायक निदेशक (भाषा) केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा हिंदीतरभाषी हिंदी नवलेखक शिविर संयोजक डॉ. कृति शर्मा रहीं। नवीकरण पाठ्यक्रम प्रभारी एवं हिंदीतरभाषी हिंदी नवलेखक शिविर के समन्वयक डॉ. फत्ताराम नायक रहे । डॉ. एस. राधा, डॉ. प्रदीप कुमार भी मंच पर उपस्थित रहे।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने कहा कि हिंदी दिवस के अवसर पर यह कार्यक्रमों का त्रिवेणी संगम है। आज हिंदी विश्व की भाषा बन गई है। नवीकरण में जो प्रतिभागी प्रशिक्षित हुए हैं वे अपने ज्ञान को विद्यार्थियों के बीच फैलाएँ, जो नवलेखक शिविर के प्रतिभागी हैं उन्हें साहित्य के हेतु, तत्वों को जानना आवश्यक है। आप अपने नवलेखन को और अधिक किस प्रकार संवार सकते हैं, इस कार्यक्रम के माध्यम से उस पर प्रकाश डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि आप बहुजन हिताय हेतु लिखें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने कहा कि हिंदी दिवस को हम भारतीय भाषा दिवस के रूप में जानते हैं। अगर भाषा नहीं होती तो यह सारा संसार अंधकारमय हो जाता। भारतीय भाषाएँ विश्व भाषाओं से किसी भी रूप में कमतर नहीं है। कार्यक्रम संयोजक व क्षेत्रीय निदेशक प्रोफेसर गंगाधर वानोडे ने कहा कि नवीकरण पाठ्यक्रम व नवलेखक शिविर से आप अपने हिंदी के ज्ञान को अद्यतन करते रहें तथा इस ज्ञान के माध्यम से आप अपने विद्यार्थियों के जीवन में प्रकाश फैलाते रहें। सफलतापूर्वक नवीरकण पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर आपने सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई दी।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि डॉ. कृति शर्मा ने नवलेखक शिविर के मंतव्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस शिविर के माध्यम से हिंदीतरभाषी नवलेखक अपने नवसृजन का विस्तार कर पाएँगे साथ ही उन्होंने केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों तथा निदेशालय का परिचय दिया। डॉ. राधा ने अतिथियों का परिचय व स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर संस्थान से दक्षिण भारत की संस्कृति पर आधारित त्रैमासिक पत्रिका समन्वय दक्षिण का विमोचन भी किया गया तथा 474वें नवीकरण पाठ्यक्रम के हिंदी अध्यापकों द्वारा तैयार हस्तलिखित पत्रिका संस्कृतियों का देश–हमारा आंध्र प्रदेश का विमोचन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रतिभागी अध्यापक जहीर खान व कातंम्मा ने अपनी स्वरचित कविता प्रस्तुत की। इंद्रवतम्मा ने देशभक्ति गीत गाया। महिला प्रतिभागी समूह द्वारा लोकनृत्य कोलाटम प्रस्तुत किया गया। अतिथि अध्यापक डॉ. योगेन्द्रनाथ मिश्र व डॉ. राजीव कुमार सिंह ने भी इस अवसर पर अपना आशीर्वचन दिया।

नवीकरण के प्रतिभागी अध्यापकों द्वारा इस अवसर पर अपने सभी शिक्षकों व मंचस्थ अतिथियों का सम्मान भी किया तथा पर परीक्षण में प्रथम पुरस्कार बी. दुर्गादेवी, द्वितीय पुरस्कार सय्यद जीलानी, तृतीय पुरस्कार पी. मोहन रेड्डी तथा प्रोत्साहन पुरस्कार के. कांतम्मा ने प्राप्त किया।

इस पाठ्यक्रम के दौरान प्रो. गंगाधर वानोडे, डॉ. फत्ताराम नायक व बाह्य अतिथि अध्यापक डॉ. योगेंद्रनाथ मिश्र, डॉ. सी. कामेश्वरी, डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. संध्यादास ने अध्यापन का कार्य किया तथा डॉ. मोहम्मद कमालुद्दीन एवं डॉ. रजनीधारी ने विशेष व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के समापन समारोह के अंत में मंचस्थ अतिथियों द्वारा प्रमाण–पत्र वितरण किए गए। डॉ. फत्ताराम नायक ने केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र का परिचय व मंच का संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन केंद्रीय हिंदी निदेशालय के डॉ. प्रदीप कुमार व डॉ. एस. राधा ने दिया। तकनीकी सहयोग सजग तिवारी व डॉ. संदीप कुमार ने दिया।

महाराजा अग्रसेनजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण का कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की 5148वीं जयंती जो 3 अक्तूबर को मनाई जाएगी, जिसके संदर्भ में महाराजा अग्रसेन जी की बंजारा हिल्स में स्थापित प्रतिमा पर अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा एवं बंजारा सेंट्रल शाखा द्वारा मिलकर माल्यार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एक प्रेस विज्ञप्ति में महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा के माथे पर तिलक लगाकर माल्यार्पण एवं प्रसाद अर्पित किया गया।

महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा के अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष ताराचंद बंसल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल, सहमंत्री कैलाश चंद अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल, कैलाश चंद अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य शंकर लाल अग्रवाल एवं बंजारा सेंट्रल शाखा के मानद मंत्री मनीष अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य विजय गुप्ता, सुनील कुमार अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य रमेश कुमार अग्रवाल, सुभाष केडिया, रवि अग्रवाल आदि उपस्थित थे। प्रसाद ग्रहण करने के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

पेशीड्डु डीम वैली शिवरामपल्ली में डीम वैली महिला मंडल द्वारा गणेश उत्सव का आयोजन और पूजा अर्चना किया गया।

हैदराबाद पुलिस ने गणेश प्रतिमा विसर्जन एवं मिलाद–उन–नबी की तैयारियां की तेज

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद सिटी पुलिस ने 17 सितंबर को होने वाले गणेश प्रतिमा जुलूस और विसर्जन, उसी दिन पब्लिक गार्डन और परेड ग्राउंड में होने वाले अन्य प्रमुख कार्यक्रमों और रविवार रात से शुरू होने वाले मिलाद–उन–नबी के लिए अपनी तैयारियों के अंतिम चरण को तेज़ कर दिया है।

सिटी पुलिस कमिश्नर सी वी आनंद ने रविवार की रात सभी जोनल पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), एसएचओ और गश्ती एवं ब्लू कोल्ट्स टीमों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। ब्रीफिंग के दौरान श्री आनंद ने आगामी चुनौतियों पर प्रकाश डाला और बंदोबस्त योजनाओं के कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर ज़ोर दिया।

उन्होंने आज रात से शुरू होने वाले सुरक्षा उपायों को बढ़ाने, बेहतर खुफिया जानकारी जुटाने और एक अच्छी तरह से समन्वित कार्य योजना की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने पिछले साल की कमियों का जिक्र करते हुए एक मजबूत यातायात प्रबंधन योजना के महत्व को रेखांकित किया, खासकर बशीरबाग और एम जे मार्केट जैसे महत्वपूर्ण जंक्शनों पर।

उन्होंने कहा, इन प्रमुख जंक्शनों की ओर आने वाली विभिन्न सड़कों से यातायात को कुशलतापूर्वक प्रबंधित किया जाना चाहिए। उन्होंने डीसीपी को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि गणेश प्रतिमा जुलूस बिना किसी देरी के आगे बढ़े और आयोजकों को आवश्यक रसद सहायता प्रदान करें।

अतिरिक्त निर्देशों में बल के समायोजन की योजना बनाना, बाहरी बलों को जानकारी देना, संचार प्रणाली को बढ़ाना, तोड़फोड़ विरोधी जांच करना, सोशल मीडिया की निगरानी करना और सी टीमों, ड्रोन और कैमरा–माउंटेड वाहनों का उपयोग करना शामिल है। अतिरिक्त प्लाटून की रणनीतिक तैनाती को भी प्राथमिकता दी गई। ब्रीफिंग के दौरान 19 सितंबर को मिलाद–उन–नबी जुलूस की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें परिचालन रसद पर विशेष ध्यान दिया गया। डीसीपी ने अपने–अपने अधिकार क्षेत्र में लागू किए जा रहे सुरक्षा उपायों और कार्य योजनाओं पर अपडेट प्रदान किए।

पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि बशीरबाग में पुराने पुलिस आयुक्त (सीपी) कार्यालय में तेलंगाना गणेश समन्वय समिति (टीजीसीसीसी) और सिटी कमांड कंट्रोल सेंटर (सीसीसी) विसर्जन के दिन सुबह से ही चालू हो जाएंगे, जिसमें विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि किसी भी मुद्दे को हल करने के लिए मौजूद रहेंगे।

आकाश इन्नोवा रेजीडेंसी डीवी कॉलोनी मिनिस्टर रोड सिकंदराबाद में अयोध्या रूप राम मंदिर गणेश जी महाराज की स्थापना की गई और रोजाना पूजा अर्चना की जा रही है। पूजा के दौरान उपस्थित पीडी जाखोटिया, यश जाखोटिया, ख़ुशी जाखोटिया, शिव कुमार, मनीष, शीतल, रितु, स्नेहा, अर्नव, आरवी, मोदानी, नवरत्न मल डूगड़, मंजु दूगड़, निशा दूगड़, हर्ष दूगड़, पीयूस शाह, किशोर डी मेहता, अजय और बिल्डिंग के सभी सदस्य।

राज्यपाल जिष्णु देव ने दी ईद मिलाद–उन–नबी की शुभकामनाएं

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने प्रदेशवासियों को ईद मिलाद–उन–नबी के अवसर पर बधाई दी है। श्री वर्मा ने रविवार को कहा, मैं पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन ईद मिलाद–उन–नबी के शुभ अवसर पर अपनी हार्दिक बधाई देता हूं। करुणा, सहिष्णुता, एकता, सद्भाव और सार्वभौमिक भाईचारे की पैगंबर मोहम्मद की महान शिक्षाएं हम सभी को सभी की भलाई के लिए काम करने के लिए प्रेरित करती रहें। चारों ओर शांति और समृद्धि हो। सबसे आदरणीय पैगंबर का मिशन तब पूरा होता है, जब हम अपने साथियों की सेवा विश्वास, भरोसा, देखभाल, दया और करुणा के साथ करते हैं। इस अवसर पर, हम सभी समाज में एकता, सद्भाव, शांति, सार्वभौमिक भाईचारे और समृद्धि को बढ़ावा देने का संकल्प लें। मैं आप सभी को मिलाद–उन–नबी को उसकी सच्ची भावना में मनाने की कामना करता हूं।

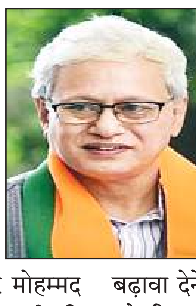

वेंकैया नायडू ने लोगों से पौष्टिक भोजन के साथ स्वस्थ रहने का किया आग्रह

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने लोगों से पौष्टिक भोजन का सेवन कर और स्वच्छ वातावरण के साथ स्वस्थ रहने का आग्रह किया है।

श्री नायडू रविवार को बोरबांडा में नैटको सरकारी स्कूल में एआईजी अस्पताल के सहयोग से स्वर्ण भारत ट्रस्ट, हैदराबाद चैप्टर द्वारा आयोजित एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के उद्घाटन पर बोल रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान इस पहल पर अपनी खुशी व्यक्त की। इसका उद्देश्य वंचितों को चिकित्सा देखभाल प्रदान करना है। उन्होंने कॉरपोरेट अस्पतालों के डॉक्टरों द्वारा गरीबों तक पहुंचने, चिकित्सा जांच करने और उचित स्वास्थ्य मार्गदर्शन प्रदान करने के विचार की सराहना की। श्री नायडू ने डॉक्टरों, शिक्षकों, सरकारी एजेंसियों और स्वैच्छिक संगठनों को लोगों के बीच स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

बाल गणेश यूथ एसोसिएशन श्रीपुरम कॉलोनी मुसारामबाग द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा की पूजा–अर्चना की गई। इस अवसर पर उपस्थित कनिष्क अलंदकर, कार्तिक अलंदकर, अमया, शारदा, लक्ष्मी, कृष्णा और अन्य।

महेश कुमार गौड़ ने संभाला तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष का पदभार

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बोम्मा महेश कुमार गौड़ ने रविवार को हैदराबाद के गांधी भवन में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण किया।

गांधी भवन पहुंचने से पहले श्री गौड़ ने गन पार्क में स्तूपम पर तेलंगाना शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और फिर एक रैली के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने गांधी भवन में अपने कक्ष में विशेष पूजा की। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य (एमएलसी), अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के सदस्य एवं प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी दीपादास मुंशी, एआईसीसी सचिव, निगम अध्यक्ष, पूर्व राज्यसभा सदस्य वी हनुमंत राव और कांग्रेस नेताओं तथा कार्यकर्ता सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए। श्री रेड्डी और श्री विक्रमार्क ने पदभार ग्रहण करने पर श्री गौड़ को बधाई दी।

प्रधानमंत्री आज नागपुर–सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय रेलवे का गौरव और भारत की स्वदेशी सेमी–हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस महाराष्ट्र और तेलंगाना राज्यों को जोड़ने वाली अपनी पहली यात्रा शुरू करने के लिए तैयार है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 सितंबर, 2024 को वीडियो रिमोट लिंक के माध्यम से नागपुर और सिकंदराबाद को जोड़ने वाली उद्घाटन वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे।

वंदे भारत एक्सप्रेस का स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किया गया ट्रेन सेट अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ रेल उपयोगकर्ताओं को तेज, आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करेगा और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भारतीय रेलवे के दृष्टिकोण का एक और महत्वपूर्ण कदम होगा। यह ट्रेन महाराष्ट्र के महत्वपूर्ण शहर नागपुर और तेलंगाना के सिकंदराबाद को जोड़ेगी, जिससे दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे। यह ट्रेन महाराष्ट्र राज्य के विदर्भ क्षेत्र को औद्योगिक केंद्र रामागुंडम, काजीपेट और सिकंदराबाद से जोड़ेगी। ट्रेन नागपुर से सिकंदराबाद के बीच की दूरी 7 घंटे 15 मिनट में तय करेगी। ट्रेन में 2 एग्जीक्यूटिव क्लास कोच और 18 चेयर कार कोच हैं, जो पूरी तरह से वातानुकूलित हैं और कुल मिलाकर 1440 सीटों की बैठने की क्षमता है। ट्रेन सुविधाजनक समय प्रदान करती है जिससे नागपुर, बल्हारशाह और अन्य शहरों से सिकंदराबाद तक पहुंचने के लिए दिन के समय यात्रा की सुविधा मिलती है।

वंदे भारत एक्सप्रेस अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है जैसे ऑन–बोर्ड वाई–फाई इंफोटेनमेंट, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, आलीशान इंटीरियर, टच फ्री सुविधाओं के साथ बायो वैक्यूम शौचालय, विसरित एलईडी लाइटिंग, नीचे चार्जिंग पॉइंट प्रत्येक सीट, व्यक्तिगत स्पर्श आधारित रीडिंग लाइट और छुपा हुआ रोलर ब्लाइंड, बेहतर हीट वेंटिलेशन और हवा की रोगाणु मुक्त आपूर्ति के लिए यूवी लैंप के साथ एयर कंडीशनिंग प्रणाली। प्रत्येक कोच में इंफोटेनमेंट सिस्टम और कवच तकनीक सहित सुरक्षा सुविधाएं एक अतिरिक्त सुविधा हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.